



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

PART II—Section 3—Sub-section (i)
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 21, 1992/वैशाख 1, 1914

No. 180]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 21, 1992/VAISAKHA 1, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल-भूतल परिवर्तन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1992

सा.का.नि. 429(अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विशाखापट्टणम न्यासी मंडल द्वारा बनाये गये और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में विशाखापट्टणम पत्तन न्यासी कर्मचारी (छुट्टी) विनियम, 1992 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी.आर.-12015/13/91-पी.ई.-1]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट

अधिसूचना

महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (अधिनियम 1963 का 38) की धारा 28 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उपर्युक्त अधिनियम की धारा 124 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन की शर्त पर विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट के न्यासी मंडल ने, भारत राजपत्र में जी.एल.आर. 327 और 325 के रूप में प्रकाशित वि.पो.क. (छुट्टी) विनियम, 1964 और वि.पो.क. (अध्ययन अर्जित छुट्टी) विनियम, 1964 के अधिकरण में निम्नलिखित विनियम बनाती है ;

अध्याय—1 : प्रारंभिक

1. लघु शीर्ष और आरंभ :

(क) इन विनियमों को विशाखापट्टणम पोर्ट ट्रस्ट के (छुट्टी) विनियम, 1992 कहा जाएगा।

(ख) यह केन्द्र सरकार से अनुमोदन के बाद भारत राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

2. आवेदन पत्र की सीमा :

इन विनियमों से अन्यथा उपबन्धित के अतिरिक्त मंडल सेवा के सभी कर्मचारियों के लिये ये विनियम लागू होंगे परन्तु निम्नलिखित पर लागू नहीं :—

- (क) नैमित्तिक या दैनिक दर के व्यक्ति या अर्ध-कालिक कर्मचारी
- (ख) तटीय और ग्रयस्क संभलाई श्रमिक।
- (ग) ठेके पर नियोजित व्यक्तियों के लिये जब कभी ठेका में अन्य प्रकार के उपबंध होने पर, और
- (घ) सीमित अवधि के लिये केन्द्र या राज्य सरकार या कोई अन्य स्रोत से मंडल के अन्तर्गत प्रतिनियुक्ति पर सेवा करने वाले व्यक्तियों पर

3. (1) परिभाषा :

इन विनियमों में जब तक प्रसंग से अन्यथा अपेक्षित न हो।

(क) “मंडल”, “अध्यक्ष”, “उप-अध्यक्ष” एवं “विभागाध्यक्ष” का वही अर्थ होगा जो उनके लिये महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 में नियत किया गया है।

(ख) “छुट्टी स्वीकृति के लिये प्राधिकारी सक्षम है” का अर्थ, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के अन्तर्गत प्रत्यायोजित अधिकारों के अधीन प्राधिकार को छुट्टी मंजूर करने का अधिकार दिया गया है।

(ग) “वर्ष का सेवा काल पूरा करना” और “एक वर्ष का अनुवर्ती सेवा” माने मंडल के अधीन निविष्ट अवधि के लिये लगातार सेवा है कार्य करने की अवधि और साथ में असाधारण छुट्टी सहित छुट्टी अवधि भी इसमें शामिल है।

(घ) “परिवर्तित छुट्टी” का अर्थ विनियम-27 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी। “आकस्मिक छुट्टी” और “विशेष आकस्मिक छुट्टी” का अर्थ क्रमशः विनियम 60 और 61 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी।

(च) एक कर्मचारी के संबंध में “सेवा निवृत्ति तारीख” अथवा “उसकी सेवा निवृत्ति तारीख” का अर्थ उसकी सेवा पर निवृत्ति योग्य अर्थात् के अन्तर्गत निर्धारित आयु पर पहुंचने की महोत्सव का अंतिम तारीख के अपरान्हन माना जायेगा।

(छ) अर्जित छुट्टी का अर्थ विनियम (24) के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी।

(ज) “अर्जित छुट्टी देय” का मतलब छुट्टी विनियमों के अन्तर्गत लागू तारीख से पहले शुरू होने वाले किसी कर्मचारी की जमा छुट्टी का रकम और साथ ही विनियम-24 के अन्तर्गत लिये गये अर्जित छुट्टी की रकम से घटाकर या इन विनियमों की शुरुआत के बाद गिनी गयी अर्जित छुट्टी की रकम है।

(झ) “असाधारण छुट्टी” माने विनियम 29 के अन्तर्गत ली गयी छुट्टी है।

(ञ) “कर्मचारी” का अर्थ मंडल के कर्मचारी।

(ट) “स्थायी रोजगार का कर्मचारी” का अर्थ वह कर्मचारी है जो मौलिक रूप से एक स्थायी पद पर अथवा जो स्थायी पद पर होने वाला लियन पर जाने पर, लियन निवृत्ति नहीं करा जाएगा।

(ठ) “फार्म” का अर्थ इन विनियमों के अनुसूची से संलग्न फार्म।

(ड) “अर्थ वेतन छुट्टी” का अर्थ सेवा काल में समाप्त किये गये गार बर्षों के लिये अर्जित की गयी छुट्टी।

(ढ) “अर्थवेतन छुट्टी देय” का अर्थ प्राइवेट मामलों और चिकित्सा प्रमाण पत्र जो इन विनियमों के प्रारंभ होने से पहले लिये गये थे, उस तारीख को या तारीख के बाद ली गयी अर्थ वेतन छुट्टी पर

पूर पर सेवा कालीन अर्थ वेतन छुट्टी के रकम में घटाकर विनियम 26 के अन्तर्गत गिना गया अर्थवेतन छुट्टी को रकम है।

(ण) “विदेशी सेवा” का अर्थ वह सेवा है जिसमें कर्मचारी पोस्ट निधियों से भिन्न किसी भी साधन से अपना वेतन, मंडल की मंजूरी से प्राप्त करता है।

(2) यहां पर प्रयुक्त शब्द और अभिव्यक्तियों में मूल नियम और पुरक नियमों में परिभाषित के अनुसार क्रमशः वही अर्थ होगा जो इन अधिक अधिनियमों और नियमों में निबन्धित किये गये हैं।

स्पष्टीकरण :—

किसी कर्मचारी के निवृत्ति अवधि को जिसे छुट्टी दिवस के रूप में माना जाये तो वह इन विनियमों का प्रयोजन के लिये सेवा में नहीं माना जायेगा।

4(1) अस्थायी से स्थानान्तरण या विदेश सेवा/अन्य सेवा के कर्मचारी

(1) जिन कर्मचारियों पर ये विनियम लागू हैं, वे केन्द्र या राज्य सरकार या भारत के अंदर किसी भी संगठन में प्रतिनियुक्ति पर जाने पर भी यही विनियम के अनुसार शासन जारी रहेगा।

(2) भारत से बाहर विदेश सेवा में या प्रतिनियुक्ति पर रहने वाले कर्मचारियों के मामले में ये विनियम, विदेश सेवा या प्रतिनियुक्ति के लिए व्यवस्थित शर्तों की सीमा तक ही उस कर्मचारी पर लागू होगा।

5. सेवा या पदों के स्थानान्तरण के संदर्भ में अन्य शासित छुट्टी नियम जब तक इन विनियमों में से कोई प्रावधान नहीं, किसी स्थायी कर्मचारी पर ये विनियम लागू नहीं होंगे।

(क) इन विनियमों से लागू होने वाले किसी सेवा या पद के लिए अस्थायी रूप में स्थानान्तरित होने पर, ऐसे स्थानान्तरण से पहले उस पर लागू छुट्टी नियम की शर्तें ही जारी रहेंगे।

(ख) ये विनियमों पर लागू होने वाले किसी स्थायी पद के लिए मौलिक रूप से नियुक्ति होने पर ऐसे नियुक्ति की तारीख से इन विनियमों की शर्तें उस पर लागू होंगे ऐसे मामले में, नियमों के अन्तर्गत उसकी छुट्टी साथ में उस पर पूर्व प्रयोजन नियमों को विनियम 24 के अत्यधिक सीमा के सम संबंधन की शर्तें पर अग्रसर किया जाएगा। इस प्रकार से अपेक्षित की गयी छुट्टी इन विनियमों के अंतर्गत उपयोग की गयी छुट्टी अर्जन से पहले ही निष्पादित किया जाएगा। छुट्टी अपेक्षित के मामले में छुट्टी वेतन उस विभाग से दिया जाएगा जहां से कर्मचारी को स्थानान्तरित किया गया है।

अध्याय-2: सामान्य शर्तें

6. छुट्टी के लिए अधिकार :—

(i) छुट्टी अधिकार के रूप नहीं मांगा जाएगा।

(ii) यदि किसी की सेवा कार्य की आवश्यकता अत्यंत जरूरी होने पर, किसी भी प्रकार की छुट्टी को छुट्टी मंजूर करने के प्राधिकार द्वारा अस्वीकृत या प्रतिरुद्ध किया जा सकता है परंतु उस प्राधिकार को यह हक नहीं है कि कर्मचारी द्वारा लिखित निवेदन के बिना, देय छुट्टी के किस्म को बदल सके।

7. किसी कर्मचारी की छुट्टी-दावे को छुट्टी आवेदन की स्वीकृति के समय में लागू विनियमों से विनियमित किया जाएगा।

8. बर्खास्तगी नौकरी से हटाया जाना या इस्तीफा के समय पर छुट्टी जमा पर उसका प्रभाव :

(1) विनियम 32 और इस विनियम में उपबन्धित नियमों के अलावा किसी कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त/हटाया गया या मण्डल सेवा से इस्तीफा दिया जाने पर उनकी छुट्टी जमा ऐसे बर्खास्तगी/हटाये जाने या इस्तीफा देने की तारीख से सीज हो जाएगा।

(2) कोई कर्मचारी जब अन्य पद के लिए है, जो मण्डल से बाहर है, उसके लिए आवेदन पत्र देना है और यदि ऐसे आवेदन पत्र को उचित माध्यम द्वारा भेजा जाता है और यदि आवेदक को नये पद पर जाने के पहले इस पद का परित्याग करना पड़ता है ऐसे इस्तीफा के मामले में उसकी छुट्टी जमा पर इसका प्रभाव नहीं होगा।

(3) कोई कर्मचारी जिसे सेवा से बर्खास्त या हटाया जाता है और उसे फिर अपील या पुनरीक्षण, न्यायालय, आदेश या किसी औद्योगिक अधिकरण, आदेश या इसी प्रकार, मामलों से उसे पुनः सेवा में लेने पर उसकी बर्खास्तगी या हटाये जाने के पहले सेवा काल के मामले के अनुसार सभी छुट्टियों की गिनना होगा।

(4) किसी कर्मचारी, प्रतिपूर्ति पर सेवा निवृत्त लेने पर या पेंशन या प्रेटियडी अवधि मान्य होने पर उस कर्मचारी को पुनः नियुक्ति दी गयी तो पेंशन के लिए उसकी पूर्व सेवा को भी गिना जाएगा और अपनी पूर्व सेवा की छुट्टी को भी गिनने के लिए हकदार होगा।

9. किसी एक प्रकार की छुट्टी को अन्य छुट्टी में परिवर्तन करना :

(1) जो प्राधिकारी किसी कर्मचारी को छुट्टी मंजूर करता है, वही प्राधिकारी उस कर्मचारी की विनती पर उसी छुट्टी के लिए, पूर्व वर्णो रूप से जो देय है, और स्वीकार्य है छुट्टी देने के समय उसके आधार पर उस छुट्टी को अन्य प्रकार की छुट्टी में परिवर्तन कर सकता है परंतु कर्मचारी इस परिवर्तन को हक के रूप में नहीं ले सकता।

(2) एक प्रकार की छुट्टी को अन्य प्रकार की छुट्टी में परिवर्तन करने के लिए उस कर्मचारी को अंतः प्रशन करने वाले छुट्टी के आधार पर छुट्टी का वेतन समायोजित करने के अर्थ पर जिसका अर्थ है उसकी मुगतान की गयी रकम ज्यादा होने पर वसूल किया जाएगा या उससे किसी प्रकार के बकाया है तो चुकाया जाएगा।

नोट :—चिकित्सा प्रमाणपत्र पर या अन्यथा स्वीकृत की गयी असाधारण छुट्टी को विनियम-29 के उपबंधों में अर्ध छुट्टी के अंतर्गत पूर्वव्यापी रूप से परिवर्तन किया जा सकता है।

10. विभिन्न प्रकार की छुट्टियों का संयोजन :—

इन विनियमों में किसी अन्य व्यवस्था को छोड़कर इन विनियमों के अंतर्गत किसी प्रकार की छुट्टी का संयोजन के साथ या किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी के अनुवर्ती में छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

स्पष्टीकरण :—

इन विनियमों के अंतर्गत आकस्मिक छुट्टी को छुट्टी के रूप में मान्यता नहीं दी गयी और इन विनियमों में स्वीकार्य किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से उसका संयोजन नहीं किया जाएगा।

11. लगातार छुट्टी के लिए अधिकतम परिमाण :— बोर्ड विविष्ट परिस्थितियों के अधीन किसी मामले को निश्चित करने के सिवा किसी भी, कर्मचारी को किसी भी प्रकार की छुट्टी लगातार पांच वर्षों के बाद नहीं दे सकता।

12. छुट्टी पर रहते समय (किसी अन्य) सेवा या नियुक्ति की स्वीकृति

(1) सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी या सेवा निवृत्ति तारीख के बाहर मंजूर की गयी छुट्टी या सेवा निवृत्ति या सेवा छोड़ने सहित कोई कर्मचारी छुट्टी पर होने पर उस कर्मचारी उसे नियुक्त करने की प्राधिकारी को पूर्व मंजूरी प्राप्त किये बिना और कहीं भी सेवा या नियुक्ति नहीं प्राप्त कर सकता। किसी केन्द्र सरकारी प्रोक्शनल प्राकटीस जैसे लेखाकार, विधि परामर्शदाता या चिकित्सा पेजा इत्यादि निजी व्यवसायी व्यवहार नहीं कर सकता।

2(क) सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी या सेवा निवृत्ति की तारीख के बाहर मंजूर की गयी छुट्टी या उस से भिन्न छुट्टी पर रहने वाले कोई भी कर्मचारी साधारणतया रूप से कोई अन्य सेवा या नियुक्ति पाने के लिए अनुमेष नहीं हैं।

(ख) यदि किसी विविष्ट मामले में वांछित ऐसी अनुमति की मंजूरी देना चाहे तो ऐसी हालत में कर्मचारी को अपने मूल कार्यालय से अस्थायी रूप में उस कार्यालय में बदली कराती होगी जहाँ पर उसे सेवा करने या नियुक्ति के लिए अनुमति दी गयी है अथवा कहीं अन्य जगह पर सेवा या नियुक्ति से ही पहले उसे अपनी इस नियुक्ति को इस्तीफा देना होगा।

(ग) कोई कर्मचारी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी में रहने के समय पर उसे प्राइवेट रोजगार लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उसे जो भी हो सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम या विनियम-31 में उल्लेख किये गये निकाय में रोजगार ले सकता है और ऐसी हालत में भी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के लिए देय छुट्टी वेतन विनियम-37 के अंतर्गत अनुमेष के समान ही होगा।

3(क) यदि कोई कर्मचारी जो सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गया है और नियुक्ति तारीख से पहले इस छुट्टी के दौरान मण्डल के अधीन को किसी भी पद के रोजगार के लिए उसकी आवश्यकता है और कर्मचारी कार्य पर आने के लिए सहमत है वैसे हालत में पुनः भर्ती होने की तारीख से छुट्टी का गैर-समाप्ति भाग रद्द कर दिया जाएगा।

(ख) उपर्युक्त विनियम (क) के अंतर्गत ऐसी रद्द की गयी छुट्टी को विनियम-32 के उपबंध के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

अध्याय III

मंजूरी और छुट्टी से वापसी

13. छुट्टी के लिए आवेदन पत्र

छुट्टी के लिए या छुट्टी को बढ़ाने के लिए किसी प्रकार के आवेदन, फर्म-1 में छुट्टी मंजूर करने वाले सक्षम प्राधिकारी को रखना होगा।

14. छुट्टी का लेखा :—

श्रेणी-1 और 2 कर्मचारियों के छुट्टी लेखा फार्म-2 में वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी द्वारा रखा जाएगा और श्रेणी-3 एवं 4 के छुट्टी लेखा विभागाध्यक्ष द्वारा या उनके प्राधिकृत अधिकारी से निर्वहन किया जाएगा।

15. छुट्टी हक का स्थापन :

किसी प्रकार की छुट्टी किसी भी कर्मचारी को छुट्टी निर्वहन प्राधिकार से इसकी अनुमेषता के बारे में रिपोर्ट प्राप्त होने तक छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी।

नोट :

छुट्टी मंजूर करने के आदेश में कर्मचारी के नाम पर जमा शेष अर्जित/अर्ध-वेतन छुट्टी को सूचित करना होगा।

16. कुछ अनिवार्य परिस्थितियों में छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी :

जिस कर्मचारी को एक सजा देने वाला एक सक्षम प्राधिकारी, नौकरी से निकालने, बर्खास्तगी या अनिवार्य रूप से सेवा से निवृत्त करने का निर्णय लेने पर है उसे छुट्टी मंजूर नहीं की जाएगी।

17. श्रेणी 1 एवं 2 तथा श्रेणी 3 व 4 कर्मचारियों को चिकित्सा प्रमाण-पत्र पर छुट्टी की मंजूरी :

1. चिकित्सा प्रमाण-पत्र पर छुट्टी का आवेदन पत्र निम्न प्रकार बनाया जाए :—

I श्रेणी 1 और 2 कर्मचारी, मामले के अनुसार पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल से संबंधित चिकित्सा अधिकारी या प्राधिकृत चिकित्सा नेत्रक से, फार्म 3 में चिकित्सा प्रमाण-पत्र के साथ रखना चाहिए।

II. श्रेणी 3 और 4 के कर्मचारी पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल से संबंधित चिकित्सा अधिकारी या प्राधिकृत चिकित्सा सेवक या पंजीकृत चिकित्सा पेशाकार से फार्म-4, में, जहाँ तक हो स्पष्ट रूप से बीमारी की प्रवृत्ति और संभाव्य प्रवृद्धि का विवरण के साथ चिकित्सा प्रमाण पत्र संलग्न करके रखना चाहिए।

(2) किसी मामले में चिकित्सा अधिकारी को ऐसा प्रतीत हो जाए कि संबंधित कर्मचारी के विषय में किसी प्रकार की वृद्धि न हुई ऐसे मामले में कर्मचारी मण्डल के अधीन की सेवा के लिए स्थायी रूप से अयोग्य है तो यह विचार चिकित्सा प्रमाण पत्र में रिकार्ड करना होगा।

(3) छुट्टी स्वीकृत करने का सक्षम प्राधिकार अपने निर्णय पर, आवेदक को प्रारंभिक संभाव्य तारीख में ही चिकित्सा जांच कराने के लिए पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से या जिले के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जिनमें कर्मचारी कार्य करता है या जहाँ से वह बीमार होकर आया है या जहाँ से वह इलाज के लिए अग्रसर होता है, को उसके बारे में यथाशीघ्र के दिन पर दूसरा चिकित्सा राय मांग सकता है।

(4) उपर्युक्त उप-विनियम (3) के अधीन कर्मचारी की जांच करने वाले चिकित्सा अधिकारी का यह कर्तव्य है कि वह बीमारी तथ्य और सिफारिश की गयी छुट्टी की आवश्यकता दोनों के बारे में विचार अभिव्यक्त करें और इस के लिए उसे आवेदक को अपने सामने या उसके द्वारा नामित चिकित्सा अधिकारी के समक्ष जाने के लिए मांग सकता है।

(5) इस विनियम के अधीन चिकित्सा प्रमाण पत्र की मंजूरी के आधार पर संबंधित कर्मचारी को छुट्टी पाने के लिए, हक के रूप में नहीं माना जाएगा। इस चिकित्सा प्रमाण पत्र को छुट्टी स्वीकृत करने के सक्षम प्राधिकारी को भेजा जाएगा और उस प्राधिकारी से आदेश की प्रतीक्षा की जाएगी।

(6) यदि कोई आवेदन पत्र अगर एक दफा तीन दिनों की छुट्टी अवधि से कम है तो उस हालत में छुट्टी स्वीकृत करने वाला सक्षम प्राधिकारी अपने निर्णय पर चिकित्सा प्रमाण पत्र की प्रस्तुतीकरण के बिना छुट्टी दे सकता है। ऐसी छुट्टी को चिकित्सा प्रमाण पत्र पर छुट्टी नहीं माना जाएगा और उस छुट्टी को मेडिकल ग्राउंड के बिना किसी अन्य छुट्टी के नाम में डाला जाएगा।

18. सेवा कार्य में वापस आने, फिट देने लायक न होने वाले कर्मचारी की छुट्टी :

(1) (क) जब कोई चिकित्सा प्राधिकारी यह सूचित करता है कि कर्मचारी अब कार्य पर वापस आने योग्य नहीं रहा, ऐसे कर्मचारी की छुट्टी अस्थायी कार्य करने की आवश्यकता नहीं।

(ख) छुट्टी यदि बाकी है तो छुट्टी स्वीकार करने वाले सक्षम प्राधिकारी से निम्नलिखित शर्तों पर छुट्टी मंजूर की जा सकती है :—

(i) यदि चिकित्सा प्राधिकारी दृढ़ता के साथ यह कहने में असमर्थ है कि कर्मचारी फिर से कार्य के लिए नहीं आ सकता तो ऐसी हालत में स्वीकृत की गयी छुट्टी बारह महीनों से अधिक नहीं हो सकती और आगे, इस प्रकार की छुट्टी चिकित्सा प्राधिकार की जानकारी के बिना नहीं बढ़ायी जा सकती।

(ii) यदि किसी कर्मचारी के बारे में चिकित्सा प्राधिकारी से घोषित कर दिया जाता है कि वह पूर्णतः और स्थायी रूप से आगे सेवा करने में असमर्थ है, चिकित्सा प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद उसे छुट्टी की स्वीकृति या छुट्टी बढ़ाने की मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते कि कुल छुट्टी को उसी छुट्टी खाते में सामे रखा जाए परन्तु छुट्टी की मात्रा चिकित्सा प्राधिकारी से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद किसी भी अवधि के साथ, छः महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(2) किसी कर्मचारी जो चिकित्सा प्राधिकार द्वारा आगे सेवा के लिए पूर्णतः और स्थायी रूप से असमर्थ घोषित किये जाने पर :—

(क) यदि वह कर्मचारी छुट्टी पर है, सेवाओं से राहत देने की तारीख से सेवा से अमान्य कर दिया जाएगा।

यदि वह कर्मचारी छुट्टी पर है, चिकित्सा प्राधिकार से रिपोर्ट प्राप्त करने ही उसे राहत देने की तारीख से लेकर उसके कार्यों से अमान्य करने की व्यवस्था की जाए। जो भी हो, यदि उसे उप-विनियम (1) के अधीन छुट्टी की मान्यता दी गयी है तो उस छुट्टी पूरा होने के बाद उसे सेवा से अमान्यकृत कर दिया जाएगा।

(ख) यदि वह पहले से ही छुट्टी पर होने पर ऐसी छुट्टी या छुट्टी को बढ़ाने के बाद, उप-विनियम (1) के अधीन उसे प्रदान किया गया छुट्टी समाप्ति के बाद से उसे सेवा से अमान्यकृत कर दिया जाएगा।

(19) छुट्टी का प्रारंभ और समाप्ति :

विनियम-20 में प्रावधानित के बिना कार्यभार के स्थानांतरण प्रभावित होने के दिन से सामान्यतः छुट्टी प्रारंभ मानी जाती है और कार्यभार पुनः प्रारम्भ करने वाले दिन से समाप्त मानी जाती है।

(20) अवकाश दिनों के साथ छुट्टी का संयोजन :—

(1) (i) जब किसी कर्मचारी की छुट्टी (चिकित्सा प्रमाण पत्र के आधार की छुट्टी से भिन्न) प्रारंभ होने के तुरंत पूर्वगामी दिन से या उसके छुट्टी समाप्त होने के बाद के दिन अवकाश का दिन या अवकाश दिनों का क्रम है तो, कर्मचारी का आवश्यकता पड़ने पर उस दिन के तुरंत बाद अपना स्टेशन छोड़ने की अनुमति दिया जा सकता (प्रशासनिक मामलों, पहले और बाद के अवकाश, विशेष रूप से स्थगित छुट्टी को छोड़कर) या उस दिन तक वापस आना होगा जब ऐसी अवकाश छुट्टी या अवकाश का क्रम आता है। बशर्ते कि उसका स्थानांतरण या कार्यभार संभालना प्रतिभूतियों या स्थायी अग्रिम रकम से भिन्न को संभालने में शामिल नहीं होगा।

(ii) चिकित्सा प्रमाण पत्र पर छुट्टी के मामले के संदर्भ में :—

(क) जब कभी कोई कर्मचारी दफतर को हाजर होने के लिए चिकित्सा रूप से अनारोग्य प्रमाणित किया जाता है तो, पूर्वगामी से शुरू कोई छुट्टी (छुट्टियाँ) उसके ऐसे प्रमाणित करने के उपरान्त शुरू होते हैं और स्वभावतः पहले वाली छुट्टी (छुट्टियाँ) यदि कोई है जो तुरंत आती, तो (उसको प्रमाणित करने के दिन सहित) उसे, भी छुट्टी का ही एक भाग माना जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को चिकित्सा रूप से कार्य में भर्ती होने के लिए प्रमाणित किया जाता है, जिसे ऐसा प्रमाणित करने के आगे यदि छुट्टी (छुट्टियाँ) हैं तो (उस दिन सहित) स्वभावतः वह कर्मचारी बाद की छुट्टी (अवकाश) से सकता है, और वह ऐसा प्रमाणित करने के पूर्वगामी दिन अवकाश (छुट्टियाँ) को छुट्टियों के रूप में माना जाएगा।

(2) इस शर्त पर जानेवाला कर्मचारी, अपने प्रभार में किसी प्रकार की रकम के लिए जिम्मेदार नहीं होगा, किसी भी विशिष्ट मामले में विभागाध्यक्ष उप-विनियम (1) के परंतुक पर आवेदन पर छूट दे सकता है।

(3) जब तक सक्षम प्राधिकार किसी मामले के विषय में छुट्टी स्वीकृत करने के लिए अव्यथा निर्देश देने पर—

(क) यदि अवकाश छुट्टी दिन के सामने पूर्व प्रत्यक्ष है और अवकाश दिनों के बाद वेतन और भत्ते का किसी प्रकार की परिवासी पुनःप्रबंध किया गया, तो यह छुट्टी के बाद के दिवस से लागू होगा।

(ख) यदि अवकाश दिन छुट्टी दिन के बाद का है तो छुट्टी को परिवर्तित किया गया माना जाएगा और वेतन एवं भत्ते, के परिणामी को पुनःप्रबंध के लिए यदि अवकाश दिन बाद में नहीं आते तो, छुट्टी समाप्ति पर वेतन एवं भत्ते परिणामी पुनः प्रबंध किया जाएगा।

नोट :—रविवार और अवकाश के दिन में किसी कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा (इयूटी) के बदले में मंजूर की गयी पूरे दिन की प्रतिपूर्क छुट्टी को उपर्युक्त प्रयोजन के लिए, एक अवकाश दिवस के रूप में माना जा सकता है।

21. छुट्टी समाप्त होने से पहले इयूटी (कार्य) पर वापस बुलाना

(1) यदि किसी कर्मचारी को उसकी छुट्टी समाप्त होने से पहले इयूटी पर वापस बुलाया जाना है तो, इयूटी पर ऐसे वापसी बुलाये को सभी मामले से अनिवार्य समझा जाएगा और कर्मचारी निम्नलिखित का हकदार होगा :—

(क) यदि भारत में रहनेवाले को जिस छुट्टी से उसे वापस बुलाया जाता है, उसे आदेश दिये गये स्टेशन से शुरू होने की तारीख से उसे इयूटी पर माना जाएगा और निर्मांकित 'ड्रा' कर सकता है :—

(1) संदर्भ में बताये गये नियमों के अंतर्गत यात्रा के लिए यात्रा भत्ता और (ii) कार्य पर वापस बुलाने के कारण अपनी पद पर भर्ती होने तक, उससे ड्रा करने वाले वर के मुताबिक छुट्टी वेतन दिया जाएगा।

(ख) यदि छुट्टी पर रहने वाले भारत के बाहर है और उसे वापस बुलाया गया तो भारत आने के लिए यात्रा पर बिताया गया समय को छुट्टी और प्राप्त करने वालों को गिनने के लिए इयूटी के रूप में माना जाएगा।

(i) भारत में आने यात्रा के दौरान और भारत में उतरने की तारीख से अपनी पद पर भर्ती होने की तारीख तक इयूटी पर वापस आने उसी वर पर जिस पर उसने पहले गया था छुट्टी वेतन दिया जाएगा।

(2) भारत के लिए मुफ्त यात्रा किराया।

(3) वापस बुलाने शर पर अगर वह भारत छोड़ जाने की तारीख से उसकी छुट्टी की आधी अवधि पूरा नहीं होने पर या तीन महीना न होने पर इसमें जो भी कम हो उस संदर्भ में उसकी भारत से आने की यात्रा किराया लौटाना होगा।

(4) अपनी जगह से भारत में उतरने की जगह तक यात्रा के लिए इस विनियम के अधीन उस समय में लागू यात्रा भत्ता दिया जाएगा।

22. छुट्टी से वापस

(1) छुट्टी पर गये कोई कर्मचारी जिसे प्राधिकार ने छुट्टी मंजूर किया है उस प्राधिकार को अनुमति के बगैर उसकी छुट्टी समाप्त होने के पहले इयूटी पर वापस नहीं आ सकता।

(2) उप-विनियम (1) में किसी विषय के रहने हुए भी कोई कर्मचारी जो निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर गये हैं जहाँ से वह निवृत्तिपूर्व छुट्टी पर गया है वहाँ के उसे नियुक्त करने वाला सभ्य प्राधिकारी की सह-मति के अतिरिक्त इयूटी पर वापस नहीं आ सकता।

(3) (क) चिकित्सा प्रमाण पत्र पर छुट्टी लिया कर्मचारी तब तक इयूटी पर वापस नहीं आ सकता है जब तक वह फार्म-5 में फिटनेस का चिकित्सा प्रमाणपत्र नहीं देता।

(ख) यदि कर्मचारी श्रेणी 1 या 2 के होने पर खण्ड (क) के अधीन उपर्युक्त प्रमाण पत्र पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी या कोई भी चिकित्सा सेवक जो सिविल सर्जन, ग्रेड-1 रैंक से कम न हो, उससे प्राप्त करना होगा।

(ग) श्रेणी 3 या श्रेणी 4 कर्मचारियों के मामले में छुट्टी से वापस आने के लिए जिस प्राधिकार के अंतर्गत कर्मचारी की नियुक्ति हुई है उस प्राधिकार अपने निर्णय पर एक पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टीशनर से हस्ताक्षर किया हुआ प्रमाणपत्र स्वीकार कर सकता है।

4 (क) कोई कर्मचारी जो छुट्टी से वापस आता है, वह छुट्टी पर आने से पहले किये गये पत्र पर प्रभावित निर्दिष्ट आदेशों की अनुपस्थिति में, कुछ समय के लिए उसे उसी पद के कार्य संभालने का हक नहीं है।

(ख) ऐसे कर्मचारी, उगे छुट्टी प्रदान करने वाला प्राधिकार या यदि कोई प्राधिकार है जो उसी छुट्टी प्रदान करने निर्दिष्ट आदेश में उल्लिखित है उसको अपनी इयूटी पर वापसी के बारे सूचित करके आवेशों की प्रतीक्षा करनी होगी।

नोट:—कोई कर्मचारी जो क्षय रोग से पीड़ित हो उसे आराम काम की सिफारिश करने वाला फिटनेस सर्टिफिकेट के आधार पर कार्य संभालने के लिए इजाजत दिया जाए

23. छुट्टी समाप्ति के बाद अनुपस्थिति

(1) छुट्टी स्वीकृत करने, छुट्टी बढ़ाने के लिए सभ्य प्राधिकारी के अनुमति के बिना कोई कर्मचारी छुट्टी समाप्त होने के बाद भी अनुपस्थित होने पर ऐसी अनुपस्थिति अवधि के लिए उसे छुट्टी वेतन पाने का हक नहीं है और उस अवधि के लिए जहाँ तक अवधि वेतन छुट्टी है वहाँ तक इसको उस छुट्टी लेखा के नामे डाला जाएगा, ऐसे वेध छुट्टी की अवधि पूरा होने पर उग से अधिक अवधि को असाधारण छुट्टी के रूप में माना जाएगा।

(2) किसी कर्मचारी को सौपी गयी छुट्टी की समाप्ति के बाद जानबूझकर इयूटी से अनुपस्थिति होने पर उस पर अनुशासनिक कार्यवाई ले सकते हैं।

अध्याय—4

देय और ग्राह्य छुट्टी के प्रकार

24. अर्जित छुट्टी

(1) (क) (i) कर्मचारी को एक केन्द्र वर्ष में 30 दिनों की अर्जित छुट्टी का अधिकार है। हर कर्मचारी को हर केन्द्र प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी और जुलाई हर दो किस्तों में छुट्टी के हिसाब में अर्जित छुट्टी के साथ जमा किया जाएगा।

(ii) जब कोई कर्मचारी पूर्ण भर्ती समय को एक्जैल करने के बगैर ही नये पद में भर्ती होने पर, इस समय के भर्ती के समय नियम के अंतर्गत प्रवृत्त के अनुसार स्वीकार्य दिनों की संख्या, वास्तव में उपयोग कर चुकने वाले संख्या से घटाकर अधिक से अधिक 15 दिनों तक घटा कर उसके छुट्टी (लेखा) हिसाब में अर्जित छुट्टी के रूप में जमा किया जाएगा। बशर्ते कि अर्जित छुट्टी इस उपखण्ड के अधीन दी गयी जमा सहित पहले से ही उसके हिसाब में मौजूद अर्जित छुट्टी लेखे में जमा किया जाएगा जो 240 दिनों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ख) पिछले आधे वर्ष की समाप्ति पर किसी कर्मचारी के जमा में छुट्टी को अगले आधे वर्ष में अग्रप्रेषित किया जाएगा बशर्ते कि इस प्रकार से अग्रप्रेषित की गयी छुट्टी और साथ ही आधे वर्ष की जमा छुट्टी 240 दिनों से अधिक न हो।

(2) इस विनियम के विनियम-6 और 32 तथा उप-विनियम (1) और (3) के उपबंधों के अधीन किसी कर्मचारी को भारत में एक बार मंजूर की गयी अधिकतम अर्जित छुट्टी 120 दिनों तक ही हो।

(3) श्रेणी-1 या श्रेणी-2 कर्मचारियों को 120 दिनों से भी अधिक अर्जित छुट्टी होने पर ही छुट्टी प्रदान की जाती है परन्तु 240 दिन से अधिक नहीं चाहे स्वीकृति छुट्टियाँ या उसके अंश में विदेश में बिताया गया हो।

परन्तु इस उप विनियम के अधीन दी गयी अर्जित छुट्टी 120 दिनों की अवधि से अधिक होने पर भारत में बिताये इस प्रकार की छुट्टी, अवधि पूर्वोक्त सीमा से अधिक नहीं होगा।

4. विदेवी सेवा में बिनागी गरीब अवधि को यदि इस प्रकार की अवधि के लिए छुट्टी वेतन के योगदान दिया गया है, तो इसे इस विनियम प्रयोजन के अधीन इसको इयूटी में गिना जाएगा।

25. अर्जित छुट्टी की गणना

(1) अर्जित छुट्टी में किसी कर्मचारी को उसकी नियुक्त किये गये कैलेंडर वर्ष के आधे वर्ष में उसके सेवा कार्य में पूरे किये गये हर महीने के लिए 2 1/2 दिनों के दर से उसकी छुट्टी हिसाब में जमा कर दिया जाएगा।

(2) कोई कर्मचारी यदि सेवा से निवृत्ति होने या इस्तीफा देना है तो उस आधे वर्ष के लिए क्रेडिट उसके निवृत्ति होने या इस्तीफा देने को तारीख तक पूरे कैलेंडर महीने के लिए अवधि 2 1/2 दिनों के हिसाब में दिया जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को सेवा में तिकाल/बर्खास्त कर दिया जाता है या सेवा के समय में मर जाता है, तो अर्जित छुट्टी की जमा (क्रेडिट) प्रति पूरे कैलेंडर महीने के लिए 2 1/2 दिनों के दर से उसकी सेवा से तिकाल/बर्खास्त करने या मर जाने की महीने में शुरू होकर कैलेंडर महीने के अंत तक दिया जाएगा।

(3) यदि कोई कर्मचारी अग्राधारण छुट्टी को एंवल करता है है और या आधे वर्ष में अनुपस्थिति की कुछ अवधि को छुट्टीवस के रूप में माना जाता है, तो उसके क्रेडिट को उसकी छुट्टी लेख में अपने आधे वर्ष का आरंभ पर, ऐसी छुट्टी की अवधि का 1/10 या और/या छुट दिवस की शर्त घटाया जाएगा बशर्ते कि उसकी अधिकता समय 15 दिवस हो।

(4) अर्जित छुट्टी का क्रेडिट (अमा) देने समय दिन का फ्रैक्शन नजदीक दिन तक "राउंड ऑफ" कर दिया जाएगा।

26. अर्ध-वेतन छुट्टी

(1) प्रत्येक कर्मचारी का अर्ध-वेतन छुट्टी का हिसाब (लेख) हर एक के 10 दिनों के लिए दो किस्मों में प्रत्येक कैलेंडर वर्ष के जनवरी और जुलाई का पहला दिन अर्ध-वेतन सहित छुट्टी जमा किया जाएगा।

(2) (क) नियुक्ति प्राप्त करने के वर्ष में, पूरे करने की संभावना होने वाले आधे वर्ष में पूरा किया गया सेवा-कार्य के प्रत्येक पूरे कैलेंडर महीने के लिए 5/3 दिनों के हिसाब से जमा किया जाएगा।

(ख) कोई कर्मचारी आधे वर्ष के अवधि में सेवा से निवृत्त या इस्तीफा देनेवाला है तो उसके निवृत्ति/इस्तीफा तारीख तक प्रति पूरे कैलेंडर महीने के लिए 5/3 दिनों के हिसाब से अपने खाने में छुट्टी जमा दिया जाएगा।

(ग) जब कोई कर्मचारी सेवा के तिकाल दिया/बर्खास्त कर दिया जाता अथवा सेवा में रहते मर जाता तो उसके तिकाल के बर्खास्तगी अथवा मर जाने की कैलेंडर महीने में शुरू होने वाले पूरे कैलेंडर महीने तक 5/3 दिनों के दर से भुजूर किया जाएगा।

(घ) यदि कोई कर्मचारी की अनुपस्थिति अवधि या निरंतर अवधि आधे वर्ष में छुट दिवस के रूप में माना जाएगा तो अपने वर्ष के आरंभ में उसकी जमा अर्ध वेतन छुट्टी लेख में से छुट दिवस अवधि के एक का शटरहवा भाग लिए सीमित शर्त पर घटाया जाएगा। बशर्ते कि अधिकतम दिवस 10 दिन तक सीमित हों।

(3) इस विनियम के अधीन छुट्टी निकाला प्रमाण पत्र न प्राप्ति मामले पर भुजूर किया जा सकता है।

(4) अर्ध वेतन छुट्टी का जमा प्रदान करने समय तत्कालीन दिवस के एक दिन का फ्रैक्शन राउंड ऑफ किया जाए।

कोई कर्मचारी स्थायी नहीं है तो उससे अर्ध वेतन छुट्टी मर तक भुजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि छुट्टी स्वीकृति करने वाला गलतम प्राधिकारी को यह भरोसा न हो कि कर्मचारी उसकी छुट्टी समाप्ति के उपरांत इयूटी पर आवेगा और इस प्रकार के मामले के संदर्भ में कोई कर्मचारी निकाला प्राधिकार द्वारा घोषित कराया जाता है कि यह अपने कार्य करने के लिए पूर्णतः और स्वायत्त रूप से अयोग्य है।

27. परिणत छुट्टी

(1) परिणत छुट्टी निम्नलिखित प्रमाणपत्र के आधार पर किसी कर्मचारी को निम्नलिखित शर्तों पर भुजूर की जा सकती है जिसकी रकम अर्ध-वेतन छुट्टी की आवी रकम से ज्यादा न होगी।

(क) छुट्टी स्वीकृति करने के लिए सभ्य प्राधिकार इस बात पर विश्वास होने पर कि कर्मचारी अपनी छुट्टी के समाप्ति के बाद इयूटी पर अपने के सही विचार है ;

(ख) जब परिणत छुट्टी दो बार स्वीकृत की जाती है तो ऐसी छुट्टी की दुगुनी रकम को अर्ध वेतन छुट्टी देय नहीं उला जाएगा।

(2) यदि पूरी सेवा के दौरान 180 दिनों तक अधिकतम अर्ध-वेतन छुट्टी (निकाला प्रमाणपत्र प्रस्तुत किये बगैर) के लिए अनुमति देने पर छुट्टी स्वीकृति प्राधिकार द्वारा यह प्रमाणित किया जाएगा कि मण्डल की हित के लिए इस प्रकार की छुट्टी अनुमोदित पाठ्यक्रम के लिए उपरीत किया जाता है।

(3) जब किसी कर्मचारी को जितने परिणत छुट्टी प्राप्त को जात है और वह सेवा में इस्तीफा देने पर या अपनी रिती पर इयूटी पर वापस आने के बगैर स्वीच्छक निवृत्ति के लिए अनुमति दी जाने पर, परिणत छुट्टी को अर्ध-वेतन छुट्टी के रूप में माना जाएगा और परिणत छुट्टी एवं अर्ध वेतन छुट्टी के बीच की विभिन्नता को उससे बमूल किया जाएगा।

वर्तन है कि, अनारोग्यता के कारण यदि कर्मचारी अपने सेवा करने लायक नहीं है या उसके मर जाने के मामले में इस प्रकार की कोई बमूली नहीं की जाएगी।

नोट:—कर्मचारी के खाने में अर्जित छुट्टी देय होने पर भी कर्मचारी को बिनबी पर परिणत छुट्टी प्राप्त किया जा सकता है।

28. अर्जनशोध छुट्टी

सेवा-निवृत्ति से पूर्व छुट्टी के अनिवार्य किसी कर्मचारी को अर्जनशोध छुट्टी स्थायी नियुक्त के संदर्भ में सम्पूर्ण सेवा के दौरान अधिकतम 360 दिनों तक सीमित करके निकाला प्रमाण पत्र पर निम्नलिखित नियमों के अंतर्गत पर स्वीकृति किया जा सकता है:—

(क) छुट्टी स्वीकृति करनेवाला गलतम प्राधिकारी इस बात पर संतुष्ट है कि कर्मचारी अपनी छुट्टी समाप्ति के उपरांत इयूटी पर आने के सही अवकाश है।

(ख) अर्जनशोध छुट्टी को अर्ध वेतन छुट्टी में सीमित किया जा सकता है जितने वह बाद में अर्जित कर सकता है ;

(ग) अर्जनशोध छुट्टी को अर्ध-वेतन छुट्टी के नामों द्वारा जा सकता है, कर्मचारी बाद में इसका उलायन कर सकता है।

(2) अर्जनशोध छुट्टी ऐसे अस्थायी कर्मचारियों को भी मंजूर किया जा सकता है जो क्षय, कुष्ठ, कैसर, या मानसिक रोग से पीड़ित हैं, यह उसके पूर्ण सेवाकाल के दौरान 360 दिनों से अधिक नहीं होगी वरन् है कि उपविनियम (1) का (क) से (ग) खंड की शर्तों को पूरा करने और निम्नलिखित शर्तों पर मंजूर किया जा सकता है:

(i) कर्मचारी कम से कम एक वर्ष की सेवा में हो।

(ii) जिस पद से कर्मचारी छुट्टी पर जाता है उस पद पर अपनी छुट्टी समाप्ति के बाद ड्यूटी पर वापस आने तक बनी रहने की संभावना हो और

(iii) इस प्रकार की छुट्टी की विनती एक चिकित्सा प्रमाणपत्र से समर्थन की गयी हो।

3. (क) किसी कर्मचारी को अर्जनशोध छुट्टी मंजूर की गयी हो और वह कर्मचारी सेवा से इस्तीफा देने पर अथवा उसकी विनती पर ड्यूटी पर वापस आये बिना ही सैद्धिक निवृत्ति के लिए अनुमति दी जाने पर उसकी अर्जनशोध छुट्टी रद्द किया जाएगा। इस प्रकार की छुट्टी आरंभ होनेवाले तारीख से उसकी इस्तीफा या निवृत्ति प्रभावित होगी और छुट्टी [वेतन उसमें] वसूल किया जाएगा।

(ख) जब किसी कर्मचारी को अर्जनशोध छुट्टी मंजूर किया जाता है और ड्यूटी पर वापस आने के उपरान्त इस प्रकार की छुट्टी अर्जित करने से पहले ही सेवा से इस्तीफा देता या निवृत्त हो जाता है तो ऐसी हालात में अनुवर्ती रूप से छुट्टी अर्जित नहीं करने की अवधि तक की छुट्टी का वेतन प्रतिदाय करना चाहिए।

वर्त्तें कि यदि कर्मचारी की सेवा निवृत्ति के कारण या अनारोग्यता जिसके कारण, कर्मचारी आगे और सेवा करने के लायक नहीं अथवा उसके मर जाने पर या उसे नोटिस देकर या ऐसी नोटिस के लिए उसकी सेवा शर्तों के अनुसार वेतन और भत्ता से निवृत्त होने पर खण्ड (क) अथवा खण्ड (ख) के अधीन किसी प्रकार के छुट्टी वेतन की वसूली नहीं किया जाएगा।

29. असाधारण छुट्टी :

(1) किसी कर्मचारी को असाधारण छुट्टी विशेष परिस्थितियों में दी जा सकती है:—

(क) अन्य किसी प्रकार की छुट्टी ग्राह्य नहीं होने पर।

(ख) अन्य छुट्टी ग्राह्य होने पर भी कर्मचारी असाधारण छुट्टी के लिए लिखित आवेदन पत्र रखने पर।

(2) मण्डल किसी विशिष्ट परिस्थिति के अधीन अन्यथा निर्दिष्ट करने वाले मामले को जोड़कर किसी भी कर्मचारी को जो स्थायी नियुक्ति में नहीं है उन्हें किसी भी एक अवसर में निम्नलिखित सीमा से अधिक असाधारण छुट्टी नहीं दे सकता है।

(क) तीन महीने।

(ख) देय छुट्टी की समाप्ति पर कर्मचारी यदि लगातार एक वर्ष की सेवा समाप्त करने पर छः महीने, और इन विनियमों के अंतर्गत खण्ड (क) के अधीन तीन महीने का असाधारण छुट्टी सहित तथा इन विनियमों के अपेक्षित इस प्रकार की छुट्टी के लिए उसकी विनती किसी चिकित्सा प्रमाणपत्र के साथ सिफारिश करने पर।

(ग) चिकित्सा प्रमाणपत्र के आधार पर असाधारण छुट्टी, जब कर्मचारी एक वर्ष का लगातार सेवा पूरा करके निम्नलिखित इलाज पर है --

(i) मान्यता प्राप्त सेमिटोरियम में कुतकुरीय क्षय या "प्लूरिसी आफ ट्यूबरकुलर ऑरिजन"।

नोट : 18 महीने तक के असाधारण छुट्टी की रियायत उस कर्मचारी के लिए भी ग्राह्य है जो "पलमोनरी ट्यूबरकुलोसिस" या "प्लूरिसी आफ ट्यूबरकुलर ऑरिजन" से पीड़ित है और अपने ही आवास में किसी क्षमव्याधि विशेषज्ञ से जो ऐसे राज्य प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी से संबंधित मान्यता प्राप्त विशेषज्ञ से चिकित्सा पाता है और उस विशेषज्ञ से प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें जिन्हें वह उनके अधीन इलाज ले रहे हैं और उसे सिफारिश की गयी छुट्टी की समाप्ति पर उनके स्वास्थ्य होने के सही मौका है।

(ii) किसी योग्यता प्राप्त क्षयव्याधि विशेषज्ञ या किसी सिविल सर्जन अथवा स्टाफ सर्जन द्वारा शरीर के किसी अन्य भाग को क्षय रोग होने पर।

(iii) मान्यता प्राप्त कुष्ठ संस्थान में कुष्ठ, या सिविल सर्जन द्वारा या स्टाफ सर्जन या संबंधित राज्य प्रशासनिक चिकित्सा अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त कुष्ठ रोग अस्पताल के विशेषज्ञ द्वारा।

(4) कैसर या मानसिक रोग ऐसे रोगों का इलाज के लिए किसी मान्यता प्राप्त संस्थान, सिविल सर्जन या स्टाफ सर्जन या इस प्रकार के रोग के किसी विशेषज्ञ।

नोट : इस प्रयोजन के लिए चिकित्सा प्रमाण पत्र के साथ पोर्टे ट्रस्ट अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त प्रमाण पत्र भी शामिल होना चाहिए।

(घ) मण्डल के हित पर अध्ययन के अभियोजन पर छुट्टी की आवश्यकता होने पर 24 महीने तक। वरन् है कि संबंधित कर्मचारी इस प्रकार की देय छुट्टी समाप्त होने के बाद की तारीख से और इन विनयमों के अंतर्गत खण्ड (क) के अधीन तीन महीनों का असाधारण, छुट्टी सहित तीन वर्षों की सेवा पूरा करना चाहिए।

3(क) जब किसी कर्मचारी को उपविनियम (2) के खण्ड (घ) में निहित उपबंधों को विधिपूर्वक करते असाधारण छुट्टी मंजूर करने पर उसे फार्म-6 में एक बाण्ड निष्पादित करना होगा कि ऐसी छुट्टी के दौरान होने वाले खर्चों को मंडल को वापस करने की शर्त सहित, उसकी छुट्टी पूरा होने के बाद वापस कार्य पर न आने की कारण की ऐजेन्सी से या वापस कार्य में आने के उत्तरान्त तीन साल पूरा होने के सेवा छोड़ कर जाने पर।

(ख) मण्डल के दो स्थायी ऐसी कर्मचारियों से तुलना में उस कर्मचारी के बराबरी की या उससे, उच्च स्तर के कर्मचारियों से जामिन दिलवाने पर।

4. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा अधिवृत्त समय-तय पर भी प्रावधानों के अंतर्गत कोर्स में जाने के लिए सक्षम प्राधिकार द्वारा उपविनियम (2) के उपबंधों के शिथिलन से असाधारण छुट्टी मंजूर किया जा सकता है।

(5) असाधारण छुट्टी के दो स्पेल में यदि किसी अन्य तरह की छुट्टी से अंतरित होने पर उसे उपविनियम (2) के प्रयोजनार्थ असाधारण छुट्टी एक लगातार स्पेल में दिया जा सकता है।

(6) छुट्टी मंजूर करने का सक्षम प्राधिकार बिमाछुट्टी के अनु-पस्थिति की अवधि की असाधारण छुट्टी के रूप में पूर्वव्यापी रूप से परि-णत कर सकता है।

29. (क) परीक्षार्थी परीक्षा पर और अपरेंटिस पर होने वाले व्यक्ति को छुट्टी :-

(क) परीक्षार्थी यदि वह मौलिक रूप से अन्यथा परीक्षा में अपने पद पर होने पर इन विनियमों के अधीन यह छुट्टी का हकदार होगा।

(ख) यदि किसी अन्य कारणवश किसी परीक्षार्थी की अपनी सेवा से पदावसान करने का प्रस्ताव है तो उसे मंजूर की गयी किसी भी प्रकार की छुट्टी को बढ़ा नहीं कर सकता।

(i) पहले से मंजूर की गयी या बढ़ाई गयी परीक्षा अवधि समाप्त होने की तारीख के बाद/अथवा,

(ii) उसे नियुक्त करने के सक्षम प्राधिकारी के आदेश से उसके भ्रमण सेवा समाप्त करने के बाद किसी भी पूर्वतर तारीख तक नहीं होगा।

(2) परीक्षा पद पर नियुक्त कर्मचारी इन विनियमों के अंतर्गत अस्थायी या स्थायी कर्मचारी के रूप में उसके पद के स्थायी या अस्थायी के अनुसार, छुट्टी प्राप्त करने का हकदार है।

बशर्त है कि जब ऐसी नियुक्ति से पहले वह कर्मचारी स्थायी पद पर नियुक्त ग्रहण कर चुका है, तो ऐसी ह्रासत में एक स्थायी कर्मचारी के रूप में इन विनियमों के अंतर्गत छुट्टी पाने का हकदार होता है।

(3) अपरेंटिस निर्माकित के लिए हकदार होगा :-

(क) विकिरण प्रमाण पत्र पर या छुट्टी वेतन पर अपने अपरेंटिस-शिप के किसी भी वर्ष में अर्ध-वेतन के बराबर के एक महीने से अधिक छुट्टी नहीं ले सकता।

(ख) विनियम 29 के अधीन असाधारण छुट्टी।

30. सेवा निवृत्ति के बाद पुनः नियोजित व्यक्ति :

कोई व्यक्ति सेवा निवृत्ति के उपरांत फिर से नियुक्ति प्राप्त करता है तो, अपनी पुनः नियुक्ति की तारीख से मण्डल सेवा में पहली बार प्रवेश करने के समय व्यवस्थित सभी विनियमों के प्रावधान लागू होंगे।

31. सेवा निवृत्ति छुट्टी:

किसी कर्मचारी, छुट्टी को मंजूरी करने वाले, सक्षम अधिकारी के अनुमति पर देय अर्जित छुट्टी की अवधि तक सेवा निवृत्तपूर्ण छुट्टी ले सकता है जो अर्ध-वेतन छुट्टी के साथ 240 दिवस से ज्यादा न होना चाहिए।

बशर्त है कि यह छुट्टी सेवा निवृत्ति के तारीख तक होता चाहिए।

नोटः—सेवा निवृत्ति के लिए पूर्व छुट्टी के रूप में मंजूर की गयी छुट्टी के साथ असाधारण छुट्टी शामिल नहीं किया जाएगा।

(2) (क) विदेशी सेवा में या स्थानीय प्राधिकारी या निगम या सरकार द्वारा या नियंत्रित निकाय द्वारा या सरकार द्वारा फार्मास किया गया (इसमें जिसे आगे स्थानीय निकाय कहा गया है) कंपनी से जो पूर्णतः या व्यापक रूप में समानता से नियंत्रित किया हुआ कंपनी अंतर्गत के कोई कर्मचारी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के लिए आवेदन पत्र रखता है, तो ऐसी छुट्टी को मंजूर करने या अस्वीकृत करने का निर्णय लेनिंग अथारटी के सहमति पर विदेशी नियोक्ता द्वारा किया जाएगा।

(ख) विनियम 32 के उप विनियम (2) के अधीन व्यवस्थित की गयी पद्धति के अनुसार व विदेशी सेवा में रहने वाले कर्मचारी भी अपनी जमा के अर्जित छुट्टी को भुना सकता है।

(3) जब कोई कर्मचारी उप विनियम (2) (ख) में विनिर्दिष्ट विदेशी सेवा में या अन्य स्थानीय निकाय के अंतर्गत काम करता है तो उस कर्मचारी को सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी तब ग्राह्य होगा जब वह विदेशी सेवा के अधीनवासी झूटी को त्याग कर देगा।

परन्तु जब को कर्मचारी विदेश सेवा के अंतर्गत सेवा जारी करने पर वह कर्मचारी विनियम 32 के अंतर्गत छुट्टी के बचने में नकद भुगतान की मंजूरी करने योग्य नहीं होगा।

32. सेवा निवृत्ति/अनिवार्य निवृत्ति अथवा सेवा समाप्त के बाद की तारीख तक छुट्टी के बचने में छुट्टी नकद भुगतान :

1. किसी कर्मचारी को किसी प्रकार की छुट्टी मंजूरी नहीं की जाएगी।

(क) उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख अथवा

(ख) उसकी झूटी समाप्ति करने की अंतिम तारीख अथवा

(ग) नोटिस देकर सेवा से निवृत्ति होने की तारीख या उसे नोटिस देकर सेवा से निवृत्ति की तारीख या ऐसी नोटिस के बचने में उनका सेवा के शर्तों के मुताबिक सेवा और भत्ता पाकर निवृत्ति होने के तारीख पर]

या

(घ) सेवा कार्य से उगकी इस्तीफा की तारीख से।

2. (क) जब कोई कर्मचारी उसकी सेवा में विनिर्दिष्ट शर्तों के अंतर्गत निवृत्ति के लिए निर्धारित सामान्य आयु पर पहुंचकर सेवा से निवृत्ति हो जाता है तब छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी, उसकी सेवा निवृत्ति समय पर कर्मचारी के खाने में (अर्जित) छुट्टी होने पर (बशर्त है कि अधिकतम 240 दिवस के लिए) उनको छुट्टी समान रूप की नकद मंजूरी करते हुए "मोडू" आदेश जारी करता है।

(ख) खण्ड (क) के अंतर्गत की समान नकद के निम्नलिखित रूप से गणना लिया जाय और एक मुश्त में एक साथ निर्धारण के रूप में भुगतान किया जाएगा। गृह किराया भत्ता या नगर प्रतिपूरक भत्ता नहीं दिया जाएगा :-

निवृत्ति की तारीख पर अनुमेय	निवृत्ति के तारीख में अधिकतम
वेतना सहित उस दिन पर भुगतान	240 दिनों के शर्त पर उपयोग
की गयी महंगाई भत्ता	में नहीं लाये गये, अर्जित छुट्टी
	की जमा के बिनो को संख्या।

नकद

समानांतर -----

30

(3) किसी कर्मचारी सेवा निवृत्ति के समय पर निबंधन के अधीन या अनुशासनिक या उसके विरुद्ध में अनिर्णीत अपराधिक कार्यवाही उस के विरुद्ध विचारधीन में होने पर, या ऐसा समझा जाए कि उन प्रोमोशन के अंत में उसके कुल पैसा वसूल करने की संभावना है। तब छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम अधिकारी, अर्जित छुट्टी के रकम की पूरा या कुल भाग निम्नलिखित रोक सकता है। उस प्रोमोशन पूरा हो जाने पर बचाये की समायोजना होने के बाद रोक की गयी रकम में से बाकी रकम के लिए योग्य हो जाता है।

(4) (क) जब किसी कर्मचारी की सेवा को सार्वजनिक हित को पर उसके निवृत्ति होने की तारीख के बाद विस्तार किया जाने पर उसको मंजूर किया जा सकता है :-

(1) विस्तार अवधि के दौरान इन प्रकार को विस्तार आदि के संवर्ध में यदि कोई अर्जित छुट्टी देय होने पर और साथ ही उसके निवृत्ति तारीख पर उसके जमा के अर्जित छुट्टी विनियम के निर्धारण के अनुसार मामले के अनुसार अधिकतम 120 दिवस/240 दिनों तक सीमित किया जाएगा।

(ii) विस्तार अवधि की समाप्ति के उपरान्त सेवा निवृत्ति की तारीख पर स्थिति अर्जित छुट्टी की जमा जो उप-विनियम (2) में व्यवस्थित पद्धति के अनुसार, के बराबर नकद साथ ही विस्तार अवधि के दौरान अर्जित की गयी अर्जित छुट्टी, इस अवधि में उपयोग की गयी अर्जित छुट्टी से हटाया जाएगा और अधिकतम 240 दिनों की शर्त पर होगा।

(ख) इस उप-विनियम खण्ड (क) के उप-खण्ड (ii) के अंतर्गत भुगतान की जाने वाली नकद को उपर्युक्त उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में बतायी गयी पद्धति के मूलाधिक गिना जाएगा।

(5) उप-विनियम (1) के खण्ड (ग) में बतायी गयी पद्धति के अनुसार यदि कोई कर्मचारी सेवा से निवृत्त होता या हुआ है तो ऐसी हालत में छुट्टी मंजूरी का सक्षम प्राधिकारी उसके जमा की अर्जित छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन के बराबर नकद की अधिकतम (240) दिनों की शर्त पर और साथ ही उसके जमा का पूरे अर्ध-वेतन छुट्टी को मंजूर कर सकता है परंतु इस अवधि इसके सेवा से ऐसा निवृत्त होने या हुई तारीख के बीच की और उसकी सेवा पर शामिल शर्तों के अधीन सेवा निवृत्ति के लिए निर्धारित आयु पर पहुंचने के बाद सेवा से निवृत्त होने पर यह अवधि अधिक नहीं होनी चाहिए। छुट्टी का नकद समांतर अर्जित छुट्टी के लिए ग्राह्य छुट्टी का वेतन से बराबर होगा या पूर्व 240 दिनों के लिए छुट्टी की वेतन पर ग्राह्य अर्ध-वेतन छुट्टी के साथ मंहगाई भत्ता के मूलाधिक छुट्टी वेतन के बराबर उस कर्मचारी के सेवा निवृत्त होने या निवृत्ति की तारीख पर लागू दर के मुताबिक होगा। पेन्शन और अन्य सेवा निवृत्ति लाभ के पेन्शन समांतर और तथ्य राहत/पेन्शन पर ग्रेडेड राहत को अर्ध-वेतन छुट्टी की अवधि में भुगतान किये गये छुट्टी वेतन। यदि कुछ हैं तो जिसके लिए नकद समकक्ष अवयव हैं, घटाया जाएगा। इस प्रकार से गणना की गयी रकम को एक मुश्त में एक ही बार का निपटारे के रूप में भुगतान किया जाएगा। गृह किराया भत्ता या नगर प्रति कर भत्ता नहीं दिया जाएगा।

बशर्त है कि अर्ध-वेतन छुट्टी बटक के लिए वेतन का छुट्टी पेन्शन और अन्य पेन्शनरी लाभ, अर्ध-वेतन छुट्टी के कम होने पर नकद समकक्ष मंजूर नहीं किया जाएगा।

(5) (क) जब कोई कर्मचारी वि.पी.ई. (वर्गीकरण, नियंत्रण और आगो) विनियम 1968 के उपबंधों के अधीन "पे पेन्ट्री" के रूप में अनिवार्यतः निवृत्त होता है और अनुशासनिक प्राधिकार नियमों के अनुसार उसके पेन्शन रकम में किसी प्रकार की कटौती (उपदान सहित) नहीं करते पर छुट्टी मंजूरी करने का सक्षम प्राधिकार उस कर्मचारी की ऐसी निवृत्ति तारीख में उसके जमा में यदि कुछ अर्जित छुट्टी होने पर, उसके छुट्टी वेतन का नकद समकक्ष उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में सूचित शर्त पर अधिक से अधिक दो सौ चालीस दिनों के अनुसार मंजूर करने के आदेश स्वयं जारी करेगा।

(6) (क) (i) जब किसी कर्मचारी की सेवा को नोटिस द्वारा या नोटिस के बदले में वेतन और भत्ता भुगतान द्वारा या अथवा उसकी नियुक्ति के शर्तों पर समाप्त किया जाने पर छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार से उसकी सेवा से हटाने की तारीख तक उसके जमा में रहे अर्जित छुट्टी के लिए अधिकतम 240 दिनों की शर्त पर नकद समकक्ष मंजूर सुओ मोटो पर कर सकता है।

(ii) यदि कोई कर्मचारी सेवा से हस्तोपा देने पर या निकाल दिया जाने पर छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार के उसे सेवा से हटा देने की तारीख से उसके जमा की अर्जित छुट्टी के लिए इस प्रकार की छुट्टी की प्राधी सीमा अधिकतम (120) दिनों का नकद समकक्ष सुओ मोटो पर मंजूर किया जा सकता है।

(iii) किसी कर्मचारी को जिसे सेवा-निवृत्ति के उपरान्त पुनः नियुक्त करके और उसके पुनः नियुक्ति से डेरिमिनेशन करने पर उसे छुट्टी मंजूरी करने के सक्षम प्राधिकार द्वारा उसकी पुनः नियुक्ति समाप्ति की तारीख पर अधिकतम (240) दिनों की शर्त पर (निवृत्ति के समय में भुगतान के ग्राह्य अवधि सहित) उसके जमा में अर्जित छुट्टी के लिए समकक्ष नकद सुओ मोटो पर मंजूर कर सकता है।

(ख) खण्ड (क) के अंतर्गत भुगतान की जाने वाली समकक्ष नकद को उप-विनियम (2) के खण्ड (ख) में सूचित पद्धति के अनुसार और खण्ड (क), के उप-खण्ड (iii) के अधीन समकक्ष नकद के अधिकतम के प्रयोजनार्थ गणना करने पूर्व नियुक्ति के समाप्ति की तारीख का वेतन, पेन्शन समायोजन से पहले और अन्य निवृत्ति लाभों के बराबर पेन्शन समकक्ष एवं उग वेतन के समुचित मंहगाई भत्ता पर पुनः-नियुक्ति पर के स्केल पर निर्धारित किया जाएगा।

33. सेवा के समय में मरने के मामले में छुट्टी वेतन के बराबर नकद :- यदि कोई कर्मचारी सेवा समय में मर जाने पर ऐसी हालत में किसीजुड कर्मचारी के उसकी वेतन छुट्टी के अनुसार अर्जित छुट्टी पर जाने पर उसकी छुट्टी की समकक्ष नकद जो प्राप्त होगा मगर मृत्यु के कारण तुरंत मृत्यु की तारीख शुरू होने पर (विनियम 35 निर्दिष्ट नियमों के अनुसार मृत्यु तथा निवृत्ति उपदान का पेन्शन समांतर में कोई कटौती किये बगैर) 240 दिनों के अधिक न होने वाले छुट्टी वेतन उस परिवार को दिया जाएगा।

नोट : इस विनियम के अंतर्गत अनुमेय छुट्टी वेतन का समांतर नकद के अतिरिक्त इस संदर्भ में पूषक रूप से आदेश पाने के मुताबिक मृतक कर्मचारी के परिवार को मंहगाई भत्ता दिया जाएगा।

34. सेवा के लिए अयोग्य समझे जाने पर वेतन छुट्टी का समकक्ष नकद :-

किसी कर्मचारी को यदि किसी चिकित्सा प्राधिकार से यह प्रमाणित किया जाता है कि यह प्राण की सेवा के लिए पूर्णतः और अस्थायी रूप में अशक्त हैं तो ऐसी हालत में छुट्टी मंजूरी प्राधिकार द्वारा उसकी अशक्तता प्रकट करने की तारीख से उसको देय और अनुमेय छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन के समकक्ष नकद "सुओ नोट" पर बशर्त है कि छुट्टी की अवधि जिसके लिए उसे समकक्ष नकद मंजूर किया जाए वह उसकी सेवा की शर्तों को पूरा करके सेवानिवृत्ति के लिए निर्धारित करने वाली आयु पर पहुंचने के बाद की तारीख के उपरान्त नहीं होने पर सभी उसके समकक्ष नकद मंजूर किया जाएगा, इस प्रकार की समकक्ष नकद भुगतान विनियम 32 के उप-विनियम (5) में गणना किये गये छुट्टी वेतन के बराबर होगा। कोई कर्मचारी जो स्थायी नियुक्ति पर नहीं है, सेवा से उसकी अशक्तता प्रकट करने की तारीख से उसके जमा में निहित अर्ध-वेतन छुट्टी के मामले में छुट्टी वेतन का समकक्ष नकद मंजूर नहीं किया जाएगा।

35. कर्मचारी की मृत्यु प्राप्ति के मामले में छुट्टी वेतन का समकक्ष नकद की भुगतान:-

यदि कोई कर्मचारी, सेवा पर रहते या सेवा निवृत्ति के उपरान्त या कार्य की अंतिम सत्र के बाद विनियम-32, 33 और 34 के अंतर्गत भुगतान की जाने वाले उसके छुट्टी वेतन की समकक्ष नकद की वास्तविक प्राप्ति से पहले मर जाने पर इस प्रकार का रकम भुगतान करता होगा।

(1) यदि कर्मचारी पुरुष है तो विधवा पत्नी को और यदि एक से अधिक विधवा पत्नी होने पर बड़ी जीवित विधवा को; कर्मचारी यदि स्त्री होने पर उसके पति को दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण :-

"एलबस्ट सरवाइविंग बिडो" (बड़ी जीवित विधवा उक्त शब्द का अर्थ उसकी शादी की तारीख की परिच्छता से है लेकिन उनकी आयु से नहीं।

- (2) विधवा या पति के नहीं रहने पर, जैसा भी हो मामले के अनुसार बड़े पुत्र को या दलक पुत्र को जो जीवित है।
- (3) उपर्युक्त 1 और 2 के नहीं होने पर बड़ी अविवाहित पुत्री जो जीवित है।
- (4) उपर्युक्त 1 से 3 के नहीं होने पर, बड़ी विधवा पुत्री जो जीवित है।
- (5) उपर्युक्त 1 से 4 के नहीं होने पर पिता को।
- (6) उपर्युक्त 1 से 5 के नहीं होने पर माता को।
- (7) उपर्युक्त 1 से 6 के नहीं होने पर अठारह साल से कम उम्र वाले बड़े भाई को जो जीवित है।
- (8) उपर्युक्त 1 से 7 के नहीं होने पर अविवाहित बड़ी बहन को जो जीवित है और
- (9) उपर्युक्त के न होने पर बड़ी विधवा बहन जो जीवित है।

36. कर्मचारी के आवेदन पत्र पर अर्जित छुट्टी को भुनाने की अनुमति निम्नलिखित शर्तों पर दिया जा सकता है।

- (क) रोकड़ देय के लिए पूरे वर्ष में मिक एक ही बार मंजूर किया जाएगा। यह कर्मचारी की छुट्टी में 50% तक सीमित किया जाएगा और साथ ही साथ कर्मचारी को 7 दिनों की छुट्टी को प्रयुक्त करना होगा। भुनाई और प्रयुक्त की गयी कुल छुट्टी को छुट्टी लेख नाम से भासा जाएगा।
- (ख) इस प्रकार के एनकाशमेंट के लिए कर्मचारी वास्तव में छुट्टी पर जाने के समय पर उसकी योग्यता के अनुसार और अन्तः के रकम अग्रिम के रूप में दिया जाएगा।
- (ग) छुट्टी के अवधि में दी गयी रकम को किसी प्रयोजनों के लिए परिनिष्ठियों के रूप में नहीं गिना जाएगा। ऋण और अग्रिम इत्यादि के वसूली की शर्त भी लागू नहीं होगी।

37. छुट्टी वेतन :

(1) कोई कर्मचारी जो अर्जित छुट्टी पर जा रहा है तो अर्जित छुट्टी में जाने के पहले उसके वेतन के बराबर के छुट्टी वेतन के लिए हकदार होगा।

नोट : भारत से बाहर विदेशी सेवा में मिलाने पर उस अवधि के बारे में यदि कर्मचारी भारत में छुट्टी पर रहने समय वेतन ले लिया है लेकिन भारत से बाहर विदेशी सेवा के लिए छुट्टी वेतन की गणना करते समय वास्तव में मिलाने गयी वेतन के लिए प्रतिस्थापित किया जाएगा।

2. कोई कर्मचारी अर्ध-वेतन छुट्टी पर या अर्ध-वेतन छुट्टी पर है तो [उप-विनियम (1)] में विनिर्दिष्ट छुट्टी वेतन में आधी रकम का हकदार होगा।

3. कोई कर्मचारी परिणत छुट्टी पर होने पर [उप-विनियम (1)] के अधीन की छुट्टी वेतन के अनुमेय रकम पाने का हकदार होगा।

4. असाधारण छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारी को किसी प्रकार के छुट्टी वेतन पाने का हक नहीं है।

5. यदि कोई कर्मचारी की पुनर्नियुक्ति के दौरान उसे मंजूर की गयी अर्जित छुट्टी के लिए उस कर्मचारी द्वारा निकाली गयी वेतन के आधार पर, पेन्शन और अन्य पेन्शन निवृत्ति लाभों को छोड़कर छुट्टी वेतन दिया जाएगा।

6. (क) यदि कोई कर्मचारी सेवा से निवृत्ति या इस्तीफा देने के संदर्भ में अगर उससे उपयोग किया गया छुट्टी उसकी देय जमा में से अधिक होने पर उसके छुट्टी वेतन के संदर्भ में आवश्यक अनिवार्य समायोजन किया जाएगा।

(ख) जब कोई कर्मचारी जो सेवा में बर्खास्त या निकाल दिया गया है या सेवा में रहने मर जाने पर उसके द्वारा पहले ही उपयोग की गई अर्जित छुट्टी की मात्रा विनियम-25 के उप विनियम (2) के खण्ड (ख) के अधीन उसके जमा छुट्टी में अधिक होने पर ऐसे मामले में छुट्टी वेतन अनिवार्य भुगतान को वसूल किया जाएगा।

38. छुट्टी वेतन निकालना :

इन विनियमों के अंतर्गत देय छुट्टी का वेतन भारत में रुपयों में निकाला जाएगा।

39. छुट्टी वेतन का अग्रिम :

विदेशी सेवा के कर्मचारी सहित किसी कर्मचारी को जो कम से कम 30 दिनों के अवधि की छुट्टी के लिए अग्रसर होने पर उसे निम्नलिखित शर्तों पर छुट्टी वेतन के बदले में एक महीने का वेतन तक अग्रिम दिया जा सकता है :—

- (1) अग्रिम की रकम को पहले महीने की छुट्टी के लिए भत्ता सहित एक महीने के छुट्टी वेतन के शुद्ध रकम तक सीमित किया गया है इसमें से ग्राहक, भविष्य तिथि, गृह किराया अग्रिम की वसूली इत्यादि की कटौती के बाद दिया जाएगा ताकि किसी प्रकार की वित्तीय जोखिम नहीं हो।
- (2) उपयोग की गयी छुट्टी के मामले में अग्रिम को पूर्णतः छुट्टी वेतन बिल से समायोजित किया जाना चाहिए। अग्रिम को इस प्रकार पूर्ण रूपेण समायोजित नहीं होने के मामले में वेतन के अग्रिम भुगतान में से या छुट्टी वेतन या दिनों में से शेष रकम को वसूल किया जाएगा।
- (3) मामले के अनुसार अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या विभागाध्यक्षों द्वारा अग्रिम मंजूर किया जा सकता है।
- (4) अस्थायी कर्मचारी को अग्रिम किसी स्थायी कर्मचारी से प्रतिभूत के बगैर भी मंजूर किया जा सकता है।
- (5) कर्मचारी का वेतन इत्यादि नामे में डाली गयी लेखा गारं में ही अग्रिम की रकम को डाला जाएगा।
- (6) इन विनियमों के अंतर्गत अग्रिम रुपयों के रूप में मंजूर किया जाएगा।

अध्याय—5

40. प्रसूति छुट्टी :

अध्ययन छुट्टी से भिन्न विशेष प्रकार की छुट्टी :—

- (1) एक महिला कर्मचारी को (अपरेट्रेस सहित) दो जीवित बच्चों से कम होने पर, छुट्टी मंजूरी के मक्षम प्राधिकार से इसकी शुरुआत की तारीख से 90 दिनों की अवधि के लिए प्रसूति छुट्टी मंजूर की जा सकती है।
- (2) इस प्रकार की अवधि के दौरान उसे छुट्टी पर जाने से पहले वेने वाले वेतन के बराबर छुट्टी कावेतन दिया जाएगा।
- (3) महिला कर्मचारी को गर्भभाव, गर्भपात सहित (जीवित बच्चों की सं. का विचार किए बगैर) विनियम-17 में निर्धारित के अनुसार चिकित्सा, प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर 6 हफ्ते तक, प्रसूति छुट्टी भी मंजूर की जा सकती है।
- (4) (क) प्रसूति छुट्टी को किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाया जा सकता है।

(ख) विनियम—27 के उप विनियम—1 में या विनियम—28 के उप-विनियम—1 में निहित चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की कोई आवश्यकता के बिना आवेदन करने पर देय और अनुमेय प्रकार की छुट्टी (60 दिनों की अवधि तक की परिणत छुट्टी और अर्जनोध्य छुट्टी सहित) अधिक से अधिक

एक वर्ष की अवधि तक, उप-विनियम (1) के अंतर्गत मंजूर की गयी प्रसूति छुट्टी से जारी छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(5) प्रसूति छुट्टी को छुट्टी लेखा के नाम में शामिल नहीं किया जाएगा।

(41) आहत साभिप्राय से संक्रमित विशेष अवसंता के लिए छुट्टी :

(1) छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार द्वारा, किसी कर्मचारी को (जहाँ वह स्थायी या अस्थायी के हों) जो साभिप्राय आहत से संक्रमित होने/कारण से/अथवा उसके कार्यालय कार्यों के उचित पालन परिणामस्वरूप या उसके कार्यालय स्थिति के परिणाम-स्वरूप अरपंग होने पर विशेष अवसंता छुट्टी मंजूर कर सकता है।

(2) इस प्रकार की छुट्टी तब तक मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक उस घटना के बावजूद अवसंता हो गया है, वह अवसंता (अवसंता) तीन महीनों के अंदर अपने आप प्रकट नहीं होता और अवसंता व्यक्ति इसे तुरन्त सूचित नहीं करता।

अर्थात् कि छुट्टी को मंजूरी का सक्षम प्राधिकार उस अवसंता के कारणों से सहमत होने पर, उपर्युक्त घटना होने की तीन महीने के बाद भी अवसंता प्रकट होने लगे भी छुट्टी मंजूर करने की अनुमति दे सकता है।

(3) मंजूर की गयी इस प्रकार की छुट्टी को मंडल के चिकित्सा अधिकारी से प्रमाणित किया जाना चाहिए और किसी भी हानि में 24 महीनों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(4) विशेष अवसंता छुट्टी को किसी भी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाया जा सकता है।

(5) यदि अवसंता (अवसंता) उन्नी प्रकार की परिस्थितियों में तीव्र या फिर से उत्पन्न होने पर एक से अधिक बार विशेष अवसंता (अवसंता) छुट्टी मंजूर की जा सकती है परंतु 24 महीनों से अधिक नहीं इस प्रकार की छुट्टी किसी एक अवसंता के परिणाम स्वरूप मंजूर की जाएगी।

(6) अवसंता के विशेष छुट्टी पेन्शन के लिए सेवा परिकल्पना में गिना जाएगा, केवल क्लाज (बी) के उप रेग्युलेशन (7) के अंतर्गत मंजूर किया गया छुट्टी अपने छुट्टी खाते में डेबिट की जाएगी।

(7) इस प्रकार की छुट्टी के दौरान छुट्टी का वेतन :

(क) उप-विनियम (5) के अंतर्गत मंजूर की गयी ऐसी छुट्टी की अवधि सहित इस प्रकार की छुट्टी की प्रथम 120 दिनों की अवधि अर्जित छुट्टी पर होने पर उस छुट्टी वेतन के बराबर होगा।

(ख) इस प्रकार की कोई भी छुट्टी की बाकी अवधि, अर्ध-वेतन छुट्टी के दौरान की छुट्टी-वेतन के बराबर होगी।

अर्थात् कि किसी कर्मचारी को, अपने विकल्प पर उप-विनियम (क) के अनुसार अन्य 120 दिनों से ज्यादा न होने की शर्त पर छुट्टी वेतन के लिए अनुमति दिया जा सकता है और ऐसी परिस्थिति में इस प्रकार की छुट्टी अवधि को उसके अर्ध-वेतन छुट्टी लेखा में डाला जाएगा।

(8) किसी व्यक्ति के मामले में जिनमें कामगार मुआवजा अधिनियम 1923 (1923 का 8) लागू होता है, इस संबंध में वे छुट्टी वेतन की रकम को, उक्त अधिनियम की धारा-4 की उप धारा (1) का खण्ड (घ) के अंतर्गत देय मुआवजा रकम से घटाया जाएगा।

(42) दुर्घटनात्मक आहत (अकस्मिक) के लिए विशेष अवसंता छुट्टी :

(1) विनियम-41 के उपबंध, स्थायी या अस्थायी सभी कर्मचारी पर लागू होगा जो दुर्घटनात्मक रूप के अकस्मिक या उसके कार्यालय कार्यों के परिणामस्वरूप अथवा उसके कार्यालय परिस्थिति के परिणाम-स्वरूप अथवा किसी खास दुर्घटी निष्पादन के समय पर अवसंता होने पर जिसके प्रभाव से वह अवसंता हुआ है, या उसके पद से संवर्धित आभाव्य जोखिम से परे अवसंता हुआ है।

(2) ऐसे उपर्युक्त मामलों के संबंध में विशेष अवसंता छुट्टी को मंजूर आगे की शर्तों के आधार पर दिया जाएगा।—

(i) इसी रीति के कारण अवसंता सभव होने पर, यह उस खास दुर्घटी के निष्पादन से प्रत्यक्ष अवसंता हुआ गया है ऐसा कहने हुए मंडल के चिकित्सा अधिकारी से प्रमाणित किया जाना चाहिए।

(ii) किसी कर्मचारी के सेवाकालीन समय में तब सेवा के जरिए इस प्रकार की अवसंता प्राप्त करने पर, छुट्टी मंजूर करने के सक्षम अधिकारी को राय में यह विशिष्ट चरित्र के माने जाने पर दिया जाएगा।

(iii) मंडल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा निष्पत्ति की गयी अनु-पस्थिति की अवधि को, इस विनियम के अंतर्गत छुट्टी के रूप में माना जाएगा और इसी भाग के किसी अन्य प्रकार की छुट्टी को जो अवसंता के कारण विशेष छुट्टी के रूप में मंजूर किये गये रकम जो अर्जित छुट्टी के बराबर होगा, यह छुट्टी 120 दिनों से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

43. अस्पताल छुट्टी :

छुट्टी मंजूर का सक्षम प्राधिकारी निम्नलिखित को अस्पताल छुट्टी मंजूर कर सकता है:—

(क) श्रेणी-3 के कर्मचारी।

(ख) ऐसे श्रेणी-3 कर्मचारियों को जिनको दुर्घटी खतरनाक मशीनरी स्क्रिप्टक सामग्री, विषैली या इसी प्रकार के दवाइयों या जोखिम कार्य निष्पादन इत्यादि के सफलता करने में होता है बीमार या ऐसी बीमारी से जलमो या उनके ऑफिस दुर्घटी के दौरान जोखिम से प्रत्यक्ष रूप में हुए आघात होने के समय में जो अस्पताल या अन्यथा चिकित्सा के अंतर्गत रहने के समय पर दिया जाएगा।

(2) अस्पताल छुट्टी मंडल के चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर मंजूर किया जाएगा।

(3) मंजूरी प्राधिकार से यह आवश्यक समझे जाने पर उस प्रकार की अवधि के लिए, अस्पताल छुट्टी मंजूर किया जा सकता है।

(i) इस प्रकार की छुट्टी अवधि के लिए, प्रथम 120 दिनों को अर्जित छुट्टी के समान वेतन और

(ii) इस प्रकार की किसी छुट्टी की बाकी अवधि के लिए, अर्ध-वेतन छुट्टी के दौरान छुट्टी वेतन के बराबर।

(4) अस्पताल छुट्टी को छुट्टी लेखा के नाम में नहीं डाला जाएगा और यह किसी अन्य छुट्टी के साथ मिलाया जा सकता है जो अनुसूचित है, परंतु इस प्रकार की मिलावट छुट्टी का कुल अवधि 28 महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(5) कामगार मुआवजा अधिनियम 1923 (1923 का 8) लागू होने वाले व्यक्ति के मामले में इस नियम के अंतर्गत देय रकम को उक्त अधिनियम के धारा-4 के उपधारा (1) का खण्ड के अधीन देय मुआवजा रकम से घटाया जाएगा।

(44) "रेडियोग्राफर-कम-डार्क रूम" सहायकों के लिए अनिवार्य छुट्टी :

(1) प्रत्येक रेडियोग्राफर-कम-डार्क रूम सहायक को हर वर्ष अनिवार्यतः एक महीने की छुट्टी मंजूर किया जाता है और एक महीने की छुट्टी से से आधी छुट्टी को कर्मचारी के छुट्टी लेखा में डाला जाएगा और गैप को मंडल द्वारा दिया जाएगा।

(2) उपर्युक्त उप-विनियम (1) में कथित विशेष छुट्टी के लिए, यदि कोई कर्मचारी अवसर होने पर मंडल द्वारा दी गयी छुट्टी अंश के लिए छुट्टी पर जाने से पहले निकाले गये वेतन के बराबर छुट्टी वेतन का हकदार होगा।

अध्याय-6 (अध्ययन छुट्टी)

45. अध्ययन छुट्टी मंजूर करने की शर्तें:—

1. इस अध्याय में निर्धारित शर्तों के अनुसार मण्डल सेवा को आवश्यकता पर भारत में या भारत से बाहर एक विशेष उच्च शिक्षा के अध्ययन हेतु या अपने अध्ययन क्षेत्र से नजदीकी और प्रत्यक्ष संबंध रखने वाला व्यावसायिक या तकनीकी विषयों पर विशेष प्रकार का प्रशिक्षण के लिए किसी कर्मचारी को अध्ययन छुट्टी मंजूर किया जा सकता है।

2. अध्ययन छुट्टी इस प्रकार भी दिया जा सकता है:—

(i) प्रशिक्षण या अध्ययन द्वारा पाठ्यक्रमों के लिए, जिसमें कर्मचारी नियमित शैक्षणिक या अर्ध शैक्षणिक पाठ्यक्रम यदि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम या अध्ययन द्वारा सार्वजनिक हित की दृष्टि से मण्डल के लिए निश्चित लाभ प्रमाणित करने वाला है और कर्मचारी के कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित होने वाले पाठ्यक्रमों में उपस्थित न होने पर, और

(ii) लोक प्रशासन का ढांचा या पृष्ठभूमि से संबंधित अध्ययन के प्रयोजनार्थ निम्नलिखित शर्तों पर:—

(क) वह खास अध्ययन या अध्ययन दौरा छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार से अनुमोदित किया जाना चाहिए और

(ख) कर्मचारी को अपने वापसी के बाद अध्ययन छुट्टी पर उसके द्वारा किये गये कार्यों का रिपोर्ट प्रस्तुत करना होगा।

(iii) किसी कर्मचारी से नजदीकी या प्रत्यक्ष संबंध न रखने पर भी उसकी एक योग्य कर्मचारी के रूप में उसकी सक्षमता बढ़ाने के तरीके से उसकी बुद्धिमत्ता को विस्तृत करने और लोक सेवा के अन्य शाखाओं में नियोजित कर्मचारियों के साथ मिलकर काम करने लायक बनाने वाले अध्ययन के लिए।

नोट: खण्ड (iii) के अन्तर्गत आये अध्ययन छुट्टी आवेदन के मामलों की लेखा विभाग के परामर्श पर प्रत्येक मामले के गुणों के आधार पर विचार किया जाएगा।

(5) अध्ययन छुट्टी तब तक नहीं मंजूर किया जाएगा कि:—

(i) छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार से यह प्रमाणित किया जाना चाहिए कि प्रस्तावित अध्ययन का कोर्स या प्रशिक्षण सार्वजनिक हित की दृष्टि से निष्पक्ष रूप से लाभदायक है।

(ii) शैक्षणिक या साहित्यिक विषय को छोड़कर यह अध्ययन विषयों में अभियोग के लिए है बशर्ते कि मण्डल से यह प्रमाणित किये जाने पर कि इस प्रकार का अध्ययन चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर अध्ययन कोर्स का अभियोग ऐसे चिकित्सा अधिकारी के लिए उसके कार्य निष्पादन में उसकी दक्षता और महत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है तभी चिकित्सा अधिकारी को अध्ययन छुट्टी की मंजूरी दे सकता है। बशर्ते यह भी है कि किसी विशेषज्ञ या टेक्नीकल व्यक्ति को प्रत्येक के गुणों के आधार पर उनके सेवा क्षेत्र से प्रत्यक्षतः संबंधित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम अध्ययन का अभियोग करने के लिए अध्ययन छुट्टी तभी दे सकता है जब सक्षम प्राधिकार यह प्रमाणित करता है कि विशेषज्ञ या टेक्नीकल को उसके कार्य क्षेत्र में आधुनिक विकास के साथ-साथ, उसके टेक्नीकल स्तर और सक्षमता में सुधार होगा और इस प्रकार से मण्डल को व्यापक रूप से लाभ होगा।

(iii) यदि अध्ययन भारत से बाहर होने पर वित्त मंत्रालय का आर्थिक विभाग अध्ययन छुट्टी की मंजूरी में संभावित विदेशी मुद्रा देने के लिए सहमत होगा।

बशर्ते कि विदेश में अध्ययन छुट्टी पर जाने वाले कर्मचारियों को विदेश मुद्रा की रिहाई में पूर्वोक्त विभाग अपने में सन्तुष्ट हो जाता है कि ऐसा कर्मचारी उक्त विभाग से समय-समय पर उन व्यक्तियों को जो अपने खर्च पर उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं उनके लिए विदेशी मुद्रा की रिहाई नियम में जारी किये गये सामान्य प्रादेशों में निर्धारित न्यूनतम शैक्षिक मानदंड का पालन करते हैं।

(4) भारत वर्ष में किसी विषय के अध्ययन अभियोग के लिए उचित सुविधा उपलब्ध होने पर अथवा वित्त मंत्रालय या शिक्षा मंत्रालय के आर्थिक विभाग से प्रभावित किसी भी योजना के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन छुट्टी भारत से बाहर के लिए मंजूर नहीं किया जाएगा।

(5) किसी कर्मचारी को अध्ययन छुट्टी दिया जा सकता है:—

(i) संतोषजनक ढंग से जो परिवीक्षा अवधि पूरा करता और मण्डल के अधीन परिवीक्षा अवधि सहित पांच वर्षों का लगातार सेवा पूरा करता है।

(ii) जो अपनी छुट्टी समाप्ति के बाद अपनी इच्छा पर वापिस आने की तारीख से तीन वर्षों के भीतर मण्डल सेवा से निवृत्त की आयु पर नहीं पहुंचता और

(iii) जो विनियम-49 (3) में दिये बर्तन पर मण्डल की उसकी छुट्टी समाप्ति के उपरांत तीन वर्षों तक सेवा करने का वाण्ड निष्पादित करता है।

(6) अध्ययन छुट्टी ऐसे कर्मचारियों को बार-बार मंजूर नहीं किया जाएगा जिससे कर्मचारी को उसके नियमित कार्य निष्पादन से निकास जाय या उसके छुट्टी पर जाने से कैडर कठिनाइयां उत्पन्न होने की संभावना या उत्पन्न हो सकती है।

(46) अधिकतम अध्ययन छुट्टी का परिमाण :

किसी कर्मचारी को मंजूर की गयी अधिकतम अध्ययन छुट्टी का परिमाण :—

(क) किसी एक समय में साधारणतः बारह महीने और

(ख) उसके पूरे सेवाकाल में पूरे चौबीस महीने (इसी प्रकार के अध्ययन या प्रशिक्षण के लिए बिम्बे छुट्टी या किसी अन्य नियम या विनियमों के अधीन मंजूरी सहित)

(47) अध्ययन छुट्टी मंजूर करने का सक्षम प्राधिकार :

अध्ययन छुट्टी निम्नलिखित से मंजूर किया जा सकता है:—

(क) महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 24 के उप धारा (i) का खण्ड (क) से संबंधित कर्मचारियों के मामले में मण्डल द्वारा और

(ख) अन्य सभी मामलों के संदर्भ में अध्यक्ष या उपाध्यक्ष द्वारा जैसा उचित हो।

(48) अध्ययन छुट्टी के लिए आवेदन पत्र :

(1) (क) अध्ययन छुट्टी के लिए, हर आवेदन पत्र को उचित माध्यम के जरिये छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा।

(ख) कर्मचारी द्वारा अवलोकित पाठ्यक्रम या अध्ययन पाठ्यक्रम और किसी भी परीक्षा के लिए जिसके लिए वह जाना चाहता है उनके बारे में ऐसे आवेदन में स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट किया जाए।

(2) जहाँ पर कर्मचारी के लिए आवेदन पत्र में पूरे विवरण देना असंभव हो या यदि भारत छोड़ने के बाद, भारत में अनुमोदित की गयी कार्यक्रम में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर, जितनी जल्दी हो सके

उतने समय में इसके विवरण मिशन के अध्यक्ष या छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार को प्रस्तुत करना होगा और वह तब तक अपने जोखिम पर अध्ययन पाठ्यक्रम की शुरुआत या उसके संबंध में किसी प्रकार के व्यव करने का प्रबंध नहीं कर सकता जब तक कि वह अध्ययन छुट्टी मंजूरी करने के सक्षम प्राधिकार से पाठ्यक्रम के लिए अनुमोदन प्राप्त करता।

49. अध्ययन छुट्टी की मंजूरी :

(1) श्रेणी-1 और 2 अधिकारियों के लिए अध्ययन छुट्टी की स्वी-कार्यता के बारे में लेखा विभाग से एक रिपोर्ट प्राप्त करना होगा।

यहां है कि कर्मचारी द्वारा पहले ही उपयोग की गयी यदि कोई अध्ययन छुट्टी है तो उन्हें रिपोर्ट में शामिल करना होगा।

(2) जब अध्ययन छुट्टी विदेश में अध्ययन अभियोग के लिए मंजूरी करने पर संबंधित मिशन के अध्यक्ष, केन्द्र सरकार द्वारा छुट्टी मंजूरी प्राधिकार के उस तथ्य के बारे में सूचित करना होगा।

नोट:—किसी प्रकार के परिचय पत्र पाने या इसी प्रकार के अन्य अभिप्रेत सुविधाओं के लिए कर्मचारी द्वारा मिशन के अध्यक्ष से संपर्क रखना होगा।

(3) (क) प्रत्येक स्थायी कर्मचारी को जिन्हें अध्ययन छुट्टी या इसी प्रकार के अध्ययन छुट्टी का बढ़ाने के लिए मंजूरी दिया गया है, उन्हें उनकी अध्ययन छुट्टी या उस छुट्टी का बढ़ाने की मंजूरी शुरुआत करने से पहले फार्म-8 में एक (बंध पत्र) बाण्ड निष्पादित करना पड़ेगा।

(ख) प्रत्येक अस्थायी कर्मचारी जिन्हें अध्ययन छुट्टी या इस प्रकार के अध्ययन छुट्टी के विस्तार हेतु मंजूरी किया गया है उन्हें अध्ययन छुट्टी या उसके विस्तार के लिए दी गयी मंजूरी की शुरुआत करने से पहले फार्म-9 या फार्म-10 में एक बाण्ड निष्पादित करना पड़ेगा।

(ग) छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार लेखा विभाग को एक प्रभावित प्रमाण-पत्र भेजना होगा कि खण्ड (क) या खण्ड (ख) में संदर्भित कर्मचारी से आवश्यक बाण्ड निष्पादित किया गया।

(4) (क) अध्ययन कोर्स पूरा करने पर, कर्मचारी को उसे अध्ययन छुट्टी मंजूरी करनेवाले प्राधिकार को परीक्षा में उत्तीर्ण होने के प्रमाणपत्र या की गयी विशेष अध्ययन कोर्स विवरण तथा यदि अध्ययन कोर्स के प्रचारी प्राधिकार के कुछ टिप्पणी होने पर, टिप्पणी सहित कोर्स की शुरुआत और समाप्ति की तारीख सूचित करते हुए कर्मचारी को प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा।

(ख) भारत में बाहर यदि अध्ययन करने के लिए जाने पर और वहां भारतीय मिशन होने पर संबंधित मिशन के प्रमाण द्वारा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाये।

50. अध्ययन छुट्टी का हिसाब रखना तथा अन्य प्रकार के छुट्टी से संयोजन करना।

(1) अध्ययन छुट्टी को कर्मचारी के छुट्टी लेखा में नहीं डाला जाएगा।

(2) अध्ययन छुट्टी को अन्य प्रकार के छुट्टी से संयुक्त किया जा सकता है परन्तु कर्मचारी को नियमित ड्यूटी से अटैण्ड महीनों की कुल अनुपस्थिति सहित असाधारण छुट्टी को छोड़कर किसी भी मामले में इस छुट्टी की मंजूरी को छुट्टी में नहीं मिलाया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस उप-विनियम में निर्धारित अटैण्ड महीने की सोमा में अवकाश अवधि भी शामिल है।

(3) किसी कर्मचारी को अपनी इच्छा पर किसी अन्य प्रकार की छुट्टी से मिलाकर अध्ययन छुट्टी मंजूरी किया जाए और किसी भी अन्य तरह की छुट्टी में अध्ययन कोर्स की शुरुआत कर सकता या ले सकता है और विनियम 53 में निहित शर्तों का पालन करने पर उस अध्ययन का अध्ययन भत्ता भी ले सकता है।

शर्तें हैं कि इस प्रकार अध्ययन कोर्स के बराबर वाली छुट्टी अवधि को अध्ययन छुट्टी के रूप में नहीं गिना जाएगा।

51. अध्ययन कोर्स के बाह्य विस्तृत किये गये अध्ययन छुट्टी का विनियम :

जब अध्ययन कोर्स के लिए कर्मचारी को मंजूरी की गयी अध्ययन छुट्टी कम होने पर, कर्मचारी अपने अध्ययन कोर्स समाप्त होने के बाह्य ड्यूटी पर तब तक नहीं आ सकता जब तक छुट्टी मंजूरी का सक्षम प्राधिकार पिछली मंजूरी को कम होने वाली अवधि को साधारण छुट्टी के रूप में मनाने के लिए सहमत हो।

52. अध्ययन छुट्टी के दौरान छुट्टी का वेतन :

(1) भारत से बाहर उपयोग में लायी गयी अध्ययन छुट्टी में किसी कर्मचारी को इस प्रकार की छुट्टी पर जाने के तुरन्त पहले मंडल के ड्यूटी पर रहने के समकक्ष छुट्टी का वेतन के अलावा मंहगाई भत्ता, गृह किराया भत्ता और विनियम 53 से 56 में यथा व्यवस्थित के अनुसार अनुमेय अध्ययन भत्ता ले सकता है।

(2) (क) भारत में उपयोग की गयी अध्ययन छुट्टी के दौरान कोई कर्मचारी अध्ययन छुट्टी के लिए जाने से पहले तुरन्त मण्डल के साथ ड्यूटी पर रहने समय निकाली गयी वेतन के बराबर छुट्टी वेतन निकाल सकता है और मंहगाई भत्ता एवं गृह-किराया भत्ता जो विनियम 56 में व्यवस्थित के अनुसार जो स्वीकार्य है वह भी सम्मिलित है।

(ख) खण्ड (क) के अन्तर्गत संपूर्ण वर पर छुट्टी वेतन का सुगमता तब तक नहीं प्राप्त करता जब तक कि कर्मचारी द्वारा यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर कि उससे किसी प्रकार की छात्रवृत्ति, "स्टाइफंड" या किसी भी प्रकार के अंश-कालिक रोजगार पारिश्रमिक नहीं पाया है।

(ग) किसी कर्मचारी द्वारा छुट्टी अध्ययन अवधि के दौरान छात्रवृत्ति, स्टाइफंड या विनियम 3 का उप-विनियम (2) निर्धारित के अनुसार किसी प्रकार का अंश-कालिक रोजगार पारिश्रमिक प्राप्त करे तो इस उप विनियम के अधीन वेतन छुट्टी वेतन से समायोजित किया जाएगा, इस शर्त पर कि अर्ध-वेतन छुट्टी के दौरान वेतन छुट्टी वेतन का रकम कम नहीं किया जाएगा।

(घ) अध्ययन छुट्टी के दौरान भारत में अध्ययन कोर्सों के लिए किसी प्रकार का अध्ययन भत्ता नहीं दिया जाएगा।

53. अध्ययन छुट्टी मंजूरी करने की शर्तें :

(1) किसी कर्मचारी को जिसे (भारत से बाहर अध्ययन के लिए अध्ययन छुट्टी मंजूरी किया गया) मान्यता प्राप्त संस्थान से नियत अध्ययन कोर्स के अभियोग हेतु बितायी गयी अवधि के लिए या किसी भी विशेष वर्ग के कार्य के निरीक्षण दौरान अध्ययन कोर्स के अंत में किसी परीक्षा द्वारा लगाये अवधि के लिए अध्ययन भत्ता मंजूरी किया जाएगा।

(2) किसी कर्मचारी को सरकारी या गैर-सरकारी साधनों से पुरस्कृत अपने छुट्टी वेतन के अनतिरिक्त कोई छात्रवृत्ति या स्टाइफंड प्राप्त होता या रखता है अथवा अंशकालिक रोजगार के बारे में किसी अन्य प्रकार के पारिश्रमिक प्राप्त करने या रखने को अनुमति तक दो जा तां हैं—

(क) इस प्रकार के छात्रवृत्ति या स्टाइफंड अथवा पारिश्रमिक (यदि छात्रवृत्ति या स्टाइफंड अथवा पारिश्रमिक के मूल्य कर्मचारी द्वारा वेतन शुल्क लागत की कटौती से उत्पन्न की शुद्ध राशि अन्यथा अनुमेय अध्ययन भत्ते की रकम से अधिक होने के सदर्भ में कोई अनुमेय भत्ता नहीं स्वीकार किया जा सकता।

(ख) छात्रवृत्ति या स्टाइफंड अथवा पारिश्रमिक की शुद्ध रकम अन्यथा अनुमेय अध्ययन भत्ता से कम होने के मामले में छात्रवृत्ति या स्टाइफंड या अंश-काल रोजगार का कोई अन्य पारिश्रमिक का शुद्ध

मूल्य के बीच की विभिन्नता और अध्ययन भत्ता के छुट्टी मंजूर करने का सक्षम प्राधिकार द्वारा मंजूर किया जा सकता है।

3. कर्मचारी अपनी सुविधा के लिए उपयोग किये गये उस अवधि के लिए अध्ययन भत्ता मंजूर नहीं किया जाएगा कि जिसे अपने अध्ययन कोर्स में व्यवधान करता है।

परन्तु छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार अथवा मिशन के प्रधान यदि ऐसा व्यवधान विमारी के चलते होने पर उस व्यवधान अवधि के लिए अध्ययन छुट्टी की मंजूरी के लिए प्राधिकृत कर सकता है जो 15 दिनों से अधिक न हो।

4. इन नियमों पर अध्ययन कोर्स के दौरान अवकाश की पूरी अवधि के लिए अध्ययन भत्ता दिया जा सकता है कि

(क) अवकाश के दौरान कर्मचारी अध्ययन का विशेष कोर्स में या मण्डल अथवा छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार दोनों में से किसी के भी निर्देश पर व्यावहारिक प्रशिक्षण में उपस्थित होने पर, अथवा

(ख) इस प्रकार के किसी निर्देश की अनुपस्थिति में यह मिशन के प्रधान अथवा छुट्टी मंजूरी के लिए सक्षम प्राधिकार के समक्ष संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर कि उसने अवकाश के दौरान अपना अध्ययन जारी रखा।

परन्तु अवकाश अध्ययन कोर्स के अंत में पड़ने के संबंध में इसे अधिक से अधिक 15 दिनों के लिए ही दिया जाएगा।

(5) अध्ययन भत्ता को मंजूरी की अवधि कुल मिलाकर 24 महीनों से अधिक नहीं होनी चाहिए।

54. अध्ययन भत्ता के दर :

(1) अध्ययन भत्ता के दर निम्नलिखित अनुसार होंगे :

देश का नाम	दैनिक अध्ययन भत्ता
आस्ट्रेलिया	एल 1.00 (स्टलिंग)
यूरोप का कटिनेन्ट	एल 1.65 (")
न्यूजीलैण्ड	एल 1.20 (")
गुनाइटेड किंगडम	एल 2.00 (")
युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका	एल 2.75 (")

(2) उप-विनियम 1 में निर्धारित अध्ययन भत्ता के दर मंडल द्वारा समय-समय पर परिशोधित किया जाएगा।

(3) किसी कर्मचारी को मंजूरी की जाने वाले अध्ययन भत्ता के दर जिसने—

किसी कर्मचारी को जिसने उप विनियम (1) में निर्धारित देश से अन्य किसी देश में अध्ययन छुट्टी लिये जाने पर उसके लिए भी आने वाली अध्ययन भत्ता का दर उसी प्रकार होगा जैसा कि प्रत्येक मामले में मण्डल द्वारा निर्धारित किया गया।

55. अध्ययन भत्ता भुगतान करने की प्रक्रिया—

(1) कर्मचारी द्वारा इस प्रकार का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर कि उसने किसी प्रकार की छावृत्ति, स्ट्राइक अथवा किसी प्रकार की छावृत्ति, स्ट्राइक अथवा किसी अण कालिक रोजगार के लिए किसी प्रकार का पारिश्रमिक नहीं प्राप्त किया है, अध्ययन भत्ता का भुगतान किया जाएगा।

(2) अध्ययन भत्ता अंतिम रूप से प्रत्येक महीने के अंत में कर्मचारी द्वारा लिखित रूप से निम्न जवन प्राप्त करने की शर्त पर दिया जाएगा। अपेक्षित उपस्थिति प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करने या छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार की उसमें उपयोग में लिये गये मद्दुपयोगी गम्य के बारे में संतोषजनक प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत करने के फलस्वरूप उस के दिये गये रकम से विलंबता को मण्डल को वापिस करेगा।

(3) (क) एक मास्यताप्राप्त संस्थान में किसी निश्चित कोर्स में अध्ययन के मामले में अध्ययन भत्ता छुट्टी मंजूरी सक्षम प्राधिकार द्वारा दिया जाएगा। यदि अध्ययन छुट्टी का उपयोग उस देश में किया गया जहाँ पर भारतीय मिशन नहीं है और अन्य मामलों में कर्मचारी द्वारा समय समय पर उचित उपस्थिति प्रमाण पत्र का समर्थन करते हुये मिशन के प्रधान के समक्ष दावा पेश करने पर।

(ख) अध्ययन भत्ता के लिए दावे के समर्थन में प्रस्तुत करने के आवश्यक उपस्थिति प्रमाण पत्र, यदि कर्मचारी किसी शैक्षिक संस्थान में या यदि वह किसी अन्य संस्थान में अध्ययन के लिए जाता है जिसका अन्तराल तीन महीने से अधिक नहीं हो ऐसे मामले में अवधि के अंत में अंग्रेपित करना चाहिए।

(4) (क) अध्ययन का अनुमोदित कार्यक्रम शामिल नहीं करने पर अथवा इस प्रकार के अध्ययन कोर्स पूर्णतः नहीं रहने पर कर्मचारी छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार को कर्मचारी प्रत्यक्ष रूप से या मिशन के प्रधान के जरिये यह स्पष्ट करते हुए कि उसने अपना समय कैसे बिताया और अध्ययन के तरीके और परिणालनों की प्रवृत्ति बनाने हुये तथा पोर्ट में प्रतिपादित शर्तों में इस प्रकार के तरीके एवं परिणालनों की अपनाने की संभावना के बारे में एक डायरी पेश करना होगा।

(ख) छुट्टी मंजूरी के सक्षम प्राधिकार यह सुनिश्चित करेगा कि डायरी और रिपोर्ट के मुताबिक कर्मचारी ने समय उचित रूप से बिताया है और तदनुसार अध्ययन भत्ता किम अवधि तक मंजूर करना है यह भी निश्चय करेगा।

56. (1) अध्ययन के लिए दिये गये भत्ते के प्रतिरिक्त अन्य भत्ते की स्विकारता—

अध्ययन छुट्टी के प्रथम 120 दिनों के लिए, उस समय पर लागू नियमों के अनुसार वह जिस स्थान से अध्ययन छुट्टी पर गये वहाँ के दर के अनुसार गृह किराया भत्ता दिया जाएगा। 120 दिनों के आगे की गृह किराया भत्ता की भुगतान के संबंध में वित्त मंत्रालय के दिनांक 27-11-1965 के कार्यालय ज्ञापन सं. 2(17)/ई.ii (बी)/64 में जो समय समय के संशोधन के अनुसार दिये गये पैरा 8(डी) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में किया जाएगा।

(2) उप विनियम (1) के अन्तर्गत स्वीकार्य गृह-किराया भत्ता के अलावा महंगाई भत्ता और अध्ययन भत्ता जहाँ स्वीकार्य है, जिस कर्मचारी को अध्ययन छुट्टी मंजूर किया गया, मंजूर किये गये अवधि के लिए किसी अन्य भत्ते का भुगतान नहीं किया जाएगा।

57. अध्ययन छुट्टी के दौरान यात्रा भत्ता :

अध्ययन छुट्टी मंजूर किये गये कर्मचारी के संबंध में किसी प्रकार की यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा लेकिन बिजिट परिस्थितियों में मण्डल द्वारा इस प्रकार के भत्ते के भुगतान का मंजूर किया जाएगा।

58. अध्ययन के लिए शुल्क की लागत :

अध्ययन छुट्टी मंजूर किये गये कर्मचारी के संबंध में सामान्यतः अध्ययन शुल्क की लागत के भुगतान उसी के द्वारा किया जाएगा लेकिन बिजिट मामलों के संबंध में इस प्रकार के शुल्क के पत्रान मांडन द्वारा मंजूर किया जाएगा।

बणों है कि छावृत्ति या किसी अन्य रजौन क स्ट्राइक या छुट्टी वेतन के प्रतिरिक्त अन्य प्रकार के रकम को प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के संबंध में किसी प्रकार के शुल्क लागत का भुगतान नहीं किया जाएगा।

59. अध्ययन छुट्टी के उपरांत इस्तीफा या सेवा निवृत्त अथवा अध्ययन कोर्स को पूरा न करने वाले :—

(1) अध्ययन छुट्टी की अवधि के बाद कोई कर्मचारी इस्तीफा या सेवा निवृत्त या अन्य प्रकार से सेवा छोड़ने पर या सेवा में वापस आने के उपरांत तीन वर्षों की अवधि के अन्तर (या अध्ययन कोर्स को पूरा करने

में अनुत्तीर्ण होने के कारण विनियम 49 के उप-विनियम (4) के अन्तर्गत मांगा गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने के संदर्भ में उसको वापस करना होगा।

(i) मण्डल द्वारा मंजूर किये गये छुट्टी वेतन के वास्तविक रकम, अध्ययन भत्ता, शुल्क की लागत, यात्रा और अन्य व्यय कोई होने पर।

(ii) अन्य एजेंसी जैसे विदेशी सरकार, फाउण्डेशन और न्यायों के अध्ययन कोर्स के संदर्भ में होने वाले किसी प्रकार के लागत के वास्तविक रकम।

कर्मचारी की सेवा निवृत्ति, सेवा निवृत्ति की अनुमति या अन्यथा उसकी सेवा से बहाल करने की मंजूरी स्वीकार करने से आगे, मांग करने की तारीख से उस समय में प्रवृत्त मण्डल द्वारा दिये गये शर्तों पर दिये व्याज सहित:

बतते कि कर्मचारी जिन्होंने अध्ययन कोर्स पूरा नहीं कर पाये हैं उनके मामलों को छोड़कर इस विनियम में किसी प्रकार की बात लागू नहीं होगी।

(क) कोई कर्मचारी जो अध्ययन छुट्टी में ड्यूटी में वापस आने के उपरान्त उसे मेडिकल प्राउड पर सेवा में निवृत्त होने की अनुमति दी जाने पर अथवा

(ख) कोई कर्मचारी जो अध्ययन छुट्टी में ड्यूटी पर वापस आने के बाद उसे मण्डल के नियंत्रणाधीन किसी विधिक या स्वायत्त निकाय अथवा संस्थान में सेवा के लिए प्रतिनियुक्ति किया जाने पर अनुवर्ती रूप से उसे उक्त विधिक या स्वायत्त निकाय अथवा संस्थान में लोक हित में उसके स्थायी अन्तर्लेखन के विचार से उसे मण्डल के अन्तर्गत सेवा निवृत्ति देने की अनुमति दिया जायगा।

2(क) इस प्रकार के कर्मचारी द्वारा उपयोग किया गया अध्ययन छुट्टी को अध्ययन छुट्टी की शुरुआत की तारीख से उसके जमा में रहे नियमित छुट्टी में परिवर्तित कर दिया जाएगा, अध्ययन छुट्टी के जारी में ली गयी किसी छुट्टी को उसके प्रयोजनार्थ उचित रूप में किया जायगा और यदि अध्ययन छुट्टी कुछ बाकी होने पर जिन्हें इस प्रकार से परिवर्तित नहीं किया जा सकता, उन छुट्टियों को अग्रगण्य छुट्टी के रूप में माना जायगा।

(ख) उप-विनियम (2) के अन्तर्गत कर्मचारी से वापसी (प्रतिपाय) करने वाली रकम के अनिवार्य, अध्ययन छुट्टी के रूपान्तरण पर वास्तविक रूप में अनुमेय छुट्टी का वेतन से अधिक निकाली गयी छुट्टी वेतन को वापस करना होगा।

(3) इस विनियम में किसी बात के होते हुए भी उप-विनियम (1) के अन्तर्गत संबंधित कर्मचारी से या कर्मचारी वर्ग द्वारा वापस करने वाले रकम को यदि आवश्यकता पड़े, तो या तो जनता की इच्छा पर या राजीब परिस्थितियों के मामले या मामलों के वर्ग में इस प्रकार से करना अपेक्षित या कालोपित होने पर मण्डल उस रकम को छोड़/घटा सकता है।

अध्याय 7

विधि

60. निर्वचन:

इस विनियमों के निर्वचन में कोई संदेह होने पर, उन्हें मण्डल को भेजा जाएगा और मण्डल का निर्णय ही अंतिम होगा।

61. न्यायन के अधिकार

जब अध्ययन महोदय हमसे संतुष्ट है कि किसी भी इन विनियमों का परिचालन किसी खास मामले में अनावश्यक कठिनाई हो रही है तो वे लिखित रूप में कारणों को रिकार्ड करने के आदेश से, विनियमों को उस सीमा तक और उन विधिद्वाराओं के शर्तों पर एवं उन शर्तों पर जा उस

मामले के निवटारे के लिए विचार करना अपेक्षित है, इस आधार पर ऐसे विनियमों की आवश्यकता में रियायत या अलग करने के प्रविश दे सकता है।

62. निरसन और बचत

(1) इन विनियमों के आरंभ से विभागाध्यक्षपट्टनम पोर्ट कर्मचारी (छुट्टी) विनियम, 1964 और विभागाध्यक्षपट्टनम पोर्ट कर्मचारी (अध्ययन छुट्टी) विनियम, 1964, इस प्रकार से आरंभ के तुरन्त आगे प्रवृत्त तथा मूल नियमों में निहित छुट्टी विनियमों के बारे में अन्य व्यवस्था एवं भारत सरकार के पूर्ण नियमों जहाँ तक वे मण्डल कर्मचारियों पर लागू हों जो अब तक इन विनियमों के किसी मामले का प्रावधान करता है, उनका प्रचालन समाप्त माना जाएगा।

(2) इस प्रकार के परिचालन समाप्ति के होते हुए भी, पुराने विनियमों/नियमों के अन्तर्गत किसी कर्मचारी के साथ के लिए कुछ किया गया या कोई कार्रवाई की गयी अथवा उससे किसी प्रकार की छुट्टी अर्जित की गयी या उस से मंजूर किया गया या उसके जमा से उत्पन्न छुट्टी को इन विनियमों के तत्संबंधी व्यवस्था के अन्तर्गत किया, लिया, अर्जित, मंजूर अथवा उत्पन्न किया जायगा।

63. इन विनियमों की प्रयुक्ति में केन्द्र सरकार के नियमों का अनुसरण किया जायगा:

पूर्यवर्ती विनियमों को लागू करने में और इस विनियमों के व्यवहार में न आने वाले मामले के बारे में सी सी एस नियम 1972 और उनके अन्तर्गत समय-समय पर जारी किये गये केन्द्र सरकार के आदेश इन विनियमों के उपबन्धों के साथ अब तक असंगत न होने के चलते यथा समय-समय पर मण्डल से निष्पन्न किये गये ऐसे विनिष्ठता और संशोधनों को जहाँ पर इनका अनुसरण किया जाएगा।

प्रत्यूची

[विनियम 3 (जे) देखिए]

फार्म--1

(विनियम--13 देखिए)

छुट्टी या छुट्टी विस्तार के लिए आवेदन पत्र

1. आवेदक का नाम:

2. पदनाम:

3. विभाग, कार्यालय और पदनाम:

4. वेतन:

5. वर्तमान पद पर निकाली गयी गृह-किराया और अन्य प्रतिपूरक भत्ता:

6. आवेदन की गयी छुट्टी की प्रवृत्ति और अवधि तथा छुट्टी की अपेक्षित तारीख:

7. छुट्टी के आगे/पीछे लगाने के लिए प्रस्तावित रविवार और प्रकाश के दिवस यदि हैं तो:

8. आवेदन की गयी छुट्टी के आधार:

9. पिछले छुट्टी से वापस आने की तारीख और उस छुट्टी की प्रवृत्ति एवं अवधि:

10. आगामी छुट्टी के दौरान वर्षों.....
के ब्लॉक के लिए अपनी छुट्टी यात्रा/
रियायत लेने का प्रस्ताव किया/नहीं
किया

11. छुट्टी अवधि के दौरान पता :

13. छुट्टी ग्राह्यता के बारे में प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि.....
.....के लिए.....
(छुट्टी की प्रवृत्ति) (अवधि)
.....से.....तक, वि. पी. ई. (छुट्टी)
विनियम, 1988 के विनियम.....के अंतर्गत कार्य है।

आवेदक के हस्ताक्षर

(तारीख सहित)

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

14. छुट्टी मंजूर करने के सक्षम प्राधिकारी का हस्ताक्षर।

12. नियंत्रण अधिकारी के टिप्पणी/
सिफारिश

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

हस्ताक्षर (तारीख सहित)
पदनाम

फार्म - 2

(विनियम - 14 देखिए)

छुट्टी हिमाव (लेखा) का फार्म

कर्मचारी का नाम :

संगणक सेवा प्रारंभ होने की तारीख

स्थायी नियुक्ति की तारीख :

जन्म तिथि :

सेवानिवृत्ति/इस्तीफा की तारीख :

एक कैलेंडर वर्ष के आधे वर्ष में सेवा में विवरण

वर्षक	सेवा में	एक कैलेंडर वर्ष आधे वर्ष की	पिछले आधे वर्ष में उपयोग	घटायें जाने	माह के कुल	वर्षक	सेवा में	दिनों की सं.	छुट्टी में
		वर्ष आधे वर्ष में पूरा किये सेवा महीने	शुरू में जमा हुई अ. छु.	में लाये गये ई. ओ. एल दिवसों की सं (कॉलम-36)	वाली अ. छु. अ. छु. (कॉलम-5 में 1/10 वां अवधि) 11-6)		ली गयी छुट्टी		वापिस आने के बाद अ. छु. का शेष (कॉलम 7-10)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
									11

अर्जित छुट्टी

अर्ध - वेतन छुट्टी

12	13	14	15	16	17	18	19
एक कैलेंडर वर्ष के आधे वर्ष में पूर्ण किये गये सेवा के महीने	आधे वर्ष के प्रारम्भ में जमा की गयी अ. छु. पी. एल.	पिछले आधे वर्ष में कार्य विवरण के रूप में माने गये दिनों की संख्या	घटायें जाने वाली अ. छु. पी. एल. (कॉलम 14 में 1/18 अवधि)	कुल अ. छु. पी. एल., दिनों में (कॉलम 351-13-15)	अर्ध वर्ष की आय पर छुट्टी	वर्षक	सेवा में दिनों की संख्या

(आवेदित मामलों पर और परिणत छुट्टी सहित एम. सी. एवं अर्जनशोध छुट्टी)

दिया गया

पूर्ण वेतन पर चिकित्सा

प्रमाण पत्र पर परिणत

छुट्टी

प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या	180 दिनों की सीमा तक	मण्डल की हक पर प्रमाणित करने के लिए परिणत छुट्टी डब्ल्यू/ओ.	एम. सी. (पूर्ण सेवाकाल में एच. पी. एल. को 90 दिनों का परिणत छुट्टी में परिवर्तित किया गया)	परिणत छुट्टी को अर्ध वेतन छुट्टी में परिवर्तित किया (कालम 22 एवं 25 में बार)	चिकित्सा प्रमाण पत्र पर	प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या
--------	----------	-----------------	----------------------	---	--	--	-------------------------	--------	----------	-----------------

प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या	प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या	प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या	प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29		

पूरे सेवा काल में 360 दिनों का अ. पी. छु.

अन्यथा एम. सी. पर 180 दिनों के हक तक

ली गयी अन्य प्रकार की छुट्टी

प्रेषक	सेवा में	दिनों की संख्या	अर्जन शोध छुट्टी का कुल (कालम 29 एवं 32)	ली गयी अर्ध वेतन छुट्टी का योग (कालम 10, 26, 33)	छुट्टी से वापसी पर अर्ध वेतन छुट्टी का शेष (कालम 16-34)
30	31	32	33	34	35
					36

नोट :—1. अर्जनशोध छुट्टी को दिवसों में अभिव्यक्त करना चाहिए।

नोट :—2. जब किसी कर्मचारी को किसी निश्चित कैलेंडर वर्ष के आधी वर्ष के कोर्स में नियुक्त करने पर प्रत्येक कैलेंडर सहित के लिए अर्जित पूर्ण छुट्टी को 2 1/2 दिनों की दर पर जमा करना चाहिए अतः एक दिन के अंश को मजदूरी के दिन में राउंड किया जाना चाहिए।

नोट :—3. कालम 6 की प्रविष्टियां पूर्ण दिवसों में होनी चाहिए/ एक दिन का अंश को मजदूरी के दिन में राउंड करना चाहिए।

नोट :—4. प्रसाधारण छुट्टी की अवधि को लाल स्याही से नोट करना चाहिए।

फार्म—3

(विनियम—17 देखिए)

श्रेणी 1 एवं 2 अधिकारियों के छुट्टी अवकाश छुट्टी विस्तार, अवकाश छुट्टी में परिवर्तन के लिए सिफारिश की गयी चिकित्सा प्रमाण पत्र :

कर्मचारी के हस्ताक्षर

मैं मामले को सावधानीपूर्वक देखभाल करने के बाद यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती/कुमारी उनके हस्ताक्षर उपर्युक्त दिया गया है से पीड़ित है और मेरे विचार से के अवधि तक छुट्टी से उसकी अनुपस्थिति उनके/उसकी स्वास्थ्य फिर से ठीक होने के लिए अत्यन्त आवश्यक है।

गारीस

सी एम ओ/डी सी एम ओ/एम एम ओ/एम ओ

पॉस्ट अस्पताल

नोट :—इस फार्म को यथा संभव बंध करके चिपका देना चाहिए और कर्मचारी से हस्ताक्षर करने के बाद हो फार्म को भरना चाहिए। प्रमाणित अधिकारी को यह प्रमाणित करने कि कर्मचारी या निश्चित स्थान के लिए परिवर्तित चाहता है या अवकाश वह किसी निश्चित स्थान पर जाने के लिए सक्षम नहीं है, ऐसा प्रमाणित करने की स्वतंत्रता नहीं है। इस प्रकार के प्रमाण पत्र केवल संबंधित प्रशासनिक प्राधिकार के स्पष्ट इच्छा पर ही दिया जा सकता है जो यह निर्णय करेगा कि ऐसे राउंड पर बने आवेदन उनके पास आने पर उन आवेदनों की उसकी सेवा के फिटनेस प्रश्न के बारे में निर्णय करने के लिए क्या आवेदक को सी एम ओ/डी सी एम ओ/आर एम ओ/एम एम ओ/एम ओ के समक्ष जाना होगा?

नोट 2:—इस प्रमाण पत्र में निहित कोई सिफारिश भी कर्मचारी की अनुपस्थिति नहीं होने वाली छुट्टी के बावें के लिए साध्य नहीं होगा।

पार्श्व-५

[अनिियम-- 22(3) को देखें]

इसटी पर जापस आने के लिए फिटनेस का चिकित्सा प्रमाण पत्र

यमपवारो का हस्ताक्षर :

हम, निकित्ता मण्डल के सदस्य

मं. का मुख्य शिक्षा अधिकारी
 या मुख्य शिक्षा अधिकारी/पंजीकृत
 शिक्षा अधिकारी/वरिष्ठ शिक्षा
 अधिकारी/शिक्षा अधिकारी/पंजीकृत
 शिक्षा प्रशासक ।

यह प्रमाणित करना है कि मैं ने/हम ने श्री/श्रीमती/कुमारी
 जिनके हस्ताक्षर नीचे दिये गये हैं, उसकी
 सावधानीपूर्वक जाँच किया है और वह स्त्री/पुरुष ध्वनी बिमारी से स्वास्थ्य
 लाभ कर चुकी/चुका है और अब वही स्त्री/पुरुष मण्डल सेवा में काम फिर
 से संभालने के योग्य है। मैं हम यह प्रमाणित करना/करते हैं कि इस निर्णय
 पर पहुँचने से पहले हम/मैंने मामले के भूख चिकित्सा प्रमाण-पत्र या विवरण
 के जाँच किया है जिसके आधार पर छुट्टी मंजूर अबवा विस्तार किया गया
 है और उन्हें हमारे/मैंने निर्णय पर आने के विचार में लिया है।

चिकित्सा मण्डल के सदस्य

1.
2.
3.

मुख्य व्यक्तिता अधिकारी/जुन मुख्य
मुख्य व्यक्तिता अधिकारी/पंजीकृत
व्यक्तिता अधिकारी/वरिष्ठ व्यक्तिता
अधिकारी/व्यक्तिता अधिकारी, पंजीकृत
व्यक्तिता पेशाकार।

तारीख :

नोट :-—निकित्सा प्रमाण-पत्र, पक्षों और मामले के विवरण (विवरणों) जिसके आधार पर छुट्टी मूलतः संजूर/विस्तार किया गया है, उपरोक्त प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए मामले के मूल प्रमाण पत्र (पक्षों) और विवरण (विवरणों) दो प्रतियों में बनाना होगा, एक प्रति संबंधित कर्मचारों के पास रखना होगा।

नोट : 2. इस फार्म को यथा संभव बंद करके जियाकाना चाहिए, ग्रौर कर्मचारी से हस्ताक्षर गजाने के बाद ही भरना चाहिए । प्रमाणित अधिकारी को यह प्रमाणित करने कि कर्मचारी या निश्चित स्थान के लिए परिवर्तन चाहिए या अथवा यह किसी निश्चित स्थान पर जाने के लिए सक्षम नहीं है, ऐसा प्रमाणित करने को स्वतंत्रता नहीं है । इस प्रकार के प्रमाण-पत्र केवल संबंधित प्रशासनिक प्राधिकार के स्पष्ट इच्छा पर दिया जा सकता है जो यह निर्णय करेगा कि ऐसे ग्राउंड पर बने आवेदन उनके पास जाने पर उन आवेदनों की उसकी सेवा के फिटनेस प्रश्न के बारे में निर्णय करने के लिए क्या आवेदक को सी एम ओ/डी सी. एम ओ/आरएमसी/एस एस ओ/एम ओ के समक्ष जाना होगा ।

नोट : 3. दूसरा चिकित्सा विचार की आवश्यकता पड़ने पर सधम छुट्टी मंजूरी प्राधिकार किसी चिकित्सा अधिकारी जो. सी. एम. भूषे. के हो वे से कम न हो, उसके द्वारा शोचातिथि सन्भावित तारीख में दूसरी चिकित्सा जांच की व्यवस्था करेगा जो वामारो के तथ्यों के बारे में और सिकरिश को गयी छुट्टी की आवश्यकता दोनों के बारे में विचार व्यक्त करेगा तथा उसके लिए कर्मचारी को उसके सामने या नहीं तो उसके द्वारा नामित किसी चिकित्सा अधिकारी के सामने प्रस्तुत होने के लिए कह सकता है ।

नोट : 4. इस प्रमाणपत्र में निहित किसी भी सिफारिश कर्मचारी का प्रत्यक्ष नहीं होने वाली छुट्टी के दावे के लिए बाध्य नहीं होगा।

फार्म—E

[विनियम—29 (3) की धारा]

अध्यायों कर्मचारी को विनियम—29 (2) (घ) को छूट देकर मंजूर की गयी प्रसाधारण छुट्टी के लिए बंध पत्र।

इस प्रस्तुती से हम सब को ज्ञात है कि, हम—

जिसे के
निकासी और इस समय कार्यालय में
के हमारे
निर्वाचित हैं (जिसे हममें आगे बाधक/अनिवार्य कहा गया है) श्री
की पुत्री/पुत्र श्री/
श्रीमती/कुमारी
श्री श्री/श्रीमती/कुमारी—पुत्र/पुत्र
जिन्होंने इनमें आगे "माता" कहा गया है) ने मंजूर और राष्ट्र
हम से हमें और हमारे अनिवार्य बारिस, निवासक और प्रणालियों की
न्यायी मण्डल के उत्तराधिकारी को भुगतान करने के लिए बाधक
बनाया और भरण किया है (जिसे आगे मण्डल कहा गया है)
हम— (मामे
रकम की भांज पर मण्डल ऋण पर उस समय में
प्रवृत्त मण्डल दर की मांग पर उत्त पर ब्याज सहित अध्याय, यदि
भारत से बाहर बाते देश में भुगतान करने पर, उक्त रकम का समस्त
उत्त देश की मुद्रा में भारत और उक्त देश के बीच सरकारों विनियम दर
के आधार पर परिवर्तित किया जाएगा और लेनदेन अधिकता के बीच
सभी लाभों और ग्राहक तथा सभी प्रमाणी एवं व्ययों सहित जो मण्डल
द्वारा होता/किया जाएगा।

अब कि मंडल श्री/श्रीमती/कुमारी
के रूप में नियोजित—के अनुरोध पर उक्त स्त्री, पुरुष को
नियुक्ति छुट्टी और वेतन और भत्ता के प्रसाधारण छुट्टी का अनुसरण
करने हूँ—महीने—
जिनकी की अधिधि के लिए
के प्रभाव से
मे—तक उत्तकी
जगह पर अध्यायन
करने के लिए मंजूर किया गया और अब कि श्री/श्रीमती/कुमारी
की
प्रसाधारण छुट्टी के दौरान
उसके अनुपस्थिति पर मण्डल ने
के कार्यों को निपादित करने के लिए
पक्ष के रूप में श्री/श्रीमती/कुमारी
की नियुक्त किया/करेगा। मंडल को प्रच्छे
संरक्षण देने के लिए श्री बलिगिर/दो प्रतिभूतियों के साथ इस बंध पत्र
की निम्न लिखित शर्तों के अधीन सहमत हो गये। और अब उक्त
प्रतिभू इस बंध पत्र की बाधक करने की और से प्रतिभू के रूप में
निपादित करने के लिए सहमत होने अब उपर्युक्त लिखित बाधक की

शर्त यह है कि श्री/श्रीमती/कुमारी
को प्रसाधारण छुट्टी अधिधि की समाप्ति के बाद पुनः कार्य पर नहीं जाने
को हालत में मृत्यु उसके जारी रीकी गई पत्र और मण्डल सेवा को
इस प्रकार की अधिधि के बाद पुनः मंडल के शर्तों के प्राप्ति कार्य पर
लगने की अधिधि—वर्ष से ज्यादा
न होने पर या किसी क्षमता पर मंडल के शर्तों के अधीन सेवा करने
के लिए निरस्तार करने पर जो इस विनियम के अधीन वह/वह (स्त्री)
वेतन के लिए हकदार है उपर्युक्त कथित श्री/श्रीमती/कुमारी
या उनका/उसकी निष्पादक
और प्रणाली मंडल द्वारा मांगी रकम न—
को बाज सहित, मंडल द्वारा मांगे गये समय पर और मंडल के शर्तों
पर लागू उस दिन के दर के अनुसार चुकाना होगा।

पुत्र/पुत्र पूर्वोक्त जातिन के बाधक श्री/श्रीमती/कुमारी—
और या श्री/श्रीमती/कुमारी—
और या श्री/श्रीमती/कुमारी—
से भुगतान करने की उपर्युक्त लिखित बाधक
मुक्त होकर कोई प्रभाव न होगा, अथवा यह ऐसे ही प्रभाव में रहेगा।
परंतु, निम्नांकित जमानतदारों के लिए हमें यह उत्तरदायित्व है
कि मंजूर किये गये समय की क्षति पहुँचाने या किसी प्रकार बर्निष्ठ करने
पर या किसी प्रकार की क्षमा देने पर मंडल द्वारा प्राधिकृत किये गये किसी
व्यक्ति (जमानतदारों के सहमत या जानकारी से या जानकारी के बिना) को
त्याग करने पर मंडल के लिए यह आवश्यक है कि जमानतदार श्री/
श्रीमती/कुमारी—और श्री/श्रीमती/
कुमारी—या अन्य किसी पर
उसके नाम में वकाया के पैसे के लिए मुकदमा चलाने के पहले, बाधक
पर मुकदमा चलाना होगा।

अब बाध विधि से संबंधित सभी विषयों के संबंध में उक्त समय पर
अगल में होने वाले भारतीय विधि के नियमों का अनुसार और हक और
जिम्मेदारी आवश्यकता के अनुसार भारत में स्थित सभी उचित न्यायालयों
में निर्णय किया जाएगा।

इस बाध पर चुकाने वाले शुल्क को देने के लिए कर्मचारी सहमत हो
गये।

दि—के—दिन पर एक
हजार सौ सौ और—पर हस्ताक्षरित किया गया
उपर्युक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी—

वास्तव द्वारा—को उपस्थिति
में हस्ताक्षर और सुपुर्द किया गया।

गवाह (1) —
(2) —

उपर्युक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी—प्रतिभू
द्वारा—की उपस्थिति में हस्ताक्षर और
मुपुर्द किया गया।

गवाह (1) —
(2) —

न्यायी मंडल के लिए और की
और ने स्वीकार किया गया।

फार्म 7

फार्म-8

[विनियम-49 (3) को देखें]

किसी स्थायी कर्मचारी, अध्ययन छुट्टी के लिए अग्रसर होते समय निष्पादित करने वाली बंधपत्र।

इस प्रस्तुतीकरण, से यह सब को ज्ञात होगा कि मैं
..... मिला का निवासी
..... फिलहाल के कार्यालय में
..... के रूप में नियोजित हूँ जिसे यह अपने आप
को अपने वारिस को, निष्पादक और प्रसासकों को, (जिसे आगे न्यासी
मंडल कहा गया है केवल रूपसे) की मांग पर
उस मांग की तारीख से उस समय में लागू मंडल आणों पर मण्डल की
दर से उस पर हुए व्याज सहित अथवा यदि भुगतान भारत में अन्य देशों
में किया जाने पर उक्त रकम का समकक्ष उस देश की मुद्रा में परिवर्तित
करके उस देश और भारत के बीच विनियम के सरकारी दर पर और उस
अधिकता एवं मुबायिकल के बीच मंडल द्वारा हुए या होने वाले सभी लागतों,
सभी प्रसारों और अन्य सहित देना होगा।

अन्य मुझे मण्डल द्वारा अध्ययन
छुट्टी मंजूर किया गया है और मण्डल के उचित संरक्षण के लिए मैं निम्न-
लिखित शर्तों पर इस बंध पत्र को निष्पादित करने के लिए सहमत हूँ।
उपर्युक्त लिखित बंधन (बाधता) के शर्त हैं कि-1 अध्ययन छुट्टी की अवधि
के उपरांत या अवधि समाप्ती पर काम पर वापस आने बगैर फिर से
काम पर नहीं आ सकते की अवस्था में, या इसीका अथवा सेवा से
निवृत्त होने या अन्यथा सेवा से निकाल दिये जाने पर) अथवा अध्ययन
कोई पूरा नहीं कर सकने पर) अथवा किसी भी समय में तीन वर्षों के
बाद में ह्यूटी में वापस आने के उपरांत में उक्त रकम
(केवल रूपसे) इस समय में आणों
पर लागू मण्डल दरों पर मांग की गयी तारीख से उस पर हुई व्याज
सहित मण्डल को या मंडल द्वारा निर्देशित मांग पर तुरंत भुगतान कर
दूंगा।

और मेरे द्वारा की गयी इस प्रकार के भुगतान पर उपर्युक्त लिखित
बंधन (बाधता) बेकार और प्रभावहीन हो जाएगा, अन्यथा यह पूर्ण
अधिकार से और प्रभावपूर्ण बना रहेगा।

सभी प्रकार से बंध पत्र उस समय में लागू भारत के विधि द्वारा
शासित किया जाएगा और इसके अंतर्गत के आवश्यकता पड़ने पर तदनु-
सार भारत में उचित न्यायालयों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। इस बंध-
पत्र के लिए देय स्टॉप शुल्क बढ़ाने करने के लिए कर्मचारी राहमत है।

एक हजार नौ सौ और के दिन
..... तारीख को
हस्ताक्षर किया गया।

..... के समक्ष
..... के द्वारा हस्ताक्षर और मुद्रित
किया गया।

गयायी

(1)

(2)

न्यासी मण्डल के लिए और
मंडल के ओर से स्वीकार किया

[विनियम-49 (3) देखें]

अध्ययन छुट्टी को विस्तारण करने के लिए मंजूरी देने पर, स्थायी कर्मचारी
द्वारा निष्पादित किया जानेवाला बंध पत्र।

इस प्रस्तुती से यह सब को ज्ञात होगा कि मैं

..... जिला
..... का निवासी हूँ, फिलहाल
..... के कार्यालय में के रूप में नियोजित
हूँ जो यहाँ पर अपने आप का और आने वारिस, निष्पादकों और प्रसासकों
को (जिसे इसमें आगे "मण्डल" कहा गया है) मांग पर
..... र. की रकम (केवल
..... रूपसे) मण्डल आणों पर उस
समय में लागू मण्डल दरों पर मांग करने की तारीख से उस पर हुए
व्याज सहित अथवा यदि भारत से अन्य देश में भुगतान करने पर, उस
देश की मुद्रा का भारत और उस देश के बीच सरकारी विनियम दर में
परिवर्तित करके उस रकम का समकक्ष और अधिकता एवं मुबायिकल के
मध्य मण्डल द्वारा हुए या होने वाले सभी लागत और सभी प्रकार एवं
व्यय सहित न्यासी मण्डल को देना होगा।

मुझे मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी
अवधि से तक, मंजूर करने की वजह से
मैं र. (केवल
..... रूपसे) का बंध पत्र तारीख
को न्यासी मंडल के लिए निष्पादित करता हूँ और मेरे अनुरोध पर
..... तक अध्ययन छुट्टी के विस्तार को
मंजूरी दी गयी है। और मण्डल के उचित संरक्षण के लिए नीचे लिखे
शर्तों पर मैं इस बंध पत्र को निष्पादित करने के लिए सहमत हूँ।

उपर्युक्त लिखित (बाधता की शर्त है कि)
अध्ययन छुट्टी की अवधि के उपरांत का अवधि समाप्ति पर ह्यूटी में
वापस आने बगैर फिर से काम पर नहीं आ सकते की अवस्था में
या इसीका अथवा सेवा से निवृत्त होने या अन्यथा सेवा से निकाल दिये
जाने पर (अथवा अध्ययन कोई पूरा नहीं कर पाने पर) अथवा किसी
भी समय में तीन वर्षों के उपरांत में उक्त रकम
(केवल रूपसे)
उस समय में मण्डल आणों पर लागू मण्डल दर पर मांग की गयी
तारीख से उस पर हुई व्याज सहित मण्डल को या मण्डल द्वारा निर्दे-
शित मांग पर तुरंत भुगतान कर दूंगा।

और मेरे द्वारा की गयी ऐसे भुगतान पर उपर्युक्त लिखित बंधन
(बाधता) बेकार और प्रभावहीन हो जाएगा अन्यथा यह पूर्ण अधिकार
से और प्रभावपूर्ण बना रहेगा।

सभी हस्ताक्षरों में बंध पत्र उस समय में लागू भारत के विधि द्वारा शासित किया जाएगा और इसके अंतर्गत के अधिकारी एवं दायित्व आव-
कता पढ़ने पर नवनुसार भारत में उचित न्यायनियों द्वारा निर्धारित
किया जाएगा।

इस बंध पत्र को लिए देय शुल्क का बहन करने के लिए कर्मचारी
सहमत है।

एक हजार नौ सौ और ----- के दिन
----- तारीख ----- की हस्ताक्षर
किया गया।

----- के समक्ष
----- के द्वारा हस्ताक्षर और सुपुर्द किया
गया।

गवाह :

(1) -----

(2) -----

स्थापना मण्डल और मण्डल
की ओर से स्वीकार किया

पार्श्व-9

[विनियम --- 49 (3) की देखें]

अध्ययन छुट्टी के लिए अग्रसर होने पर अस्थायी कर्मचारी द्वारा निष्पा-
दित किये जाने वाला बंध पत्र:---

हम प्रस्तुती के द्वारा यह सब को ज्ञात होता है कि हम -----
----- जिले ----- के निवासी फिलहाल -----

----- के कार्यालय में ----- के रूप में
नियोजित (जिसे इसमें आगे बाध्यकार कहा गया है) के पुत्र/पुत्री -----

----- श्री/श्रीमती/कुमारी -----

और श्री/श्रीमती/कुमारी -----

का पुत्र/पुत्री और श्री/श्रीमती/कुमारी -----

का पुत्र और पुत्री ----- (जिन्हें इसमें आगे

प्रतिभू कहा गया है) ने संयुक्त रूप से और स्पष्ट रूप से अपने आप को, अपने
वार्डन की, निष्पादकों और प्रशासकों को स्थायी मंडल की साथ पर (जिसे

इसमें आगे मंडल कहा गया है) ----- रु. का रकम
(केवल ----- रुपये) मंडल श्रमों

पर उस समय में लागू मंडल वर के मूलविक उस मांग की तारीख से उस
पर हुई धात्र सहित अथवा यदि भारत से अन्य देशों में भुगतान करी पर

उस देश की मुद्रा को भारत और उस देश के मध्य सरकारी विनियम के
दर पर परिवर्तित करके उक्त रकम का समक्ष और अधिकता एवं

मूकतिल के मध्य मण्डल द्वारा हुई या होने वाले सभी लागत और प्रसार
और अन्य सहित स्थायी मंडल की भुगतान करने के लिए बाध्यकारी

है।

अत एव बंधनकार (बाध्यकार) को मंडल द्वारा अध्ययन छुट्टी मंजूर
किया गया है। और मंडल के समुचित मंत्रालय के लिए बाध्यकार यहाँ नीचे
लिखी शर्तों पर बंध पत्र निष्पादित करने के लिए सहमत है और उक्त
प्रतिभू, ने उपर्युक्त बाध्यकार की ओर से हम बंध पत्र को निष्पादित करने के
लिए सहमत है। अब उपर्युक्त लिखित बाध्यता की शर्त है कि बाध्यकार
श्री/श्रीमती/कुमारी ----- (अध्ययन

छुट्टी की समाप्ति पर या अवधि पूर्ण हो जाने के उपरान्त छुट्टी में वापिस
आये बगैर ही फिर से काम पर आने में अनार्यता को अवस्था में या
इसरीफा देने अथवा सेवा से निवृत्त होने या अन्यथा सेवा से निकाल देने
पर (अथवा अध्ययन पाठ्यक्रम पूरा नहीं कर सकने पर) अथवा किसी
भी समय में तीन वर्षों के अंदर बाध्यकार और प्रतिभू मंडल को या मंडल
द्वारा भया निश्चित को व तब -----

रु. की रकम (निक -----
----- रुपये) मण्डल के श्रमों पर उस समय में लागू मण्डल वर
पर उस मांग की तारीख से उस पर हुई धात्र सहित तुरंत भुगतान
करेगा।

और बाध्यकार श्री/श्रीमती/कुमारी -----
के ऊपर और अथवा श्री/श्रीमती/कुमारी -----

उपर्युक्त कथित प्रतिभू को जो ऐसे भुगतान करने पर उपर्युक्त निश्चित
बाध्यता निश्चित और प्रभावहीन हो जाएगा अस्थायी अधिकारपूर्ण और
प्रभावशाली बना रहेगा। परंतु निम्नांकित जमानतदारों को जिम्मेदारी से,

उचित कारण से समय मंजूर किये जाने पर, या स्थिति के कारण, अधि-
नियम या मंडल द्वारा छूट दिये जाने पर, उनसे प्राधिकृत किसी व्यक्ति
पर (जमानतदारों के सहमत से या उसके जानकारी या जानकारी के

बगैर) कम या स्थगित नहीं किया जा सकता। साथ-साथ मंडल के लिए
यह आवश्यक है कि जमानतदार श्री/श्रीमती/कुमारी -----

और श्री/श्रीमती/कुमारी -----
----- या अन्य किसी पर उसके नाम पर

स्थित बकाये पैमे के लिए मुकदमा चलाने के पहले, आभारी पर मुक-
दमा चलाना होगा।

यह कर्मचारी उसके बंधपत्र के लिए देय स्थाय शुल्क का बहन करने
के लिए सहमत है। एक हजार नौ सौ और ----- के
दिन तारीख ----- की हस्ताक्षर किया
गया।

उपर्युक्त नाम श्री/श्रीमती/कुमारी -----
द्वारा ----- की उपस्थिति में

हस्ताक्षर किया और सुपुर्द किया गया।

गवाह:

(1) ----- विधि से संबंधित सभी विषयों में

(2) ----- यह बंधन आगत विधियों द्वारा

उस समय में लागू के अनुसार

हक एवं दायित्व से बाध्यकारी

उपर्युक्त नामित प्रतिभू श्री/श्रीमती/

कुमारी -----

द्वारा -----

को समक्ष में हस्ताक्षर और सुपुर्द किया

गया।

गवाह :

(1) -----

(2) -----

उपयुक्त नामित प्रतिभूत श्री/श्रीमती/
कुमारी

द्वारा

के समक्ष में हस्ताक्षर और मुपुर्द किया

गवाह :

(1)

(2)

न्यायी मंडल के लिए एवं उनके
और से स्वीकर्म

फार्म-10

[विनियम-49 (3) को देखें]

प्रस्थायी कर्मचारी की अध्ययन छुट्टी विस्तारण करने के लिए संजूर
करने पर कर्मचारी द्वारा निम्नांकित किया जाने वाले बंध पत्र।

इस प्रस्तुती से यह सब को ज्ञात हो कि हम लोग
जिसे का निवासी जो अभी के कार्यालय
में के रूप में नियोजित हैं (जिसे आगे बंधकार कहा
गया है) और के पुत्र/पुत्री, श्री/श्रीमती/कुमारी
..... का पुत्र/पुत्री (जिन्हें 'पुत्र' पर आगे
प्रतिभू कहा गया है) संयुक्त और स्पष्ट रूप से अपने आप को, अपने
बारिस को, निष्पादकों और प्रशासकों को न्यायी मंडल की भाँति पर
(जिसे इसमें आगे मंडल कहा गया है) व. का रकम

(केवल रूप) मण्डल कृपों पर उस समय में लागू
मण्डल दर के मुताबिक उस मांग की तारीख से उस पर हुई व्याज सहित
प्रत्यक्ष यदि भारत से अन्य देशों में भुगतान करने पर उस देश की मद्रा
को भारत और उस देश के मद्र सरकारों विनियम के दर पर परिवर्तित
करके उक्त रकम का समकक्ष और अभिकर्ता एवं मुबकिल के मद्र मण्डल
द्वारा हुए या होने वाले सभी व्यक्तियों और प्रसारों एवं व्ययों सहित न्यायो
मण्डल को भुगतान के लिए बाध्य हैं।

अतः एवं बंधनकार (बाध्यकार) को से
..... अधि तक मण्डल द्वारा अध्ययन छुट्टी संजूर किया
गया है व. दि. इस विचार के लिए
उत्तरे दि. व. (मिर्क
रूप) का एक बंधपत्र मण्डल हेतु निम्नांकित किया है।

और बाध्यकार के अनुरोध पर तत् अध्ययन छुट्टी के
विस्तार को संजूर किया गया और मण्डल के समुचित संस्कार हेतु
बाध्यकार यहाँ नीचे लिखे गतों पर बंधपत्र निम्नांकित करने के लिए
सहमत हैं। और उक्त प्रतिभू ने उपर्युक्त नाम के लिए
इस बंध पत्र को निम्नांकित करने हेतु सहमत हैं।

अब उपर्युक्त लिखित बाध्यता को ज्ञात है कि बाध्यकार श्री श्रीमती/
कुमारी (अध्ययन छुट्टी की समाप्ति पर या अथवा पूरा
हो जाने के बाद काम पर वापिस आए बगैर ही फिर से काम पर आने में
समय लाने की शक्ती के या उत्तीर्ण देने अथवा सेवा से निवृत्त होने या
अन्यथा सेवा से निकाल दिए जाने पर) (यथा अध्ययन को पूरा
नहीं कर पाने पर) बाध्यता नीचे लिखी के अंदर किसी भी समय में

बाध्यकार और प्रतिभूत मंडल को या मंडल द्वारा यथा निर्देशित को उक्त
..... की रकम (सिर्फ रूप) मण्डल के
कृपों पर उस समय में लागू मण्डल दर पर उस मांग की तारीख से
उस पर बने व्याज सहित मुस्त भुगतान करेगा।

और बाध्यकार श्री/श्रीमती/कुमारी के ऊपर और
प्रत्यक्ष श्री/श्रीमती/कुमारी उपर्युक्त कथित प्रतिभूत जो इस
प्रकार के भुगतान करने पर उपर्युक्त लिखित बाध्यता निष्क्रिय और
प्रभावहीन हो जाएगा अन्यथा अधिकार और प्रसारता का रहेगा।

परंतु निम्नांकित जमानतदारों की जिम्मेदारी से, उचित कारण से
समयावधि संजूर किए जाने पर, या स्थगन के कारण, अधिनियम या
मंडल द्वारा छूट दिए जाने पर या उनसे प्राधिकृत किसी व्यक्ति पर
(जमानतदारों के सहमत से या उनके जानकारी या जानकारी के बगैर)
कम या स्थगित नहीं किया जा सकता। साथ साथ मंडल के लिए यह
आवश्यक है कि जमानतदार श्री/श्रीमती/कुमारी और श्री/
श्रीमती/कुमारी या अन्य किसी पर उसके काम पर स्थित
बकाए पैसे के लिए मुकदमा चलाने के पहले आभारी पर मुकदमा चलाना
होगा।

सभी हालातों में बंधपत्र भारत विधियों द्वारा उस समय में लागू
और हक एवं दायित्व से जिन्हें यहाँ नीचे आवश्यकता पड़े पर भारत में
उचित न्यायालय द्वारा निर्णीत किया गया है को द्वारा ज्ञातित किया
जाएगा।

यह कर्मचारी इस बंधपत्र पर डेप स्टॉप शुल्क वहन करने के लिए
सहमत हैं।

एक हजार बी सी और के दिन तारीख
को हस्ताक्षर किया गया। उपर्युक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी
..... बाध्यकार द्वारा के समक्ष में हस्ताक्षर
किया और मुपुर्द किया गया।

गवाह

(1)

(2)

उपयुक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी द्वारा
..... के समक्ष हस्ताक्षर कर मुपुर्द किया गया।

गवाह

(1)

(2)

उपयुक्त नाम के श्री/श्रीमती/कुमारी द्वारा
..... के समक्ष में हस्ताक्षर और मुपुर्द किया गया।

गवाह

(1)

(2)

न्यायी मण्डल के लिए एवं उनके और से
स्वीकार किया गया।

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 21st April, 1992

NOTIFICATION

G.S.R. 429(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Visakhapatnam Port Trust Employees (Leave) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12015/13/91-PE.J]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

NOTIFICATION

In exercise of the powers conferred by section-28 of the Major Port Trusts Act, 1963, (Act 38 of 1963), the Board of Trustees of the Visakhapatnam Port Trust, hereby makes subject to the approval of Central Government under section 124 of the above Act, the following regulations, in supersession of The V. P. E. (Leave) regulations, 1964 and the V.P.E. (study leave) regulations 1964, published as G.S.R. No. 327 and 325 in the Gazette of India, namely :—

CHAPTER-I, PRELIMINARY

1. Short title and commencement.—(a) These Regulations may be called the Visakhapatnam Port Employees' (Leave) Regulations, 1992.

(b) They shall come into force on the date on which the Central Government's approval thereto is published in the Gazette of India.

2. Extent of application.—Save as otherwise provided in these Regulations, these regulations shall apply to all employees in the service of the Board but shall not apply to :—

- (a) Persons in casual or daily rated or part-time employment;
 - (b) Shore and ore Handling Labour;
 - (c) Persons employed on contract except when the contract provides otherwise; and
 - (d) Persons serving under the Board on deputation from the Central or a State Government or any other source for a limited duration.
3. (1) Definitions.—In these Regulations, unless the context otherwise requires :—
- (a) 'Board', 'Chairman', Deputy Chairman and "Head of Department" shall have the meanings assigned to them in the Major Port Trusts Act, 1963.
 - (b) "Authority competent to grant leave" means the authority empowered to grant leave under the delegation of powers under the Major Port Trusts Act, 1963.
 - (c) "Completed year of service" and "one year's continuous service" means continuous service of the specified duration under the Board and includes the period spent on duty as well as on leave, including extraordinary leave.
 - (d) "Commuted leave" means leave taken under Regulations-27.
 - (e) "Date of retirement" or "date of his retirement" in relation to an employee means the afternoon of

the last day of the month in which the employee attains the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service.

- (f) "Earned leave" means leave taken under Regulation (24).
- (g) "earned leave due" mean the amount of leave to the credit of an employee on the date of commencement of these Regulations under the Leave Regulations in force prior to that date plus the amount of earned leave calculated under Regulation-24 diminished by the amount of earned leave taken on or after the commencement of these regulations.
- (h) "extra ordinary leave" means leave taken under regulation-29.
- (i) "Employee" means an employee of the Board.
- (j) "Employee in permanent employ" means an employee who holds substantively a permanent post or who holds a lien on a permanent post or who would hold a lien on a permanent post had the lien not been suspended.
- (k) "Form" means form appended to the Schedule to these Regulations.
- (l) "Half pay leave" means leave earned in respect of completed years of service.
- (m) "Half pay leave due" means the amount of half pay leave, calculated under regulation, 26 for the entire service, diminished by the amount of half pay leave on private affairs and on medical certificate, taken before the commencement of these regulations and half pay leave taken on or after that date.
- (n) "Foreign Service" means service in which an employees receives his pay with the sanction of the Board from any other source than the Port Funds.

(2) Words and expressions used hereina, but defined in the Fundamental Rules and Supplementary Rules or in any other Acts or Rules, shall have the meanings respectively assigned to them in these Acts and Rules.

EXPLANATION.—The period of suspension of an employee which is treated as *die-non*, should not be reckoned as service for the purpose of these Regulations.

4(1) Employees on temporary transfer or on Foreign Service.—Employees to who these Regulations apply shall continue to be governed by these Regulations while on deputation to Central or a State Government or any other organisation, within India.

(2) In the case of employees on foreign service outside India or on deputation, these Regulations shall apply only to the extent provided in the terms and conditions of foreign service or deputation as the case may be.

5. Transfer from services or posts Governed by other Leave Rules.—Unless it be otherwise provided in these Regulations, a permanent employee to whom these Regulations do not apply :

- (a) When transferred temporarily to a service or post to which these Regulations apply shall remain subject to the leave rules which were applicable to him before such transfer; and
- (b) When appointed substantively to a permanent post to which these Regulations apply, shall become subject to these Regulations from the date of such appointment in which case the leave at his credit under the rules previously applicable to him shall be carried forward subject to the maximum limits of accumulation as laid down in Regulation-24. The leave so carried forward shall first be exhausted before the leave earned under these Regulations is availed of. The leave salary in respect of the leave carried forward shall be borne by the department from which the employee is transferred

CHAPTER-II, GENERAL CONDITIONS

6. RIGHT TO LEAVE :

- (i) Leave cannot be claimed as of right.
- (ii) When the exigencies of public service so required, leave of any kind may be refused or revoked by the authority competent to grant it, but, it shall not be open to that authority to alter the kind of leave due and applied for except at the written request of the employee.
7. An employee's claim to leave is regulated by the Regulations in force at the time the leave is applied for and granted.
8. Effect of Dismissal, Removal or resignation on leave at credit.—(1) Except as provided in Regulation-32 and in this Regulation, any claim to leave to the credit of an employee who is dismissed or removed or who resigns from Board's Service, cases from the date of such dismissal or removal or resignation.

(2) Where an employee applies for another post, but outside the Board and if such application is forwarded through proper channel and the applicant is required to resign his post before taking up the new one, such resignation shall not result in the lapse of the leave to his credit.

(3) An employee, who is dismissed or removed from service and is reinstated on appeal or revision, or due to court orders or any Industrial Tribunal orders or in such similar cases, shall be entitled to count for leave his service prior to dismissal or removal, as the case may be.

(4) An employee who having retired on compensation or invalid Pension or gratuity is re-employed and allowed to count his past service for pension, shall be entitled to count his former service towards leave.

9. Commutation of one kind of leave into another.—(1) At the request of an employee, the authority which granted him the leave may commute it retrospectively into leave of a different kind which was due and admissible to him at the time the leave was granted, but the employee cannot claim such commutation as a matter of right.

(2) The commutation of one kind of leave into another shall be subject to adjustment of leave salary on the basis of leave finally granted to the employee, that is to say, any amount paid to him in excess shall be recovered or any arrears due to him shall be paid.

NOTE.—Extra-ordinary leave granted on medical certificate or other wise may be commuted retrospectively into leave not due subject to the provisions in Regulation-29.

10. Combination of different kinds of leave.—Except as otherwise provided in these Regulations, any kind of leave under these Regulations may be granted in combination with or in continuation of any other kind of leave.

EXPLANATION.—Casual leave which is not recognised as leave under these Regulations shall not be combined with any other kind of leave admissible under these Regulations.

11. Maximum amount of continuous leave.—Unless the Board under exceptional circumstances of the case otherwise determines, no employee shall be granted leave of any kind for a continuous period exceeding five years.

12. Acceptance of service or Employment while on leave.—(1) An employee while on leave including leave preparatory to retirement or leave granted beyond date of retirement or quitting service, shall not take up any service or employment elsewhere, including the setting up of a private professional practice as Accountant, Consultant Legal or Medical Practitioner, without obtaining the previous sanction of the authority empowered to appoint him.

(2)(a) No employee while on leave other than leave preparatory to retirement or leave granted beyond the date of retirement, shall ordinarily be permitted to take up any other service or employment.

(b) If grant of such permission is considered desirable in any exceptional case, the employee may have his services transferred temporarily from his parent office to the office in which he is permitted to take up service or employment or may be required to resign his appointment before taking up any other service or employment.

(c) An employee while on leave preparatory to retirement shall not be permitted to take up private employment. He may however, be permitted to take up employment with a public sector undertaking or a Body referred to in regulation-31 and in that event also leave salary payable for leave preparatory to retirement shall be the same as admissible under regulation-37.

3(a) In case an employee who has proceeded on leave preparatory to retirement is required, before the date of retirement, for employment during such leave in any post under the Board and is agreeable to return to duty, the un-expired portion of the leave from the date of re-joined shall be cancelled.

(b) The leave so cancelled under Clause (a) above, be regulated in accordance with the provisions of Regulation-32.

CHAPTER-III

GRANT OF AND RETURN FROM LEAVE

13. Application for Leave :

Any application for leave or for extension of leave shall be made in Form-I to the authority Competent to grant leave.

14. LEAVE ACCOUNT :

A leave account shall be maintained in Form-2 for each employee in Class-I and II service by the Financial Adviser & Chief Accounts Officer and in Class-III & IV service by the Head of Department of an Officer authorised by him.

15. VERIFICATION OF TITLE TO LEAVE :

No leave shall be granted to an employee until a report regarding its admissibility has been obtained from the authority maintaining the leave account.

NOTE.—The order sanctioning leave shall indicate the balance of earned leave/half day leave at the credit of the employee.

16. Leave not to be granted in certain circumstances.—Leave shall not be granted to an employee, whom a competent punishing authority has decided to dismiss, remove or compulsorily retire from service.

17. Grant of leave on Medical Certificate to Class-I & II and Class-III & IV Employees.—(1) An application for leave on medical certificate made by :—

(i) A Class-I and Class-II employee shall be accompanied by a Medical Certificate in Form No. 3 given by Medical Officer attached to the Port Trust Hospital of Authorised Medical Attendant, as the case may be.

(ii) Class-III & IV employee, shall be accompanied by Medical Certificate in Form-4 given by the Medical Officer attached to the Port Trust Hospital or Authorised Medical Attendant or a Registered Medical Practitioner; defining as clearly as possible the nature and probable duration of illness.

2. A Medical Officer shall not recommend the grant of leave in any case in which there appears to be no reasonable prospect that the employee concerned will over

be fit to resume his duties and in such a case, the opinion that the employee is permanently unfit for service under the Board shall be recorded in the medical certificate.

3. The authority competent to grant leave may at its discretion, secure a second medical opinion by requesting the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital or the Chief Medical Officer of the District in which the employee is serving or in which he falls ill or to which he proceeds for treatment, to have the applicant medically examined on the earliest possible date.

4. It shall be the duty of the Medical Officer examining the employee under Sub-Regulation (3) above to express an opinion both as regards the facts of the illness and as regards the necessity for the period of leave recommended and for that purpose he may require the applicant to appear either before himself or before a medical Officer nominated by himself.

5. The grant of a medical certificate under this Regulation does not in itself confer upon the employee concerned any right to leave; the medical certificate shall be forwarded to the authority competent to grant leave and orders of that authority awaited.

6. The authority competent to grant leave may, in its discretion, waive the production of a medical certificate in case of an application for leave for a period not exceeding three days at a time. Such leave shall not, however, be treated as leave on medical certificate and shall be debited against leave other than leave on medical grounds.

18. Leave to an employee who is unlikely to be fit to return to duty:—(1) (a) When a medical authority has reported that there is no reasonable prospect that the employee will ever be fit to return to duty, leave shall not necessarily be refused to such employee.

(b) The leave may be granted, if due, by the authority competent to grant leave on the following conditions:—

(i) If the Medical authority is unable to say with certainty that the employee will never again be fit for service, leave not exceeding twelve months in all may be granted and such leave shall not be extended without further reference to a medical authority;

(ii) If an employee is declared by a medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service, leave or an extension of leave may be granted to him after the report of the medical authority has been received, provided the amount of leave as debited to the leave account together with any period of duty beyond the date of the report of the medical authority, does not exceed six months.

(2) An employee who is declared by a Medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service shall;

(a) if he is on duty, be invalidated from service from the date of relief of his duties, which should be arranged without delay on receipt of the report of the medical authority, if however, he is granted leave under sub-regulation (1) he shall be invalidated from service on the expiry of such leave.

(b) if he is already on leave, be invalidated from service on the expiry of that leave or extension of leave, if any granted to him under sub-regulation (1).

19. Commencement and termination of leave.—Except as provided in Regulation-20, leave ordinarily begins on the day on which the transfer of charge is effected and ends on the day proceeding that on which the charge is resumed.

20. Combination of holidays with leave.—(1) (i) When the day, immediately preceding the day on which an employee's leave (other than leave on Medical

Certificate) begins or immediately following the day on which his leave expires, is holiday or one of series of holidays, the employee shall be deemed to have been permitted (except in cases where for administrative reasons permission for prefixing/suffixing holidays, to leave specifically withheld) to leave his station at the close of the day before, or return to it on the day following such holiday or series of holidays;

Provided that his transfer or assumption of charge does not involve the handing over of securities or moneys other than a permanent advance;

(ii) in case of leave on medical certificate:—

(a) When the employee is certified medically unwell to attend office, holiday(s), if any, immediately preceding the day he is so certified shall be allowed automatically to be prefixed to leave and the holiday(s), if any, immediately succeeding the day he is so certified (including that day) shall be treated as part of the leave; and

(b) When an employee is certified medically fit for joining duty, holiday(s), if any, succeeding the day, he is so certified (including that day) shall automatically be allowed to be suffixed to the leave, and holiday(s), if any, preceding the day he is so certified shall be treated as part of the leave.

(2) On condition the departing employee remains responsible for the moneys in his charge, the Head of the Department may, in any particular case waive the application of the proviso to Sub-Regulation (1).

(3) Unless the authority competent to grant leave in any case otherwise directs:—

(a) If holidays are prefixed to leave, the leave and any consequent re-arrangement of pay and allowances take effect from the day after the holidays; and

(b) If holidays are suffixed to leave, the leave is treated as having terminated and any consequent re-arrangement of pay and allowances takes effect from the day on which the leave would have ended if holidays had not been suffixed.

Note.—A compensatory leave granted in lieu of duty performed by an employee on Sunday or a holiday for a full day may be treated as a holiday for the above purpose.

21. Recall to duty before expiry of leave.—(1) In case, an employee is recalled to duty before the expiry of his leave, such recall to duty shall be treated as compulsory in all cases and the employee shall be entitled—

(a) If the leave from which he is recalled is in India, to be treated as on duty from the date on which he starts for the station to which he is ordered, and to draw;

(i) travelling allowance under rules made in this behalf for the journey; and

(ii) leave salary, until he joins his post, at the same rate at which he would have drawn it but for recall to duty.

(b) If the leave from which he is recalled out of India, to count the time spent on the voyage to India as duty, for purposes of calculating leave and to receive;

(i) leave salary, during the voyage to India and for the period from the date of landing in India to the date of joining his post at the same rate at which he would have drawn but for recall to duty;

(ii) a free passage to India;

(iii) refund of his passage from India if he was not completed half the period of his leave by the

date of leaving for India on recall or 3 months whichever is shorter;

- (iv) travelling allowance, under regulations for the time being in force, for travel from the place of landing in India to the place of duty.

22. Return from leave.—(1) An employee on leave shall not return to duty before the expiry of the period of leave granted to him unless he is permitted to do so by the authority which granted him leave.

(2) Notwithstanding anything contained in Sub-Regulation (1) an employee on leave preparatory to retirement shall be precluded from returning to duty save with the consent of the authority competent to appoint him to the post from which he proceeded on leave preparatory to retirement.

- (3) (a) An employee who has taken leave on medical certificate may not return to duty until he has produced a medical certificate of fitness in form-5
- (b) If the employee is a Class-I or Class-II employee, the certificate under clause (a) above shall be obtained from the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital or from an Authorised Medical Attendant, not below the rank of Civil Surgeon Gr. I, as the case may be.
- (c) In the case of a Class-III or Class-IV employee, the authority under which the employee is employed on return from leave may, in its discretion, accept a certificate signed by a registered medical practitioner.
- (4) (a) An employee returning from leave is not entitled, in the absence of specific orders to that effect, to resume, as a matter of course, the post which he held before going on leave.
- (b) Such employee shall report his return to duty to the authority which granted him leave or to the authority, if any, specified in the order granting him the leave and await orders.

Note.—An employee who had been suffering from tuberculosis may be allowed to resume duty on the basis of fitness certificate, which recommends light work for him.

23. Absence after expiry of leave.—(1) Unless the authority competent to grant leave extends the leave, an employee who remains absent after the end of leave is entitled to no leave salary for the period of such absence and that period shall be debited against his leave accounts as though it were half-pay leave, to the extent such leave is due, the period in excess of such leave due being treated as extraordinary leave.

(2) Wilful absence from duty after the expiry of leave renders an employee liable to disciplinary action.

CHAPTER IV

KINDS OF LEAVE DUE AND ADMISSIBLE

24. Earned Leave :

- (1) (a) (i) An employee shall be entitled to 30 days earned leave in a Calendar year. The leave account of every employee shall be credited with earned leave in advance in two instalments of 15 days each on the first of January and July every calendar year.
- (ii) When an employee joins a new post without availing of the full joining time, the number of days of joining time as admissible under the rules in force, subject to the maximum of 15 days reduced by the number of days actually availed of, shall be credited to his leave account as earned leave, provided that the earned leave already at his credit, together with the credit given under this sub-clause, does not exceed 240 days.

- (b) The leave at the credit of an employee at the close of the previous half year shall be carried forward to the next half year, subject to the condition that the leave so carried for and plus the credit for the half year do not exceed the maximum limit of 240 days.

(2) Subject to the provisions of Regulations-6 and 32 and sub-Regulations (1) and (3) of this Regulation, the maximum earned leave that may be granted at a time to an employee in India shall be 120 days.

(3) Earned leave may be granted to an employee in Class-I or Class-II service for a period exceeding 120 days but not exceeding 240 days if the entire leave so granted or any portion thereof is spent outside India.

Provided that where earned leave exceeding a period of 120 days is granted under this Sub-Regulation, the period of such leave spent in India shall not in the aggregate exceed the aforesaid limits.

(4) A period spent in foreign service shall count as duty for purposes of this Regulation, if contribution towards leave salary is paid on account of such period.

25. Calculation of earned leave.—1. Earned leave shall be credited to the leave account of an employee at the rate of 24 days for each completed calendar month of service which he is likely to render in a half year of the calendar year in which he is appointed.

2. (a) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from the service shall be afforded only at the rate of 24 days per completed calendar month upto the date of retirement or resignation.
- (b) When an employee is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of earned leave shall be allowed at the rate of 24 days per completed calendar month upto the end of the calendar month preceeding the calendar month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.

3. In an employee has availed of extraordinary leave and/or some period of absence has been treated as dies-non in a half-year, the credit to be afforded to his leave account at the commencement of the next half year shall be reduced by 1/10th of the period of such leave and/or dies-non, subject to maximum of 15 days.

4. While affording credit of earned leave, fractions of a day shall be rounded off to the nearest day.

26. Half pay leave.—(1) The half pay leave account of every employee shall be credited with half-pay leave in advance, in two instalments of 10 days each on the first day of January and July of every calendar year.

- (2) (a) The leave shall be credited to the said leave account at the rate of 5/3 days for each completed calendar month of service which he is likely to render in the half year of the calendar year in which he is appointed.
- (b) The credit for the half year in which an employee is due to retire or resigns from service shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed calendar month upto the date of retirement or resignation.
- (c) When an employee is removed or dismissed from service or dies while in service, credit of half pay leave shall be allowed at the rate of 5/3 days per completed Calendar month upto the end of calendar month preceeding the calendar month in which he is removed or dismissed from service or dies in service.
- (d) Where a period of absence or suspension of employee has been treated as "dies-non" in a half year, the credit to be afforded to his half-pay leave account at the commencement of next half-year, shall be reduced by one eighteenth of the period of "dies-non", subject to a maximum of ten days

(3) The leave under this regulation may be granted on medical certificate or on private affairs.

(4) While affording credit of half-pay leave, fraction of a day shall be rounded off to the nearest day :

Provided that in the case of an employee not in permanent employ no half pay leave shall be granted unless the authority competent to grant leave has reasons to believe that the employee will return to duty on its expiry except in the case of an employee who has been declared completely and permanently incapacitated for further service by a medical authority.

27. Commuted leave.—(1) Commuted leave not exceeding half the amount of half pay leave due may be granted on medical certificate to an employee, subject to the following conditions :

(a) The authority competent to grant leave is satisfied that there is reasonable prospect of the employee returning to duty on its expiry ;

(b) When commuted leave is granted, twice the amount of such leave shall be debited against the half pay leave due.

(2) Half pay leave upto a maximum of 180 days may be allowed to be commuted during the entire service (with out production of medical certificate) where such leave is utilised for an approved course of study certified to be in the Board's interest by the leave sanctioning authority.

(3) Where an employee who has been granted commuted leave resigns from service or at his request is permitted to retire voluntarily without returning to duty, the commuted leave shall be treated as half-pay leave and the difference between the leave salary in respect of commuted leave and half pay leave shall be recovered.

Provided that no such recovery shall be made if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the employee for further service or in the event of his death.

Note.—Commuted leave may be granted at the request of employee even when earned leave is due to him.

28. Leave not due.—(1) Save in the case of leave preparatory to retirement, leave not due may be granted to an employee in permanent employ limited to a maximum of 360 days during the entire service on medical certificate subject to the following conditions.

(a) The authority competent to grant leave is satisfied that there is reasonable prospect of the employee returning to duty on its expiry ;

(b) leave not due shall be limited to the half pay leave, he is likely to earn thereafter ;

(c) Leave not due shall be debited against the half pay leave, the employee may earn subsequently.

(2) 'Leave not due' may also be granted to such of the temporary employees as are suffering from Tuberculosis, Leprosy, Cancer or Mental illness for a period not exceeding 360 days during the entire service subject to the fulfilment of the conditions in clauses (a) to (c) of sub-regulation (1) and also subject to the following further conditions :

(i) The employee has put in a minimum of one year's service.

(ii) The post from which the employee proceeds on leave is likely to last till his return to duty ; and

(iii) The request for grant of such leave is supported by a medical certificate.

(3)(a) Where an employee who has been granted leave not due resigns from service or at his request permitted retire voluntarily without returning to duty, the leave not due shall be cancelled, his resignation or retirement taking effect from the date on which such leave had commenced, and the leave salary shall be recovered.

(b) Where an employee, who having availed himself of leave not due, returns to duty, but resigns or retires from service before he has earned such leave, he shall be liable to refund the leave salary to the extent the leave has not been earned subsequently.

Provided that no leave salary shall be recovered under clause (a) or clause (b) if the retirement is by reason of ill-health incapacitating the employee for further service or in the event of his death, or he is retired by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice in accordance with the terms and conditions of his service.

29. Extraordinary leave.—(1) Extraordinary leave may be granted to an employee, in special circumstances :—

(a) When no other leave is admissible ;

(b) When other leave is admissible, but the employee applies in writing for the grant of extraordinary leave.

(2) Unless the Board under exceptional circumstances of the case otherwise determines, no employee, who is not in permanent employ shall be granted extraordinary leave on any one occasion in excess of the following limits :

(a) three months ;

(b) six months where the employee has completed one year's continuous service on the date of expiry of leave of the kind due and admissible under those regulations including 3 months extraordinary leave under Clause (a) and his request for such leave is supported by a medical certificate as required by these regulations.

(c) Eighteen months on medical certificate where the employee who has completed one year continuous service is undergoing treatment for—

(i) Pulmonary tuberculosis or pleurisy of tubercular origin, in a recognised sanatorium ;

Note.—The concession of extraordinary leave upto 18 months shall be admissible also to an employee suffering from Pulmonary Tuberculosis or pleurisy or tubercular origin who receives treatment at his residence under a Tuberculosis Specialist recognised as such by the State Administrative Medical Officer concerned and produce a certificate signed by that specialist to the effect that he is under his treatment and that he has reasonable chances of recovery on the expiry of the leave recommended.

(ii) Tuberculosis of any other part of the body by a qualified Tuberculosis Specialist or a Civil Surgeon; or Staff Surgeon; or

(iii) Leprosy in a recognised Leprosy Institution or by a Civil Surgeon or Staff Surgeon or a Specialist in Leprosy Hospital recognised as such by the State Administrative Medical Officer concerned ;

(iv) Cancer or for mental illness in an institution recognised for the treatment of such disease or by a Civil Surgeon or Staff Surgeon or a specialist in such disease.

Note.—For this purpose "Medical Certificate" include a medical certificate issued by the Chief Medical Officer of the Port Trust Hospital.

(d) twenty four months, where the leave is required for the purpose of prosecuting studies certified to be in the Board's interest, provided the employee concerned has completed three years continuous service on the date of expiry of leave of the kind due and admissible under these regulations, including three months extraordinary leave under clause (a).

3. (a) Where an employee is granted extraordinary leave in relaxation of the provisions contained in Clause (d) of sub-regulation (2), shall be required to execute a bond in Form-6 undertaking to refund

to the Board the actual amount of expenditure incurred by the Board during such leave plus that incurred by any other Agency with interest thereon in the event of his not returning to duty on the expiry of such leave or quitting the service before a period of three years after return to duty.

(b) The Board shall be supported by sureties from the two permanent employees having a status comparable to or higher than that of the employees.

(c) Employees belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, for the purpose of attending the pre-examination training course at the centre notified by Government, from time to time, be granted extraordinary leave by the competent authority, in relaxation of the provisions of sub-regulation (2).

(5) Two spells of extraordinary leave, if intervened by any other kind of leave, shall be treated as one continuous spell of extraordinary leave for the purpose of sub-regulation (2).

(6) The authority competent to grant leave may commute retrospectively periods of absence without leave into extraordinary leave.

29. (a) Leave to probationer, a person on probation and an apprentice :

1. (a) A Probationer shall be entitled to leave under these regulations, if he had held his post substantively otherwise than on probation.

(b) If for any reason, it is proposed to terminate the services of a probationer, any leave which may be granted to him shall not extend—

(i) beyond the date on which the probationary period as already sanctioned or extended expires, or

(ii) beyond any earlier date on which his services are terminated by the orders of an authority competent to appoint him.

(2) A person appointed to a post on probation shall be entitled to leave under these regulations as a temporary or permanent employee according to his appointment is against temporary or permanent post.

Provided that where such person already holds a lien on a permanent post before such appointment, he shall be entitled to leave under these regulations as a permanent employee.

(3) An apprentice shall be entitled to :

(a) Leave on medical certificate, on leave salary equivalent to half pay for a period not exceeding one month in any year of apprenticeship.

(b) Extraordinary leave under Regulation 29.

30. Persons re-employed after retirement.—In the case of a person re-employed after retirement the provisions of these regulations shall apply, as if, he had entered Board's service for the first time on the date of his re-employment.

31. Leave preparatory to retirement.—(1) An employee may be permitted by the authority competent to grant leave to take leave preparatory to retirement to the extent of earned leave due, not exceeding 240 days together with half pay leave due subject to the condition that such leave extends upto and includes the date of retirement.

Note.—The leave granted as leave preparatory to retirement shall not include extraordinary leave.

(2) (a) Where an employee who is on foreign service in or under any local authority or a corporation or company wholly or subsequently owned or controlled by the Government or a Body controlled or financed by the Government (hereinafter referred to the Local Body) applies for leave preparatory

to retirement, the decision to grant or refuse such leave shall be taken by foreign employer with the concurrence of the lending authority.

(b) the employee on foreign service shall also be allowed to encash earned leave at his credit on the date of retirement in the manner provided in Sub-Regulation (2) of Regulation 32.

(3) Where an employee is on foreign service in or under a local body other than the one mentioned in Sub-Regulation (2)(a) leave preparatory to retirement shall be admissible to him only when he quits duty under the foreign employer :

Provided that where an employee continues in service under such foreign employer, the employee shall not be eligible for grant of cash payment in lieu of leave under Regulation 32.

32. Leave/cash payment in lieu of leave beyond the date of retirement/compulsory retirement or quitting of service.

1. No leave shall be granted to an employee—

(a) the date of his retirement, or

(b) the date of his final cessation of duties, or

(c) the date on which he retires by giving notice or he is retired by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice, in accordance with the terms and conditions of his service, or

(d) The date of his resignation from service.

2. (a) Where an employee retires on attaining the normal age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service, the authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for (earned) leave, if any, at the credit of the employee on the date of his retirement, subject to a maximum of 240 days.

(b) The cash equivalent under clause (a) shall be calculated as follows and shall be payable in one lump sum as a one-time settlement. No House Rent allowance or City Compensatory allowance shall be payable :—

Pay admissible on the Number of days of unutilised date of retirement plus fixed earned leave at dearness allowance admissible retirement subject to on that date

Cash equivalent = $\frac{\text{Pay admissible on the date of retirement plus fixed earned leave at dearness allowance admissible retirement subject to on that date}}{30} \times \text{a maximum of 240 days.}$

3. The authority competent to grant leave may withhold whole or part of cash equivalent of earned leave in the case of an employee who retires from service on attaining the age of retirement while under suspension or while disciplinary or criminal proceedings are pending against him, if in the view of such authority there is a possibility of some money becoming recoverable from him on conclusion of the proceedings against him. On conclusion of the proceedings, he will become eligible to the amount so withheld after adjustment of dues if any.

4. (a) Where the service of an employee has been extended, in the interest of public service beyond the date of his retirement, he may be granted :—

(i) during the period of extension, any earned leave due in respect of the period of such extension plus the earned leave which was at his credit on the date of his retirement subject to a maximum of 120 days/240 days, as the case may be, as prescribed in regulation :—

(ii) after expiry of the period of extension, cash equivalent in the manner provided in sub-regulation (2) in respect of earned leave at credit on the date of retirement, plus the earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 240 days.

- (b) The cash equivalent payable under sub-clause (ii) of clause (a) of this sub-regulation shall be calculated in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2) above.

5. An employee who retires or is retired from service in the manner mentioned in clause (c) of sub-regulation (1), may be granted, suo motu by the authority competent to grant leave, cash equivalent of the leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of (240) days and also in respect of all the half-pay leave at his credit provided this period does not exceed the period between the date on which he so retires or is retired from service and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent shall be equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or equal to the leave salary as admissible for half-pay leave plus dearness allowance admissible on that leave salary for the first 240 days, at the rates in force on the date the employee so retires or is retired from service. The pension and pension equivalent of other retirement benefits and adhoc relief/graded relief on pension shall be deducted from the leave salary paid for the period of half-pay leave, if any, for which the cash equivalent is payable. The amount so calculated shall be paid in one lump sum as a one-time settlement. No House rent allowance or City compensatory allowance shall be payable :

Provided that if leave salary for the half-pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half-pay leave shall not be granted.

5. (A) "Where an employee is compulsorily, retired as a measure of penalty under the provisions of the V.P.E. (Classification, Control and Appeal) Regulations, 1968 and the disciplinary authority has not imposed any reduction in the amount of his pension (including gratuity) as per rules, the authority competent to grant leave shall suo motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for earned leave, if any, at credit of the employee on the date of such retirement, subject to a maximum of two hundred and forty days in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2)".
6. (a) (i) Where the services of an employee are terminated by notice or by payment of pay and allowance in lieu of notice, or otherwise in accordance with the terms and conditions of his appointment, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave, at his credit on the date on which he ceases to be in service subject to a maximum of (240) days;
- (ii) If an employee resigns or quits service, he may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of cessation of service, to the extent of half of such leave at his credit, subject to a maximum of (120) days ;
- (iii) An employee who is re-employed after retirement may, on termination of his re-employment, be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of termination of re-employment subject to a maximum of (240) days, (including the period for which encashment was allowed at the time of retirement).
- (b) The cash equivalent payable under clause (a) shall be calculated in the manner indicated in clause (b) of sub-regulation (2) and for the purpose of computation of cash equivalent under sub-clause (iii) of clause (a), the pay on the date of the termination of re-employment shall be the pay fixed in the scale of post of re-employment before adjustment of pension and pension equivalent of other retirement benefits, and the dearness allowance appropriate to that pay.

33. Cash equivalent of Leave Salary in case of death in service.—In case an employee dies while in service, the cash equivalent of the leave salary that the deceased employee would have got had he gone on earned leave that would have been due and admissible to him but for the death on the date immediately following the death and in any case, not exceeding leave salary for (240) days shall be paid to his family in the manner specified in Regulation-35 without any reduction on account of pension equivalent of death-cum-retirement gratuity.

Note.—In addition to the cash equivalent of leave salary admissible under this Regulation the family of the deceased employee shall also be entitled to payment of dearness allowance only as per orders issued in this behalf separately.

34. Cash equivalent of leave salary in case of invalidation from service.—An employee who is declared by a medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service may be granted, suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of leave salary in respect of leave due and admissible, on the date of his invalidation from service, provided that the period of leave for which he is granted cash equivalent does not extend beyond the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service, the cash equivalent thus payable shall be equal to the leave salary as calculated under sub-regulation (3) of Regulation-32. An employee not in permanent employ shall not, however, be granted cash equivalent of leave salary in respect of half-pay leave standing at his credit on the date of his invalidation from service.

35. Payment of cash equivalent of leave salary in case of death, etc. of employee.—In the event of the death of an employee while in service or after retirement or after final cessation of duties but before actual receipt of its cash equivalent of leave salary payable under Regulations-32, 33 and 34 such amount shall be payable.—

- (i) to the widow, and if there are more widows than one, to the eldest surviving widow if the deceased was a male employee or to the husband, if the deceased was a female employee;

Explanation.—The expression "eldest surviving widow" shall be construed with reference to the seniority according to the date of the marriage of the surviving widows and not with reference to their ages;

- (ii) failing a widow or husband, as the case may be to the eldest surviving son; or an adopted son;
- (iii) failing (i) to (ii) above, to the eldest surviving unmarried daughter;
- (iv) failing (i) to (iii) above, to the eldest surviving widowed daughter;
- (v) failing (i) to (iv) above, to the father;
- (vi) failing (i) to (v) above, to the mother;
- (vii) failing (i) to (vi) above, to the eldest surviving brother below the age of eighteen years;
- (viii) failing (i) to (vii) above, to the eldest surviving unmarried sister; and
- (ix) failing the above, to the eldest surviving widowed sister.

36. An employee on his application shall be allowed the encashment of earned leave, under the following terms and conditions :—

- (a) Encashment will be allowed only once in a Calendar year. It will be limited to 50 per cent of the leave standing at the credit of an employee and will be subject to an employee simultaneously availing himself of 7 days leave. The leave account will be debited by the total of leave encashed and availed.
- (b) The amount admissible on such encashment shall be the pay and allowances for which he would have been eligible had he actually gone on leave and will be paid in advance.

- (c) The amount paid in lieu of leave shall not count as emoluments for any purposes. It shall not also be subjected to recoveries in respect of loans, advances, etc.

37. Leave Salary.—1. An employee who proceeds on earned leave is entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on earned leave.

Note.—In respect of any period spent on foreign service out of India, the pay which the employee would have drawn if on duty in India but for foreign service out of India shall be substituted for the pay actually drawn while calculating leave salary.

2. An employee on half-pay leave or leave not due is entitled to leave salary equal to half the amount specified in [sub-regulation (1)].

3. An employee on commuted leave is entitled to leave salary equal to the amount admissible under sub-regulation (1).

4. An employee on extraordinary leave is not entitled to any leave salary.

5. In the case of an employee who is granted leave earned by him during the period of re-employment the leave salary shall be based on the pay, drawn by him exclusive of the pension and pension equivalent of other retirement benefits.

6. (a) If, in the case of an employee who retires or resigns from the service, the leave already availed of is more than the credit so due to him necessary adjustment shall be made in respect of leave salary, if any, overdrawn.

(b) Where the quantum of earned leave already availed of by an employee who is dismissed or removed from service or who dies while in service is in excess of the leave credit under Clause (b) of Sub-regulation (2) of Regulation 25, the overpayment of leave salary shall be recovered in such cases.

38. Drawal of leave salary.—The leave salary payable under these regulations shall be drawn in rupees in India.

39. Advance of leave salary.—An employee including an employee on foreign service, proceeding on leave for a period not less than 30 days may be allowed in advance in lieu of leave salary upto a month's pay subject to the following conditions :—

(i) The amount of the advance shall be restricted to the net amount of leave salary including allowances as well for the 1st month of leave that is clearly admissible after deductions on account of Income tax, Provident Fund, House Rent, repayment of advance etc., so that there is no financial risk involved.

(ii) The advance should be adjusted in full in the leave salary bill in respect of the leave availed. In cases where the advance cannot be so adjusted in full, the balance shall be recovered from the next payment of pay or leave salary or both.

(iii) The advance may be sanctioned by the Chairman, Dy. Chairman or the Heads of Departments, as the case may be.

(iv) Advances in respect of a temporary employee may be sanctioned without the surety of a permanent employee.

(v) The amount of advance shall be debited to the head of account to which the pay etc., of the employee is debited.

(vi) advance under these regulations shall be sanctioned in whole rupees.

CHAPTER-V

40. Maternity Leave.—Special kinds of leave other than study leave.

(1) A Female employee (including an apprentice) with less than two surviving Children may be granted maternity leave by an authority competent to grant

leave for a period of 90 days from the date of its commencement.

(2) During such period she shall be paid leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave.

(3) Maternity leave not exceeding six weeks may also be granted to a female employee in case of miscarriage, including abortion, (irrespective of No. of surviving children) on production of medical certificate as laid down in Regulation-17.

(4) (a) Maternity leave may be combined with leave of any other kind.

(b) Notwithstanding the requirement of production of medical certificate contained in Sub-regulation (1) of Regulation 27 or Sub-Regulation (1) of Regulation 28, leave of the kind due and admissible (including commuted leave for a period not exceeding 60 days and leave not due) upto a maximum of one year may, if applied for, be granted in continuation of maternity leave granted under Sub-regulation (1).

(5) The maternity leave shall not be debited against the leave account.

41. Special disability leave for injury intentionally inflicted.—(1) The authority competent to grant leave may grant special disability leave to an employee (whether permanent or temporary) who is disabled by injury intentionally inflicted or caused in, or in consequence of the due performance of his official duties or in consequence of his official position.

(2) Such leave shall not be granted unless the disability manifested itself within three months of the occurrence to which it is attributed and the person disabled acted with due promptitude in bringing it to notice;

Provided that the authority competent to grant leave may, if it is satisfied as to the cause of the disability, permit leave to be granted in cases where the disability manifested itself more than three months after the occurrence of its cause.

(3) The period of leave granted shall be such as is certified by the Medical Officer of the Board and shall in no case exceed 24 months.

(4) Special disability leave may be combined with leave of any other kind.

(5) Special disability leave may be granted more than once if the disability is aggravated or reproduced in similar circumstances at later date, but not more than 24 months of such leave shall be granted in consequence of any one disability.

(6) Special disability leave shall be counted as duty in calculating service for pension and shall not, except the leave granted under the proviso to clause (b) of sub-regulation (7), be debited against the leave account.

(7) Leave salary during such leave shall,—

(a) for the first 120 days of any period of such leave, including a period of such leave granted under Sub-regulation (5), be equal to leave salary while on earned leave; and

(b) for the remaining period of any such leave, be equal to leave salary during half-pay leave;

Provided that an employee may, at his option, be allowed leave salary as in sub-regulation (a) for period not exceeding another 120 days, and in that event the period of such leave shall be debited to his half-pay leave account.

(8) In the case of person to whom the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923) applies, the amount of leave salary payable under this Reg. shall be reduced by the amount of compensation payable under clause (d) of sub-section (1) of Section-4 of the said Act.

42. SPECIAL DISABILITY LEAVE FOR ACCIDENTAL INJURY :

(1) The provisions of Regulation-41 shall apply also to an employee whether permanent or temporary, who is disabled by injury accidentally incurred in, or in consequence of, the due performance of his official duties or in consequence of his official position, or by illness incurred in the performance of any particular duty, which has the effect of increasing his liability to illness or injury beyond the ordinary risk attaching to the post which he holds.

(2) The grant of special disability leave in such case shall be subject to the further conditions :—

- (i) That the disability, if due to disease, must be certified by the Medical Officer of the Board to be directly due to the performance of the particular duty;
- (ii) that, if the employee has contracted such disability during service otherwise than with a military force, it must be in the opinion of the authority competent to sanction leave, exceptional in character; and
- (iii) that the period of absence recommended by the Medical Officer of the Board may be covered in part, by leave under this regulation and in part by any other kind of leave, and that the amount of special disability leave granted on leave salary equal to that admissible on earned leave shall not exceed 120 days.

43. HOSPITAL LEAVE :

(1) The authority competent to grant leave may grant hospital leave to :—

- (a) Class-IV, employees; and
- (b) Such Class-III employees whose duties involve the handling of dangerous machinery, explosive materials, poisonous drugs and the like, or the performance of hazardous tasks, while under medical treatment in a hospital or otherwise, for illness or injury if such illness or is directly due to risks incurred in the course of their official duties.

(2) Hospital leave shall be granted on the production of medical certificate from the Medical Officer of the Board.

(3) Hospital leave may be granted for such period as the authority granting it may consider necessary, on leave salary—

- (i) equal to leave salary while on earned leave for the first 120 days of the period of such leave; and
- (ii) equal to leave salary during half pay leave, for the remaining period of any such leave.

(4) Hospital leave shall not be debited against the leave account and may be combined with any other kind of leave which may be admissible, provided the total period of leave, after such combination, does not exceed 28 months.

(5) In the case of a person to whom the Workmen's compensation Act, 1923 (8 of 1923) applies, the amount of leave salary payable under this rule shall be reduced by the amount of compensation payable under clause (d) of Sub-section (1) of Section-4 of the said Act.

(44) COMPULSORY LEAVE TO RADIOGRAPHERS-CUM-DARK ROOM ASSISTANTS :

(1) Every Radiographer-cum-Dark Room Assistant shall be granted leave for one month every year compulsorily and out of one month leave, half of the leave shall only be debited to the employee's leave account and the balance shall be borne by the Board.

(2) An employee who proceeds on special leave mentioned in Sub-Regulation (1) above shall be entitled to leave salary equal to the pay drawn immediately before proceeding on leave for the portion of leave borne by the Board.

CHAPTER-VI (Study Leave)**45. CONDITIONS FOR GRANT OF STUDY LEAVE :**

(1) Subject to conditions specified in this Chapter, study leave may be granted to an employee with due regard to the exigencies of Board's service to enable him to undergo, in or out of India, a special course of study consisting of higher studies or specialised training in a professional or a technical subject having a direct and close connection with the spare of his duty.

(2) Study leave may also be granted—

- (i) for a course of training or study tour in which the employee may not attend a regular academic or semi-academic course if the course of training or the study tour is certified to be of definite advantage to Board from the point of view of Public interest and is related to sphere of duties of the employee and;
- (ii) for the purposes of studies connected with the frame work or background of public administration subject to the conditions that—
 - (a) the particular study or study tour should be approved by the authority competent to grant leave, and
 - (b) the employee should be required to submit, on his return, a full report on the work done by him while on study leave
- (iii) for the studies which may not be closely or directly connected with the work of an employee, but which are capable of widening his mind in a manner likely to improve his abilities as an employee and to equip him better to collaborate with those employed in other branches of the public service.

NOTE : Application for study leave in cases falling under Clause (iii) shall be considered on merits of each case in consultation with the Accounts Department.

(3) Study leave shall not be granted unless—

- (i) It is certified by the authority competent to grant leave that the proposed course of study or training shall be of definite advantage from the point of view of public interests ;
- (ii) It is for prosecution of studies in subjects other than academic or literary subject ;

Provided that Medical Officer may be granted study leave for prosecuting a course of Post-Graduate study in Medical Sciences if the Board certified to the effect that such study shall be valuable in increasing the efficiency of such medical officer in the performance of his duties :

Provided also that a specialist or a technical person may be granted study leave, on merits of each case for prosecuting a post-graduate course of study directly related to the sphere of his duty in case the competent authority certifies that the course of study shall enable the specialist or the technical person, as the case may be, to keep abreast with modern development in the field of his duty, improve his technical standards and competence and thus substantially benefit the Board.

(iii) the Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance agrees to the release of foreign exchange involved in the grant of study leave, if such leave is outside India :

Provided that in releasing foreign exchange to employees proceeding on study leave abroad, the Department aforesaid shall satisfy itself whether such employee comply with the minimum educational criteria as specified in the general orders issued by the said Department from time to time regulating release of foreign exchange to person proceeding abroad for higher studies at their expenses.

(4) Study leave out of India shall not be granted for the prosecution of studies in subjects for which adequate facilities exist in India or under any of the Schemes administered by

the Department of Economic Affairs of the Ministry of Finance or by the Ministry of Education.

(5) Study leave may be granted to an employee,

- (i) who has satisfactorily completed period of probation and has rendered not less than five years' regular continuous service including the period of probation under the Board;
 - (ii) who is not due to reach the age of superannuation from the Board's service within three years from the date of which he is expected to return to duty after the expiry of the leave, and
 - (iii) who executes a bond as laid down in Regulation 49(3) undertaking to serve the Board for a period of three years after the expiry of the leave.
- (6) Study leave shall not be granted to an employee with such frequency as to remove him from contact with his regular work or to cause undue difficulties owing to his absence on leave.

46. MAXIMUM AMOUNT OF STUDY LEAVE :

The maximum amount of study leave, which may be granted to an employee shall be—

- (a) ordinarily twelve months at any one time, and
- (b) during his entire service, twenty-four months in all (inclusive of similar kind of leave for study or training granted under any other rules or regulations).

47. AUTHORITY COMPETENT TO SANCTION STUDY LEAVE :

Study leave may be granted :

- (a) by the Board in the case of employees referred to in clause (a) of sub-section (i) of Section 24 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963);
- (b) by Chairman or Deputy Chairman as the case may be in all other cases.

48. APPLICATIONS FOR STUDY LEAVE :

- (1)(a) Every application for study leave shall be submitted through proper channel to the authority competent to grant leave.
- (b) The course or courses of study contemplated by the employee and any examination which he proposes to undergo shall be clearly specified in such application.
- (2) Where it is not possible for the employee to give full details in his application, or if, after leaving India, he is to make any change in the programme which has been approved in India, he shall submit the particulars as soon as possible to the Head of the Mission or the authority competent to grant leave as the case may be, and shall not, unless prepared to do so at his risk, commence the course of study or incur any expenses in connection therewith until he receives the approval of the authority competent to grant the study leave for the course.

49. Sanction of Study Leave.—(1) A report regarding the admissibility of the study leave shall be obtained from the Accounts Department in respect of Class I and II Officers.

Provided that the study leave, if any, already availed of by the employee shall be included in the report.

(2) Where the study leave is granted for prosecution of studies abroad the Head of the Mission concerned shall be informed of the fact by the authority granting the leave through the Central Government.

NOTE :—The Head of the Mission shall be contacted by the employee for issue of any letters of introduction or for other similar facilities that may be required.

(3) (a) Every employee in permanent employ who has been granted study leave or extension of such study leave

shall be required to execute a bond in Form-8, as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(b) Every employee not in permanent employ who has been granted study leave or extension of such leave shall be required to execute a bond in Form-9 or Form-10 as the case may be, before the study leave or extension of such study leave granted to him commences.

(c) The Authority competent to grant leave shall send to the Accounts Department a certificate to the effect that the employee referred to clause (a) or clause (b) has executed the requisite bond.

(4) (a) On completion of the course of study, the employee shall submit to the authority which granted him the study leave, the certificates of examinations passed or special courses of study undertaken, indicating the date of commencement and termination of the course with the remarks, if any, of the authority in charge of the course of study.

(b) If the study is undertaken in a country outside India where there is an Indian Mission, the certificates shall be submitted through the Head of the Mission concerned.

50. Accounting of Study Leave and combination with leave of other kinds.—(1) Study leave shall not be debited against the leave account of the employee.

(2) Study leave, may be combined with other kinds of leave, but in no case shall the grant of this leave in combination with leave, other than extraordinary leave, involve a total absence of more than twenty-eight months from the regular duties of the employee.

Explanation.—The limit of twenty-eight months of absence prescribed in this sub-regulation includes the period of vacation.

(3) An employee granted study leave in combination with any other kind of leave may, if he so desires, undertake or commence a course of study during any other kind of leave and subject to the other conditions laid down in Regulation-53 being satisfied, draw study allowance in respect thereof:

Provided that the period of such leave coinciding with the course of study shall not count as study leave.

51. Regulation of Study Leave extending beyond course of study.—When the course of study falls short of study leave granted to an employee, he shall resume duty on the conclusion of the course of study, unless the previous sanction of the authority competent to grant leave has been obtained to treat the period of shortfall as ordinary leave.

52. Leave salary during study leave.—(1) During study leave availed of outside India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee while on duty with Board immediately before proceeding on such leave and in addition the dearness allowance, house rent allowance and study allowance as admissible in accordance with the provisions of Regulations 53 to 56.

(2) (a) During study leave availed of in India, an employee shall draw leave salary equal to the pay that the employee drew while on duty with Board immediately before proceeding on such leave and in addition the dearness allowance and house rent allowance as admissible in accordance with the provisions of Regulation 56.

(b) Payment of leave salary at full rate under clause (a) shall be subject to furnishing of a certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or remuneration in respect of any part-time employment.

(c) The amount, if any, received by an employee during the period of study leave as scholarship or stipend or remuneration in respect of any part-time employment as envisaged in sub-regulation (2) of Regulation-53 shall be adjusted against the leave salary payable under this sub-regulation subject to the condition that the leave salary shall not be reduced to an amount less than that payable as leave salary during half-pay leave.

(d) No study allowance shall be paid during study leave for courses of study in India.

53. Conditions for grant of Study Allowance.—(1) A study allowance shall be granted to an employee who has been (granted study leave for studies outside India) for the period spent in prosecuting a definite course of study at a recognised institution or in any definite tour of inspection of any special class of work, as well as for the period covered by any examination at the end of the course of study.

(2) Where an employee has been permitted to receive and retain, in addition to his leave salary, any scholarship or stipend that may be awarded to him from a Government or non-Government sources, or any other remuneration in respect of any part-time employment—

(a) no study allowance shall be admissible in case the net amount of such scholarship or stipend or remuneration (arrived at by deducting the cost of fees, if any, paid by the employee from the value of the scholarship or stipend or remuneration) exceeds the amount of study allowance otherwise admissible ;

(b) in case the net amount of scholarship or stipend or remuneration is less than the study allowance otherwise admissible, the difference between the value of the net scholarship or stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment and the study allowance may be granted by the authority competent to grant leave.

(3) Study allowance shall not be granted for any period during which an employee interrupts his course of study to suit his own convenience :

Provided that the authority competent to grant leave or the Head of Mission may authorise the grant of study allowance for a period not exceeding 14 days at a time during such interruption if it was due to sickness.

(4) Study allowance shall also be allowed for the entire period of vacation during the course of study subject to the conditions that—

(a) the employee attends vacation and special course of study or practical training under the direction of the Board of the Authority competent to grant leave, as the case may be; or

(b) in the absence of any such direction, he produces satisfactory evidence before the Head of the Mission or the authority competent to grant leave, as the case may be, that he has continued his studies during the vacation:

Provided that in respect of vacation falling at the end of the course of study it shall be allowed for a maximum period of 14 days.

(5) The period for which study allowance may be granted shall not exceed 24 months in all.

54. Rates of Study Allowance.—(1) The rates of study allowance shall be as follows :

Name of the country	Study allowance per diem
Australia ...	£ 1.00 (Sterling)
Continent of Europe ...	£ 1.55 „
New Zealand ...	£ 1.20 „
United Kingdom ...	£ 2.00 „
United States of America	£ 2.75 „

1001 GI/92—5

(2) The rates of study allowance prescribed in sub-regulation (1) may be revised by the Board from time to time.

(3) The rates of study allowance to be granted to an employee who takes study leave in any country other than the one specified in sub-regulation (1) shall be such as may be specially determined by the Board in each case.

55. Procedure for payment of study allowance.—(1) Payment of study allowance shall be subject to the furnishing of a certificate by the employee to the effect that he is not in receipt of any scholarship, stipend or any other remuneration in respect of any part-time employment.

(2) Study allowance shall be paid at the end of every month provisionally subject to an undertaking in writing being obtained from the employee that he would refund to the Board any over payment consequent on his failure to produce the required certificate of attendance or on his failure to satisfy the authority competent to grant leave about the proper utilization of the time spent for which study allowance is claimed.

(3) (a) In the case of a definite course of study at a recognised institution, the study allowance shall be payable by the authority competent to grant leave, if the study leave availed of is in a country where there is no Indian Mission, and by the Head of the Mission in other cases, on claims submitted by the employee from time to time, supported by proper certificates of attendance.

(b) The certificate of attendance required to be submitted in support of the claims for study allowance shall be forwarded at the end of the term, if the employee is undergoing study in an educational Institution, or at intervals not exceeding three months if he is undertaking study at any other institution.

(4) (a) When the programme of study approved does not include, or does not consist entirely of, such a course of study, the employee shall submit to the authority competent to grant leave direct or through the Head of Mission a diary showing how his time has been spent and a report indicating fully the nature of the methods and operations which have been studied and including suggestions as to the possibility of adapting such methods or operations to conditions obtaining to the Port.

(b) The authority competent to grant leave shall decide whether the diary and report show that the time of the employee was properly utilised and shall determine accordingly for what periods study allowance may be granted.

56. Admissibility of allowances in addition to study allowance.—(1) For the first 120 days of the study leave, house rent allowance shall be paid at the rates admissible to the employee from time to time at the station from where he proceeded on study leave. The continuance of payment of house rent allowance beyond 120 days shall be subject to the production of a certificate as prescribed in para 8(d) of Ministry of Finance O.M. No. 2(37)-E. II(B)/64, dated 27-11-1965, as amended from time to time.

(2) Except for house rent allowance as admissible under sub-regulation (1) and the dearness allowance and the study allowance, where admissible, no other allowance shall be paid to an employee in respect of the period of study leave granted to him.

57. Travelling allowance during study leave.—An employee to whom study leave has been granted shall not ordinarily be paid travelling allowance but the Board may in exceptional circumstances sanction the payment of such allowance.

58. Cost of fees for study.—An employee to whom study leave has been granted shall ordinarily be required to meet the cost of fees paid for the study but in exceptional cases, the Board may sanction the grant of such fees;

Provided that in no case shall the cost of fees be paid to an employee who is in receipt of scholarship or stipend from whatever source or who is permitted to receive or retain, in addition to his leave salary, any remuneration in respect of part-time employment.

59. Registration or retirement after study leave or non-completion of the course of study:—(1) If an employee resigns or retires from service or otherwise quits service without returning to duty after a period of study leave or within a period of three years after such return to duty [or fails to complete course of study and is thus unable to furnish the certificates as required under sub-regulation (4) of Regulation-49] he shall be required to refund—

- (i) the actual amount of leave salary, study allowances, cost of fees, travelling and other expenses, if any, incurred by the Board; and
- (ii) the actual amount, if any, of the cost incurred by other agencies such as foreign Governments, Foundations and Trusts in connection with the course of study.

together with interest thereon at rates for the time being in force on loans given by the Board, from the date of demand, before his resignation in accepted or permission to retire is granted or his quitting service otherwise:

Provided that except in the case of employees who fail to complete the course of study nothing in this regulation shall apply.

- (a) to an employee who, after return to duty from study leave, is permitted to retire from service on medical grounds; or
- (b) to an employee who, after return to duty from study leave, is deputed to serve in any statutory or autonomous body or institution under the control of the Board and is subsequently permitted to resign from service under the board with a view to his permanent absorption in the said statutory or autonomous Body or institution in the Public Interest.

(2) (a) The study leave availed of by such an employee shall be converted into regular leave standing at his credit on the date on which the study leave commenced, any regular leave taken in continuation of study leave being suitably adjusted for the purpose and the balance of the period of study leave, if any, which cannot be so converted, treated as extraordinary leave.

(b) In addition to the amount to be refunded by the employee under sub-regulation (2), he shall be required to refund any excess of leave salary actually drawn over the leave salary admissible on conversion of the study leave.

(3) Notwithstanding anything contained in this regulation, the Board may, if it is necessary or expedient to do so, either in public interest or having regard to the peculiar circumstances of the case or class of cases, by order, waive or reduce the amount required to be refunded under sub-regulation (1) by the employee concerned or class of employees.

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

60 Interpretation.—Where any doubt arises as to the interpretation of these Regulations, it shall be referred to the Board and its decision shall be final.

61. Power to relax.—Where the Chairman is satisfied that the operation of any of these Regulations causes undue hardship in any particular case, he may by order for reasons to be recorded in writing, dispense with or relax the requirements of the Regulation to such extent and subject to such exceptions and conditions as may be considered necessary for dealing with the case in a just and equitable manner.

62. Repeal and saving.—(1) On the commencement of these Regulations, the Visakhapatnam Port Employees (Leave) Regulations, 1964 and the Visakhapatnam Port Employees (Study Leave) Regulations, 1964 in force immediately before such commencement and other provisions regarding regula-

tion of leave contained in the Fundamental Rules and the Supplementary Rules of the Government of India, as far as they are applicable to the employees of the Board, shall, in so far as it provides for any of the matter contained in these regulations, cease to operate.

(2) Notwithstanding such cesser of operation, anything done or any action taken or any leave earned by or granted to or accrued to the credit of an employee under the old Regulations/Rules shall be deemed to have been done, taken earned, granted or accrued under the corresponding provisions of these regulations.

63. Central Government Rules to be followed in the application of these regulations.—In applying the foregoing regulations and in respect of matters not dealt with in these regulations, the CCS (Leave) Rules, 1972 and the order of the Central Government issued thereunder from time to time, shall be followed in so far as they are not inconsistent with the provisions of these regulations, subject to such exceptions and modifications as the Board may from time to time determine.

THE SCHEDULE

[SEC. REG. 3(k)]

FORM—1

(Sec. Reg. 13)

APPLICATION FOR LEAVE OR FOR EXTENSION OF LEAVE

1. Name of applicant:
2. Post held:
3. Department, Office and Section:
4. Pay:
5. House rent and other compensatory allowances drawn in the present post:
6. Nature and period of leave applied for and date from which required:
7. Sundays, and holidays, if any, proposed to be prefixed/suffixed to leave :
8. Grounds on which leave is applied for:
9. Date of return from last leave, and the nature and period of that leave:
10. I propose/do not propose to avail myself of leave travel concession for the block years-----during the ensuing leave:
11. Address during leave period:

SIGNATURE OF APPLICANT

(With date)

12. Remarks and/or recommendation of the Controlling Officer.

SIGNATURE (With date)

Designation.

CERTIFICATE REGARDING ADMISSIBILITY OF LEAVE

13. Certified that -----
(nature of leave)
for ----- from ----- to -----
(period)
is admissible under Regulation-----of the
V.P.E. (Leave) Regulations, 1992.

SIGNATURE (with date)

Designation.

14. Orders of the authority competent to grant leave.

SIGNATURE (with date)

Designation.

FORM 2

(Sec Regulation-14)

FORM OF LEAVE ACCOUNT

Date of Birth :

Name of employee :

Date of commencement of continuous service :

Date of permanent employment

Date of retirement/resignation

Particulars of service in the half year of a calendar year.		EARNED LEAVE		HALF-PAY LEAVE	
From	To	Completed months of service in the half year of a calendar year.	E.L. Credited at the beginning of half-year.	No. of days of E.O.L. (Col. 36) availed of during the previous calendar half-year.	E.L. to be deducted (1/10th of the period in col. 5)
1	2	3	4	5	6

Total E.L. at credit in days (col. 4+11-6)	Leave taken			Balance of E.L. on return from leave (Col. 7-10)	Completed months of service in the half-year of a calendar year.	H.P.L. credited at the beginning of half-year.
	From	To	No. of days			
7	8	9	10	11	12	13

No. of days treated as "dies non" during the previous half-year.	H.P.L. to be deducted (1/18th of the period in col. 14)	Total H.P.L. at credit in days. (col. 35-13-15)	LEAVE		
			Against earnings on half-pay.		
			From	To	No. of days
14	15	16	17	18	19

(On Private Affairs & M.C. including commuted leave & leave not due)

TAKEN

L N D Limited to 360 days in entire service.

Commuted leave on medical certificate on full pay.

Other kinds of leave taken.

From	To	No. of days	Commutated leave W/O M.C. for studies certified to be in Board interest limited to 180 days (H.P.L. converted into 90 days commuted leave in entire service).			Commutated leave converted into half-pay leave (Twice of col. 22 & 25)	On medical Certificate.		
			From	To	No. of days		From	To	No. of days
20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
Otherwise than on M.C. limited to 180 days.			Total of leave not due (col. 29 & 32)		Total half-pay leave taken. (col. 19, 26, & 33)	Balance of half-pay leave on return from leave (Col. 16-34).			
From	To	No. of days							
30	31	32	33		34	35		36	

NOTE: 1. The earned leave due should be expressed in days.

NOTE: 2. When an employee is appointed during the course of a half-year of a particular calendar year, earned leave should be credited at the rate of 2 1/2 days for each completed calendar month and the fraction of a day will be rounded to the nearest day.

NOTE: 3. The entries in column 6 should be in complete days. Fraction of a day will be rounded to the nearest day.

NOTE: 4. Period of extraordinary leave should be noted in red ink.

FORM 3

(See Regulation-17)

MEDICAL CERTIFICATE FOR CL I & II OFFICERS RECOMMENDED LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR COMMUTATION OF LEAVE

Signature of the Employee _____

I, _____ after careful personal examination of the case hereby certify that Shri/Shrimati/Kumari _____ whose signature is given above, is suffering from _____ and I consider that a period of absence from duty of _____ with effect from _____ is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated _____

CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO.

PORT HOSPITAL

Note : 1—This form should be adhered to as closely as possible and should be filled in after the signature of the employee has been taken. The certifying officer is not at liberty to certify that the employee requires a change from or to a particular locality or that he is not fit to proceed to a particular locality. Such certificates should only be given at the explicit desire of the administrative authority concerned to whom it is open to decide when an application on such grounds has been made to him, whether the applicant should go before a CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO to decide the question of his/her fitness for service.

Note : —No recommendation contained in this certificate shall be evidence of a claim to any leave not admissible to the Employee.

FORM 4

(See Regulation—17)

MEDICAL CERTIFICATE FOR LEAVE OR EXTENSION OF LEAVE OR COMMUTATION OF LEAVE.

Signature of the employee _____

I, _____ after careful personnel examination of the case hereby certify that Shri/Shrimati/Kumari _____ whose signature is given above, is suffering from _____ and I consider that a period of absence from date of _____ with effect from _____ is absolutely necessary for the restoration of his/her health.

Dated _____

CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO

Note : 1—The nature and probable duration of the illness should be specified.

Note : 2—This Form should be adhered to as closely as possible and should be filled in after the signature of the Employee has been taken. The certifying officer is not at liberty to certify that the Employee requires a change from or to a particular locality, or that he is not fit to proceed to a particular locality. Such certificate should only be given at the explicit desire of the administrative authority concerned, to whom it is open to decide, when an application on such grounds has been made to him, whether the applicant should go before a CMO|DY. CMO|RMO|SMO|MO, to decide the question of his/her fitness for service.

NOTE : 3—Should a second medical opinion be required, the authority competent to grant leave should arrange for the second medical examination to be made at the earliest possible date by a medical offi-

cer not below the rank of a C.M.O., who shall express an opinion both as regards the facts of illness and as regards the necessity for the amount of leave recommended and for this purpose he may after require the employee to appear before himself or before a medical officer nominated by himself.

NOTE: 4—No recommendation contained in this certificate shall be evidence of a claim to any leave not admissible to the Employee.

FORM-5

[See Regulation-22(3)]

MEDICAL CERTIFICATE OF FITNESS TO RETURN TO DUTY

Signature of employee _____
We, the members of Medical Board

I, _____ Chief Medical Officer|Dy.
Chief Medical Officer|Registered Medical Officer|
Senior Medical Officer|Medical Officer|Registered
Medical Practitioner.

do hereby certify that we/I have carefully examined Shri/Shrimati/Kumari _____ whose Signature is given above, and find that he/she recovered from his/her illness and is now fit to resume duties in Board's service. We/I also certify that before arriving at this decision, we/I have examined the original medical certificates and statement(s) of the case (or certified copies thereof) on which leave was granted or extended and have taken these into consideration in arriving at our/my decision.

Members of the Medical Board.

- (1) _____
(2) _____
(3) _____

Chief Medical Officer|Dy. Chief
Medical Officer|Registered Medical
Officer|Senior Medical Officer|
Medical Officer,

Dated: _____

Registered Medical Practitioner

NOTE: The original medical certificate(s) and statement(s) of the case on which the leave was originally granted or extended shall be produced before the authority required to issue the above certificate. For this purpose, the original certificate(s) and statement(s) of the case should be prepared in duplicate, one copy being retained by the employee concerned.

FORM-6

[See Regulation-29(3)]

BOND FOR TEMPORARY EMPLOYEE GRANTED EXTRAORDINARY LEAVE IN RELAXATION OF REGULATION 29(2)(d)

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE, _____ residents of _____ in the District of _____ at present employed as _____ in the office of _____ (hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ of _____ (hereafter called "the sureties"), do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators, to pay to the Board of Trustees its successors and assigns (hereinafter called the 'Board') on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____) together with interest thereon from the date of

demand at Board rates for the time being in force on Board loans or, if the payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India and TOGETHER with all costs and charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

WHEREAS the Board has at the request of the above bounden Shri/Shrimati/Kumari _____ employed as a _____ granted him/her regular leave, followed by extraordinary leave without pay and allowances, for a period of _____ months _____ days with effect from _____ in order to enable his/her to study at _____,

AND WHEREAS the Board has appointed/will have to appoint a substitute to perform the duties of _____ during the period of absence of _____ Shri/Smt./Kumari _____ on extraordinary leave.

AND WHEREAS for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with two sureties with such condition as hereunder written:

AND WHEREAS the said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the bounden _____

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in the event of the above bounden Shri/Smt./Kumari _____ failing to rejoin on the expiry of the period of extraordinary leave, the post originally held by him/her and serve the Board after rejoining for such period not exceeding a period of _____ years as the Board may require or refusing to serve the Board in any other capacity as may be required by the Board on a salary to which he/she would be entitled under the regulations, the said Shri/Smt./Kumari _____ or his/her executors and administrators, shall forthwith pay to the Board on demand the said sum of Rs. _____ together with interest thereon from the date of demand at Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and or Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect, otherwise it shall be and remain in force and virtue:

PROVIDED always that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reason of time being granted or by any forbearance, act or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sue the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ or any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____ Signed and delivered by the obligor above named Shri/Shrimati/Kumari _____

in the presence of _____

Witnesses : 1. _____
2. _____

Signed and delivered by the surety above named Shri/Shrimati/Kumari _____ in the presence of _____

Witnesses : 1. _____
2. _____

Signed and delivered by the surety
above named Shri/Shrimati/Kumari
in the presence of _____

Witnesses : 1. _____
2. _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
Board of Trustees.

FORM-7

[See Regulation-49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE IN PER- MANENT EMPLOY, WHEN PROCEEDING ON STUDY LEAVE

KNOW all men by these presents that I, _____
resident of _____ in the District of _____
at present employee as _____ in the Office of _____
do hereby bind myself and my heirs, executors and adminis-
trators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called
the Board) on demand the sum of Rs. _____
(Rupees _____ only) together with interest
thereon from the date of demand at Board's rates for the
time being in force on Board's loans or, if payment is made
in a country other than India, the equivalent of the said
amount in the currency of that country converted at the
official rate of exchange between that country and India
AND TOGETHER with all costs between attorney and client
and all charges and expenses that shall or may have been
incurred by the Board.

WHEREAS I, _____ am granted study leave by
Board,

AND WHEREAS for the better protection of the Board
I have agreed to execute this bond with such condition as
hereunder is written :

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN
OBLIGATION IS THAT (in the event of my failing to re-
sume duty, or resigning or retiring from service or otherwise
quitting service) without returning to duty after the expiry
or termination of the period of study leave or failing to com-
plete the course of study) or at any time within a period
of three years after my return to duty, I shall forthwith pay
to the Board or as may be directed by the Board on demand
the said sum of Rs. _____ (Rupees _____
only) together with interest thereon from the date of de-
mand at Board rates for the time being in force on Board
loans.

AND upon my making such payment the above written
obligations shall be void and of no effect, otherwise it shall
be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws
of India for the time being in force and the rights and lia-
bilities hereunder shall, where necessary, be accordingly de-
termined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable
on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____
one thousand and nine hundred and _____
Signed and delivered by _____

in the presence of _____

Witnesses : 1. _____
2. _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
Board of Trustees.

FORM-8

[See Regulation-49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE IN PER- MANENT EMPLOY, WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT I—
resident of _____ in the District of _____
at present employed as _____
in the Office of _____ do hereby bind myself
and my heirs, executors, and administrators to pay the Board
of Trustees (hereinafter called "the Board" on demand the
sum of Rs. _____ (Rupees _____
only) together with interest thereon from
the date of demand at Board rates for the time being in force
on Board loans, or if payment is made in a country other
than India, the equivalent of the said amount in the cur-
rency of that country converted at the official rate of ex-
change between that country and India and TOGETHER
with all costs between attorney and client and all charges
and expenses that shall or may have been incurred by the
Board.

WHEREAS I, _____ was granted study leave
by Board for the period from _____ to _____
in consideration of which I executed a bond, dated _____
for Rs. _____ (Rupees _____ only)
in favour of the Board of Trustees.

AND WHEREAS for the better protection of the Board
granted to me at my request until _____,

AND WHEREAS for the better protection of the Board
I have agreed to execute this bond with such conditions as
hereunder are written.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN
OBLIGATION IS THAT (in the event of my failing to re-
sume duty, or resigning or retiring from service or otherwise
quitting service) without returning to duty after the expiry
or termination of the period of study leave so extended (or
failing to complete the course of study) or any time within
a period of three years after my return to duty, I shall forth-
with pay to the Board or as may be directed by the Board
on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____
only) together with interest there-
on from the date of demand at the Board rates for the time
being in force on Board loans.

AND upon my making such payment the above written
obligation shall be void and of no effect otherwise it shall
be and remain in full force and virtue.

The Bond shall in all respects be governed by the laws
of India for the time being in force and the rights and lia-
bilities hereunder shall, where necessary, be accordingly deter-
mined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable
on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____
one thousand nine hundred and _____
Signed and delivered by _____
in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
Board of Trustees.

FORM-9

[See Regulation 49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE NOT IN PERMANENT EMPLOY, WHEN PROCEEDING ON DUTY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE, _____ residents of _____ in the district of _____ at present employee as _____ in the Office of _____ (hereinafter called "the obligor") and Shri/Smt./Kumari _____ son/daughter of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter of _____ of _____ (hereinafter called "the sureties") do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country converted at the official rate of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by Board.

Whereas the obligor is granted study leave by the Board.

AND WHEREAS for the better protection of the Board, the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written.

AND WHEREAS THE said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden _____.

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATIONS IS THAT in the event of the obligor Shri/Smt./Kumari _____ (failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after his return to duty, the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and or Shri/Smt./Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be avoid and of no effect, otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

PROVIDED ALWAYS that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reason of time being granted or by any forbearance, act or omission of the Board or any person authorised by them (whether with or without the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sum the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ or any of them for amount due hereunder.

The Bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____ one thousand nine hundred and _____.
Signed and delivered by the obligor
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari _____

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari _____

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari _____

_____ in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
BOARD OF TRUSTEES

FORM 10

[See Regulation 49(3)]

BOND TO BE EXECUTED BY AN EMPLOYEE NOT IN PERMANENT EMPLOY, WHEN GRANTED EXTENSION OF STUDY LEAVE

KNOW ALL MEN BY THESE PRESENTS THAT WE, _____ residents of _____ in the District of _____ at present employed as _____ in the Office of _____ (hereinafter called "the obligor") and Shri/Shrimati/Kumari _____ Son/Daughter of _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ Son/Daughter of _____ (hereinafter called "the sureties") do hereby jointly and severally bind ourselves and our respective heirs, executors and administrators to pay to the Board of Trustees (hereinafter called "the Board") on demand the sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on the Board loans or, if payment is made in a country other than India, the equivalent of the said amount in the currency of that country, converted at the official rates of exchange between that country and India AND TOGETHER with all costs between attorney and client and all charges and expenses that shall or may have been incurred by the Board.

WHEREAS the obligor was granted study leave by the Board from the period from _____ to _____ in consideration of which he executed bond, dated _____ for Rs. _____ (Rupees _____ only) in favour of the Board.

AND WHEREAS the extension of study leave has been granted to the obligor at his request until _____ AND WHEREAS for the better protection of the Board the obligor has agreed to execute this bond with such condition as hereunder is written.

AND WHEREAS THE said sureties have agreed to execute this bond as sureties on behalf of the above bounden _____,

NOW THE CONDITION OF THE ABOVE WRITTEN OBLIGATION IS THAT in event of the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ (failing to resume duty, or resigning from service or otherwise quitting service) without returning to duty after the expiry or termination of the period of study leave so extended (or failing to complete the course of study) or at any time within a period of three years after his return to duty, the obligor and the sureties shall forthwith pay to the Board or as may be directed by the Board on demand the said sum of Rs. _____ (Rupees _____ only) together with interest thereon from the date of demand at the Board rates for the time being in force on the Board loans.

AND upon the obligor Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ and, or Shri/Shrimati/Kumari _____ the sureties aforesaid making such payment the above written obligation shall be void and of no effect otherwise it shall be and remain in full force and virtue.

PROVIDED ALWAYS that the liability of the sureties hereunder shall not be impaired or discharged by reasons of time being granted or by any forbearance, act of omission of the Board or any person authorised by them (whether with or within the consent or knowledge of the sureties) nor shall it be necessary for the Board to sum the obligor before suing the sureties Shri/Shrimati/Kumari _____ and Shri/Shrimati/Kumari _____ on any of them for amounts due hereunder.

The bond shall in all respects be governed by the laws of India for the time being in force and the rights and liabilities hereunder shall where necessary be accordingly determined by the appropriate Courts in India.

The employee has agreed to bear the stamp duty payable on this bond.

Signed and dated this _____ day of _____

one thousand nine hundred and _____,
Signed and delivered by the obligor
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

Signed and delivered by the surety
abovenamed Shri/Shrimati/Kumari

in the presence of _____

Witnesses : (1) _____

(2) _____

ACCEPTED

for and on behalf of the
BOARD OF TRUSTEES